THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 109 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.7 2083 सोमवार, 20 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

मॉनसून सत्र से पहले द्रमुक की केंद्र को दो टूक

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। सत्ता पक्ष और सभी विपक्षी दलों ने सत्र के लिए कमर कस ली है। केंद्र सरकार मॉनसून सत्र में उन बिलों को पास करवाने का पूरा प्रयास करेगी, जिन्हें वो विशेष सत्र में पास करवाने में नाकाम रही थी, वहीं विपक्ष सरकार को घेरने के लिए तरीके खोज रही है। इसी बीच मॉनसून सत्र से पहले द्रविड़ मुनेत्र कषगम की तरफ से बड़ा बयान सामने आया है। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने रविवार को कहा कि सरकार को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने तथा परिसीमन संबंधी संविधान संशोधन विधेयक पर स्पष्ट फार्मूला सामने रखना चाहिए और यह आरक्षण निचले सदन के वर्तमान संख्याबल के आधार पर दिया जाना चाहिए।

शिल्प कौशल की आर्थिक विकास में अहम भूमिका : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि इनोवेशन और वैश्विक साझेदारियों के जरिए पारंपरिक भारतीय शिल्प कौशल आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभा सकती है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से लिखे गए आर्टिकल को साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि 'एक जिला, एक उत्पाद' पहल स्थानीय शिल्पों को बाजार तक पहुंच हासिल करने, स्थायी आजीविका सृजित करने, विरासत को संरक्षित करने और भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने में मदद कर रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि चेन्नई स्थित 'वस्त्रकला' इस बात का उदाहरण है कि फ्रांस जैसे देशों के साथ सहयोग भारतीय कारीगरों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने में कैसे मदद कर सकता है।

उन्होंने बताया कि हाल ही में पेरिस में आयोजित एक निवेशकों की बैठक के दौरान भारत में फ्रांस के राजदूत ने 'वस्त्रकला' का जिक्र किया था। यह भारत-फ्रांस की साझेदारी का एक अनूठा उदाहरण है, जिसने फ्रांस की हाउट कूचर यानी उच्चस्तरीय फैशन कला को भारत की सदियों पुरानी कढ़ाई परंपरा के साथ जोड़ा है।

भारत लौटने के बाद वित्त मंत्री चेन्नई के निकट तिरुवल्लूर जिले के गुडापक्कम स्थित वस्त्रकला की कार्यशाला गई थीं। वित्त मंत्री ने कहा कि कारीगरों की टीम के साथ दोपहर का भोजन करते समय उन्हें पता चला कि वस्त्रकला ने जानबूझकर अपनी पहली चेन्नई स्थित कार्यशाला को गुडापक्कम स्थानांतरित किया, ताकि पीढ़ियों से इन पारंपरिक कौशलों को संजोए हुए गांवों के लोगों तक उच्च मूल्य वाले रोजगार पहुंचाए जा सकें। यह मानो समय का पहिया उल्टा घूम गया हो। आमतौर पर युवा रोजगार के लिए गांवों से शहरों की ओर पलायन करते हैं, लेकिन यहां एक कंपनी ने शहर छोड़कर गांव में बसने का फैसला किया।

सिंधु ने रचा इतिहास

पीवी ने 19 महीने का खिताबी सूखा खत्म किया

टोक्यो, 19 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने रविवार को टोक्यो में इतिहास रच दिया। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी अकाने यामागुची को उन्हीं के घरेलू मैदान पर मात देकर पहली बार जापान ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया। इस खिताबी जीत के साथ ही सिंधु ने पिछले 19 महीनों से चले आ रहे अपने खिताबी सूखे को भी सफलतापूर्वक खत्म कर दिया है। वह इस खिताब को जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बना गई हैं।

शुरूआत में पिछड़ने के बाद सिंधु की शानदार वापसी :

टोक्यो में खेले गए इस खिताबी मुकाबले के पहले गेम में पीवी सिंधु शुरूआत में यामागुची से पिछड़ रही थीं। लेकिन भारतीय स्टार ने बेहतरीन वापसी करते हुए मुकाबले पर अपनी पकड़ बनाई और जापानी खिलाड़ी को सीधे गेमों में 21-17, 21-17 से करारी शिकस्त दी। सिंधु का दिसंबर 2024 में घरेलू सरजमीं पर सैयद मोदी इंटरनेशनल खिताब जीतने के बाद से यह पहला खिताब है। इसके साथ ही 31 साल की सिंधु के करियर का यह पहला सुपर 750 सीरीज खिताब है। साल 2019 में विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीतने के सात साल बाद यह सिंधु की पहली बड़ी खिताबी सफलता है।

यामागुची के खिलाफ रिकॉर्ड में बढ़त बनाई :

दोनों खिलाड़ियों के बीच यह करियर का 30वां मुकाबला था। हालांकि हाल के दिनों में यामागुची का पलड़ा भारी रहा था, जिन्होंने पिछले 10 मुकाबलों में से 7 में जीत दर्ज की थी। लेकिन सिंधु ने अपने करियर में पहली बार जापान ओपन के फाइनल में जगह बनाते हुए यामागुची पर अपनी कुल बढ़त को 16-14 कर लिया है। इससे पहले सिंधु ने सेमीफाइनल में चोटिल चेन युफेई को हराकर फाइनल का टिकट पक्का किया था। इस बड़ी जीत के साथ सिंधु ने अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन सर्किट पर एक बार फिर शानदार वापसी का बिगुल फूंक दिया है।

जापान ओपन जीतने के बाद पीवी सिंधु अपने कोच के साथ।

सरयू की पवित्र धारा में नाव पर बीयर-मटन पार्टी का वीडियो वायरल

अयोध्या, 19 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या में पवित्र सरयू नदी के बीच नाव पर कथित रूप से बीयर और मटन पार्टी करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दावा किया जा रहा है कि यह वीडियो थाना कैंट क्षेत्र के गुप्तारघाट का है, जहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु मां सरयू में स्नान और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं।

वायरल वीडियो में चार युवक नाव पर बैठे दिखाई दे रहे हैं। उनके सामने बीयर की कैन और मांसाहारी भोजन होने का दावा किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर इसे मां सरयू की मर्यादा और श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था के साथ खिलवाड़ बताते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग उठ रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, वीडियो में दिखाई दे रहे युवक गुप्तारघाट क्षेत्र के ही निषाद समुदाय से जुड़े बताए जा रहे हैं। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। फिलहाल वीडियो की सत्यता, स्थान और इसमें शामिल लोगों की पहचान की पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। यदि जांच में वीडियो गुप्तारघाट का और उसमें किए जा रहे कृत्य की पुष्टि होती है, तो संबंधित लोगों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा सकती है।

सर्वदलीय बैठक में 40 पार्टियां शामिल

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। मानूसन सत्र से एक दिन पहले रविवार को संसद भवन के एनेक्सी बिल्डिंग में सर्वदलीय बैठक हुई। 3 घंटे चली मीटिंग की अध्यक्षता राजनाथ सिंह ने की।

मीटिंग में कांग्रेस, सपा, टीएमसी, डीएमके सहित 40 दलों के नेता शामिल हुए। हालांकि बैठक के बीच विपक्ष ने सांकेतिक वॉकआउट किया। विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने टीएमसी के बागी 20 सांसदों के गुट को बैठक में क्यों बुलाया, जबकि स्पीकर ओम बिरला ने उनके गुट को अभी तक मान्यता नहीं दी है।

उधर संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने बैठक के बाद कहा कि, मीटिंग में अच्छी चर्चा हुई। सबने अपनी बात रखी। सदन बिना

रुकावट चले, यह हम सभी की जिम्मेदारी है। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान 19 बैठकें होंगी। सोमवार को अमित शाह राज्यसभा में वंदे मातरम से जुड़ा बिल पेश करेंगे।

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके, जेएमएम, आम आदमी पार्टी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, वामपंथी दलों और शिवसेना (यूबीटी) समेत पूरे विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक का वॉकआउट किया है।

उन्होंने कहा कि टेबल ऑफिस की लिस्ट में अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सदस्य संख्या 28 दिखाई गई है, जबकि एनसीपीआई (एनसीपीआई) नाम की एक गैर-मान्यता प्राप्त पार्टी के 20 बागी सांसदों के विलय को स्पीकर ने मंजूरी नहीं दी है और उनकी अयोग्यता की याचिकाएं अभी लंबित हैं।

महुआ ने सवाल उठाया कि 91वें संशोधन के बाद जब किसी अलग गुट की गुंजाइश ही नहीं है, तो संसदीय कार्य मंत्री ने इन 20 बागी सांसदों को किस आधार पर न्योता दिया? इसी के विरोध में पूरे विपक्ष ने बैठक का बहिष्कार किया है।

टीएमसी के बागी सांसद सुदीप बंदोपाध्याय संसद के मॉनसून सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक में शामिल होने के लिए संसद एनेक्सी बिल्डिंग पहुंचे।

बिहार में 40 लोगों से भरी नाव नदी में पलटी

सीतामढ़ी/शिवहर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। नेपाल में लगातार हो रही बारिश के बाद बिहार में कोसी, बागमती समेत कई नदियां उफान पर हैं। इसी बीच रविवार को सीतामढ़ी के रुन्नीसैदपुर स्थित बागमती नदी में 40 लोगों से भरी एक नाव पलट गई। नाव पलटते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने नदी में छलांग लगाकर यात्रियों को बचाया। कई लोग खुद तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए।

नाव चालक हम लोगों से भी कह रहा था कि आ जाइए, नदी पार करा देंगे। दूसरी बार में देर हो जाएगी, जल्दी पहुंच जाएंगे, लेकिन हमने नाव पर ज्यादा भीड़ देखकर मना कर दिया। थोड़ी ही देर बाद नाव पलटने की जानकारी मिली।

नदी की तेज धारा के बीच नाव पहले डगमगाती है और फिर अचानक पलट जाती है। नाव पलटते ही सभी यात्री नदी में गिर जाते हैं। वहीं, नदी के दूसरे किनारे पर खड़े लोग मदद के लिए चिल्लाते और बचाव की गुहार लगाते नजर आ रहे हैं। ग्रामीण इरफान अंसारी ने बताया कि खड़का गांव निवासी मो. फरहान का निधन हो गया था। उन्हें सुपुर्द-ए-खाक करने के लिए शव को नदी पार स्थित कब्रिस्तान ले जाया गया। मृतक के परिजन, शुभचिंतक और ग्रामीणों सहित 40 से अधिक लोग एक ही नाव पर सवार होकर कब्रिस्तान पहुंचे थे, क्योंकि कब्रिस्तान खड़का घाट के उस पार स्थित है।

राममंदिर चढ़ावा चोरी पर राहुल ने मोदी को चिट्ठी लिखी

आपकी चुप्पी स्वीकार नहीं, ट्रस्ट के खाते सार्वजनिक हों, टिन्नू से भी पूछताछ

अयोध्या, 19 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की स्वतंत्र जांच कराई जाए। खातों को सार्वजनिक किया जाए, ताकि हर भक्त जान सके कि चढ़ावे का इस्तेमाल कहां और कैसे हुआ। जांच में जो भी जिम्मेदार पाए जाएं, उनकी जवाबदेही तय हो।

शनिवार को लिखी चिट्ठी रविवार को सामने आई। उन्होंने पीएम मोदी से कहा- आपने संसद में ट्रस्ट के गठन की घोषणा की थी, लेकिन इसके सदस्यों की नियुक्ति पूरी तरह से सरकार ने की। यह बात जगजाहिर है कि ट्रस्ट के सदस्य आरएसएस, वीएचपी और उसके सहयोगियों से जुड़े हैं। पूर्व महासचिव भी आपके करीबी थे। ऐसे में आपकी चुप्पी स्वीकार नहीं है। जवाबदेही सुनिश्चित करना आपका कर्तव्य है। सरकार और ट्रस्ट की साख इसी बात पर टिकी है।

इधर, आरोपी रमाशंकर यादव उर्फ 'टिन्न' और उसके भतीजे मनीष की पुलिस कस्टडी का आज आखिरी दिन है। शनिवार सुबह साढ़े 8 बजे पुलिस दोनों को जिला जेल से अपने साथ 39 घंटे की रिमांड पर ले गई थी। पुलिसकर्मी रात 11 बजे तक एसओजी ऑफिस में ही मौजूद रहे। आरोपियों को कहीं और नहीं ले जाया गया।

टिन्न, पूर्व महासचिव चंपत राय का करीबी रहा है। वह मंदिर के दानपात्रों की देखरेख करता था, जबकि मनीष चढ़ावे की गिनती का काम करता था। पुलिस ने टिन्न के घर से 1 लाख रुपये और मनीष के घर से 2 लाख रुपये बरामद किए थे। इससे पहले पुलिस 6 अन्य आरोपियो अविनाश शुक्ला, लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव, रमाशंकर मिश्रा और करुणेश को रिमांड पर ले चुकी है।

ओवैसी ने पूछा- सचिव-डीएम के रहते कैसे हुई राम मंदिर में चोरी :

संभल में शनिवार को ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने यूपी सरकार पर हमला बोला। राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर उन्होंने कहा कि जब ट्रस्ट में जिलाधिकारी और प्रमुख सचिव (गृह) जैसे अधिकारी शामिल थे, तब ऐसी घटना कैसे हो गई। सरकार को इन सवालों का जवाब देना चाहिए और पूरे मामले में पारदर्शिता बरतनी चाहिए।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राज्यसभा में वंदे मातरम बिल पेश करेंगे

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह संसद के मानसून सत्र के दौरान सोमवार को राज्यसभा में वंदे मातरम बिल पेश करेंगे। प्रस्तावित कानून का मकसद राष्ट्रीय गीत, वंदे मातरम को वही कानूनी और कानूनी सुरक्षा देना है, जो अभी राष्ट्रीय गान, जन गण मन को मिली हुई है। अगर यह बिल लागू होता है, तो यह राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम एक्ट में बदलाव करेगा, ताकि वंदे मातरम का अपमान करना एक सजा वाला अपराध बन जाए और कानूनी सुरक्षा के मामले में इसे राष्ट्रीय गान के बराबर लाया जा सके।

प्रस्तावित कानून के तहत, अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर राष्ट्रीय गीत का अपमान करता है या गाने में रुकावट डालता है, तो उसे तीन साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। अभी, राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम एक्ट राष्ट्रीय गान का सम्मान करना जरूरी बनाता है, जिसमें लोगों को इसे गाते समय खड़ा होना जरूरी है और अपमान या रुकावट डालने वाले कामों पर रोक है। प्रस्तावित बदलाव का मकसद वंदे मातरम को वैसी ही कानूनी सुरक्षा देना है, जिसे अब तक राष्ट्रीय गीत के तौर पर पहचान मिलने के बावजूद उतनी कानूनी सुरक्षा नहीं मिली है। प्रस्तावित कानून के अनुसार, अगर बिल संसद के दोनों सदनों से पास हो जाता है, तो वंदे मातरम का अपमान करना एक क्रिमिनल ऑफेंस बन जाएगा, जिससे राष्ट्रीय गीत उसी कानूनी दायरे में आ जाएगा जो दूसरे राष्ट्रीय प्रतीकों, जैसे राष्ट्रीय गान, राष्ट्रीय झंडा और संविधान की रक्षा करता है। कानून के मौजूदा नियमों के अनुसार, जो कोई भी जानबूझकर राष्ट्रीय गान गाने से रोकता है या इसके दौरान कोई गड़बड़ी करता है, उसे तीन साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। इस बदलाव का मकसद वंदे मातरम गाने को जानबूझकर रोकने, उसमें रुकावट डालने या उसका अपमान करने वाले कामों पर भी यही सजा लागू करना है। बदले हुए बिल में खास तौर पर तीन साल तक की जेल और जुर्माना लगाने का प्रस्ताव है, अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर राष्ट्रीय गीत गाने से रोकता है या उसमें रुकावट डालता है या इसके गाने में लगी किसी भी भीड़ में रुकावट डालता है।

यह कानूनी कदम केंद्रीय गृह मंत्रालय के 9 जुलाई को सभी राज्यों को दिए गए निर्देश के बाद आया है, जिसमें कहा गया है कि सरकारी कामों के दौरान जब भी जन गण मन गाया जाए, तो उससे पहले वंदे मातरम बजाया जाए।

ईरान बोला- अमेरिका का एमक्यू-9 ड्रोन मार गिराया

यूएस ने लगातार 8वीं रात तेहरान पर बम बरसाए

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, 19 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने खुजेस्तान प्रांत के अहवाज में अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को इंटरसेप्ट कर मार गिराया। ईरानी सरकारी मीडिया ने ड्रोन गिराने का वीडियो भी जारी किया है।

आईआरजीसी के मुताबिक, उसने अपने नए डिफेंस सिस्टम से ड्रोन को निशाना बनाया। हालांकि अमेरिका ने अब तक न तो ड्रोन गिराए जाने के दावे की पुष्टि की है और न ही जारी वीडियो पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया दी है। एमक्यू-9 रीपर अमेरिकी सेना का अत्याधुनिक मानव रहित ड्रोन है, जिसका इस्तेमाल निगरानी, खुफिया जानकारी जुटाने और सटीक हवाई हमलों के लिए किया जाता है। दूसरी ओर, अमेरिकी सेना ने कहा है कि उसने लगातार आठवीं रात

ईरान के खिलाफ हवाई हमले किए। इससे पहले अमेरिका ने जानकारी दी थी कि जॉर्डन में ईरान के मिसाइल हमले में दो अमेरिकी सैनिकों की मौत हुई, जबकि एक सैनिक लापता है।

ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) नौसेना ने दावा किया है कि होर्मुज स्ट्रेट से निकलने की कोशिश कर रहे दो जहाज हादसे का शिकार होकर रुक गए, जबकि दो अन्य जहाजों ने आगे बढ़ने से इनकार कर दिया। आईआरजीसी ने हादसा कैसे हुआ इसकी कोई जानकारी नहीं दी। उसका दावा है कि इन जहाजों ने नेविगेशन सिस्टम बंद कर दिए और चेतावनियों की अनदेखी की।

आईआरजीसी ने कहा कि तेल, गैस या उर्वरक ले जाने वाले जहाजों को पहले अनुमति लेनी होगी और ईरान की तय समुद्री मार्ग का ही इस्तेमाल करना होगा। दूसरे रास्तों से गुजरने वाले जहाज हादसों का जोखिम उठाएंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रिपब्लिकन सांसदों से रूस पर प्रस्तावित प्रतिबंध विधेयक में ईरान को भी शामिल करने की अपील की है। ट्रम्प का कहना है कि रूस के खिलाफ तैयार किए जा रहे प्रतिबंधों का दायरा बढ़ाया जाना चाहिए।

एनटीए ने नकली और एआई से बनी ओएमआर शीट के खिलाफ दी चेतावनी

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने नीट यूजी 2026 के उम्मीदवारों और उनके अभिभावकों के लिए एक जरूरी सलाह जारी की है। एजेंसी ने कहा है कि स्कोर में किसी तरह की गड़बड़ी की शिकायत करते समय फर्जी या एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से बनाई गई ओएमआर शीट का इस्तेमाल न करें। एनटीए के मुताबिक, उसे कई शिकायतें मिली थीं जिनमें उम्मीदवारों के अनुमानित और घोषित अंकों में अंतर होने की बात कही गई थी। इन शिकायतों की जांच के दौरान एजेंसी ने पाया कि कुछ लोगों ने नकली या एआई से तैयार की गई ओएमआर शीट जमा की थीं। एनटीए ने चेतावनी दी है कि ऐसा करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

एजेंसी ने एक एडवाइजरी में कहा, एनटीए सभी शिकायतों की बारीकी से निगरानी और जांच कर रहा है। जांच के लिए जमा की गई कई ओएमआर शीट नकली/एआई से बनी पाई गई हैं, इसलिए छात्रों और अभिभावकों को सलाह दी जाती है कि वे जांच के लिए केवल असली ओएमआर ही जमा करें। किसी भी नकली/एआई से बनी ओएमआर के मामले में शिकायतकर्ता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

महिला इंजीनियर का शव मिला, मूर्ति नहीं

देवी की मूर्ति लेकर तालाब में लगाई छलांग, मचा हड़कंप

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां 25 साल की एक युवती ने नग्न अवस्था में मंदिर में प्रवेश किया। इसके बाद वह देवी (अम्मावरु) की मूर्ति उठाकर भागी और पास के एक तालाब में कूद गई। पुलिस ने तालाब से युवती का शव बरामद कर लिया है, लेकिन देवी की मूर्ति अभी तक नहीं मिली है। पुलिस गोताखोरों की मदद से मूर्ति की तलाश कर रही है, जिसे जांच में एक महत्वपूर्ण सबूत माना जा रहा है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि मृत युवती मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थी। वह पहले बेंगलुरू में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर काम करती थी। इसके बाद वह विशाखापट्टनम में रहने लगी थी। युवती के माता-पिता के बीच वैवाहिक विवाद चल रहा था। इस वजह से उसके पिता विशाखापट्टनम में रहते हैं, जबकि उसकी मां हैदराबाद के पीरजादिगुडा में रहती थीं। पुलिस के अनुसार, मृत युवती और उसकी मां दोनों ही भय और डर से ग्रस्त थीं।

पुलिस ने बताया कि घटना से पहले 17 जुलाई को युवती अपनी मां के साथ मियापुर में एक फ्लैट देखने गई थी। वे वहां दो बेडरूम का अपार्टमेंट खरीदने की योजना बना रही थीं। घर लौटने के बाद दोनों अपने-अपने कमरों में सोने चली गईं। इसके बाद युवती ने अपनी मां के कमरे का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। फिर वह नग्न अवस्था में मंदिर गई और वहां से मूर्ति लेकर तालाब में कूद गई। शनिवार सुबह पुलिस ने शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के बाद उसे मां को सौंप दिया। पुलिस ने युवती के पिता को भी घटना की सूचना दे दी है। पुलिस अब वित्तीय लेनदेन और उसकी गतिविधियों की जांच कर रही है।

एससीओ और आसियान दोनों मंच पर गरजेगा भारत

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। अगले हफ्ते शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) और आसियान के विदेश मंत्रियों की बैठकों में हिस्सा लेते हुए, भारत की प्राथमिकताओं में आतंकवाद और चरमपंथ का मुकाबला करना, समुद्री सुरक्षा को मजबूत करना, मजबूत सप्लाई चेन बनाना और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा देना शामिल होगा।

बिश्केक में होने वाली एससीओ विदेश मंत्रियों की बैठक, अगस्त के आखिर या सितंबर की शुरूआत में होने वाले संगठन के शिखर सम्मेलन की रूपरेखा तैयार करेगी। इस मामले की जानकारी रखने वाले विशेषज्ञों ने बताया कि उम्मीद है कि भारत एक बार फिर यूरेशियाई क्षेत्र में सीमा-पार आतंकवाद से निपटने के लिए एससीओ के मजबूत तंत्र की वकालत करेगा।

19 से 24 जुलाई तक आसियान विदेश मंत्रियों की बैठक :

फिलीपींस 19 से 24 जुलाई तक आसियान विदेश मंत्रियों की बैठक, मंत्रियों के बाद होने वाले सम्मेलनों और दक्षिण-पूर्व एशिया में मित्रता और सहयोग की संधि की 50वीं वर्षगांठ के कार्यक्रमों की मेजबानी करेगा।

इन बैठकों में शामिल होने वालों में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, चीनी विदेश मंत्री वांग यी, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव, ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ-साथ भारत, जापान और न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री और यूरोपीय संघ के प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं। मंत्रियों के इस हफ्ते का समापन 'आसियान प्लस थ्री' विदेश मंत्रियों की बैठक, आसियान क्षेत्रीय मंच और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के विदेश मंत्रियों की बैठक के साथ होगा।

क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक भी हो सकती है :

आसियान बैठकों के दौरान क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक भी हो सकती है, क्योंकि चारों क्वाड सदस्यों के मनीला में मौजूद रहने की उम्मीद है। यह बैठक मई में नई दिल्ली में हुई क्वाड विदेश मंत्रियों की बातचीत के बाद होगी।

अभिषेक बनर्जी को राहत

कोलकाता, 19 जुलाई (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी के दक्षिण 24 परगना जिले के आमतला स्थित डायमंड हार्बर संसदीय क्षेत्र के कार्यालय को गिराने की कार्रवाई पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने फिलहाल रोक लगा दी है। अदालत ने रविवार को मामले की विशेष सुनवाई करते हुए जुलाई महीने के अंत तक भवन को लेकर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति राजा बसु चौधरी ने रविवार को विशेष बैठक के दौरान राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह आमतला स्थित इस भवन से जुड़े सभी दस्तावेज अदालत में पेश करे। अदालत ने कहा कि मामले की अगली सुनवाई नियमित पीठ के समक्ष होगी।

यह भवन 'लीप्स एंड बाउंड्स' कंपनी का बताया जा रहा है। इसी कंपनी ने भवन तोड़े जाने की कार्रवाई को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक अन्य मामले में अभिषेक बनर्जी को इस कंपनी का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बताया है।

भीषण सड़क हादसा, लॉरी और कार की टक्कर में चार लोगों की मौत, एक गंभीर रूप से घायल

विशाखापत्तनम, 19 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम से एक दुखद घटना सामने आई है, जहां एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। यह दुर्घटना आनंदपुरम राष्ट्रीय राजमार्ग पर सत्तरावु जंक्शन के पास हुई। यहां एक लॉरी और कार के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है।

घटना की जानकारी मिलते ही आनंदपुरम पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायल व्यक्ति को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा। आनंदपुरम के सर्कल इंस्पेक्टर येर्रम नायडू ने हादसे की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस की टीम घटनास्थल पर मौजूद है और हादसे से जुड़ी जरूरी जानकारी जुटा रही है।

पीएम मोदी 1 अगस्त को आंध्र के भोगपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे

विजयवाड़ा, 19 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू ने घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 अगस्त को भोगपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह एयरपोर्ट उत्तरी आंध्र क्षेत्र की आर्थिक तस्वीर बदल देगा। उन्होंने बताया कि एयरपोर्ट से नए मौके पैदा होंगे और क्षेत्र की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में काफी सुधार होगा।

इस एयरपोर्ट प्रोजेक्ट की शुरुआत 2014 में तेलुगु देशम पार्टी की सरकार के दौरान हुई थी। मौजूदा एनडीए गठबंधन सरकार ने इसके काम में तेज़ी लाई और इसे दो साल के अंदर पूरा किया। राज्य सरकार इस अहम प्रोजेक्ट के लिए उद्घाटन समारोह को भव्य स्तर पर

आयोजित करने की योजना बना रही है। तैयारियों के तहत, मुख्यमंत्री नायडू ने उद्घाटन कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को लेकर एक हाई-लेवल समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने कहा कि भोगपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तरी आंध्र के विकास के लिए गेम-चेंजर साबित होगा। इससे नए मौके पैदा होंगे जो आम लोगों की ज़िंदगी बदल देंगे और आर्थिक गतिविधियों को तेज़ करेंगे। बेहतर कनेक्टिविटी देने के अलावा, यह एयरपोर्ट पर्यटन, औद्योगिक विकास और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएगा। यह विशाखापत्तनम आर्थिक क्षेत्र में एक अहम भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह शमशाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने हैदराबाद और उसके आस-पास के इलाकों की तस्वीर बदल दी, उसी तरह भोगपुरम एयरपोर्ट भी उत्तरी आंध्र क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाएगा।

पति-पत्नी ने फंदा लगाकर दी जान, कंपनी से लौटे बेटे ने देखा खौफनाक मंजर

रेवाड़ी, 19 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के धारूहेड़ा क्षेत्र के गांव राजपुरा आलमगीर में एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां एक दंपति ने अपने ही घर की छत पर बने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतकों की पहचान 50 वर्षीय अशोक कुमार और उनकी 48 वर्षीय पत्नी नीलम के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार अशोक कुमार अपने परिवार के साथ रहते थे,

लेकिन वह अपनी पत्नी के साथ मकान की छत पर बने कमरे में अलग रहते थे। करीब साढे आठ बजे उनका बेटा कंपनी में ड्यूटी करने के बाद घर लौटा। वह जब अपने माता-पिता से मिलने के लिए छत पर बने कमरे में पहुंचा तो वहां अंधेरा था। जैसे ही उसने कमरे की लाइट जलाई, अंदर का दृश्य देखकर उसके होश उड़ गए।

28 साल के बाद ममता बनर्जी के साथ हो रहा ऐसा

कल पश्चिम बंगाल में महासंग्राम होना तय

कोलकाता, 19 जुलाई (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में पहले से ही 'महाभारत' जारी है। 'असली टीएमसी' के लिए अलग-अलग गुटों में सियासी जंग चल रही है। ऐसे में 21 जुलाई को होने वाली पार्टी की 'शहीद दिवस' को लेकर भी पश्चिम बंगाल में तनाव का माहौल है। राज्य में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस की 15 साल पुरानी सरकार के खत्म होने से न सिर्फ़ राज्य का राजनीतिक माहौल बदला है, बल्कि टीएमसी के 'शहीद दिवस' कार्यक्रम पर भी असर पड़ा है, जिसे पार्टी पारंपरिक रूप से हर साल 21 जुलाई को मनाती रही है।

1 जनवरी 1998 को टीएमसी के गठन के बाद पहली बार पार्टी तीन गुटों में बंट गई है। हर गुट पार्टी की राजनीतिक विरासत पर अपना दावा कर रहा है और 21 जुलाई का कार्यक्रम अलग-अलग मनाने की तैयारी कर रहा है।

पिछले सालों के उलट, इस साल 21 जुलाई का कोई भी कार्यक्रम मध्य कोलकाता के सेंट्रल एवेन्यू पर नहीं होगा, जहां ममता लगभग दो दशकों से सालाना रैली आयोजित करती रही थीं। कोलकाता पुलिस ने 'शहीद दिवस' रैली की पारंपरिक जगह समेत मध्य कोलकाता के कई इलाकों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की है। कोलकाता पुलिस कमिश्नर और एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट अजय नंद की ओर से जारी यह आदेश 2 जुलाई से लागू हो गया है और 30 अगस्त तक प्रभावी रहेगा।

पुलिस ने खुफिया जानकारी का हवाला देते हुए कहा है कि कई राजनीतिक कार्यक्रमों से हिंसा भड़क सकती है और कानून-व्यवस्था बिगड़ सकती है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने अब ममता गुट को शहीद दिवस मनाने के लिए मध्य कोलकाता के बिड़ला तारामंडल के पास दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच कार्यक्रम करने की इजाज़त दे दी है। इसमें ज़्यादा से ज़्यादा 2,500 लोग शामिल हो सकेंगे। जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने पुलिस को कार्यक्रम के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम करने का निर्देश दिया। रिताब्रता गुट उसी दिन मेयो रोड पर गांधी जी की मूर्ति के सामने अपना कार्यक्रम आयोजित करेगा, जबकि राज्य कांग्रेस शहर में शहीद मीनार के पास अपना कार्यक्रम करेगी।

आंध्र प्रदेश में सार्स कोविड-2 का ओमिक्रॉन आरएफ.5 वैरिएंट मिला

कडपा, 19 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में कोविड-19 पॉजिटिव सैंपल की जीनोम सीक्वेंसिंग के बाद सार्स कोविड-2 वायरस का ओमिक्रॉन आरएफ.5 वैरिएंट पाया गया है। कडपा जिले से लिए गए चार कोविड-19 पॉजिटिव सैंपल को जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए पुणे स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) की लैब में भेजे जाने के बाद इस वैरिएंट की पहचान हुई। नतीजों से ओमिक्रॉन आरएफ.5 सब-लीनिएज (उप-प्रकार) की मौजूदगी की पुष्टि हुई।स्वास्थ्य मंत्री वाई। सत्य कुमार यादव ने पुणे से मिले सीक्वेंसिंग नतीजों पर चर्चा की और राज्य की कोविड-19 तैयारियों का जायजा लिया। मेडिकल एजुकेशन के डायरेक्टर डॉ. विष्णुवर्धन ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन अपने निगरानी कार्यक्रम के तहत आरएफ.5 पर नज़र रख रहा है।

उन्होंने बताया कि सिंगापुर और दक्षिण-पूर्व एशिया के कई देशों में इसके मामले सामने आए हैं, लेकिन इस बात का कोई सबूत नहीं है कि आरएफ.5 से दूसरों की तुलना में स्वास्थ्य को ज़्यादा खतरा है। उन्होंने कहा कि आरएफ.5 के लक्षण ओमिक्रॉन के अन्य सब-वैरिएंट्स जैसे ही हैं, जिनमें गले में खराश, खांसी, बुखार, सिरदर्द, नाक बहना या बंद होना, थकान और शरीर में दर्द शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि आंध्र प्रदेश किसी भी कोविड मामले से निपटने के लिए तैयार है।

ट्रेन की चपेट में आने से 6 हिरणों की मौत मुंबई-हावड़ा रेलवे ट्रैक पर हुआ हादसा

नागपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। नागपुर के कन्हान में एक हादसे में मुंबई-हावड़ा रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से 6 हिरनों की मौत हो गई। घटना कन्हान रेलवे स्टेशन के तुकारामनगर क्षेत्र में हुई। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा किया। बताया जा रहा है कि हिरणों का झुंड रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आने से 6 हिरणों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृत हिरणों में पांच मादा और एक नर का शव बरामद किया गया है। मृत हिरणों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि तड़के नागपुर जिले में मुंबई-हावड़ा मेन लाइन पर कन्हान रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आने से छह हिरणों की मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि यह हादसा यहां से लगभग 30 किलोमीटर दूर तुकाराम नगर इलाके में सुबह 4 बजे से 5 बजे के बीच हुआ। हादसा तब हुआ जब हिरणों का एक झुंड रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। इसी दौरान कुछ जंगली जानवर तेज रफ़्तार ट्रेन की चपेट में आ गए। कन्हान पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि इस टक्कर में पांच मादा और एक नर हिरण की मौत हो गई।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने थोड़ी देर बाद रेलवे ट्रैक पर मृत अवस्था में हिरणों को देखा। इसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस और वन विभाग के अधिकारियों को इसकी सूचना दी। सूचना पाकर पुलिस और वन विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। इसके बाद वन विभाग के अधिकारियों ने 'पंचनामा' (मौके का निरीक्षण) किया और शवों को अपने कब्ज़े में ले लिया।

इवेंट के गोदाम में भीषण आग संकरी गलियों के बीच दमकल की 15 गाड़ियों ने पाया काबू

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के फतेहपुर बेरी थाना इलाके के स्वरूप कॉलोनी में रविवार सुबह अचानक एक इवेंट मैनेजमेंट के सामान से भरे गोदाम में भीषण आग लग गई। स्थानीय लोगों ने आग की सूचना दमकल विभाग को सुबह करीब 6:42 बजे दी, जिसके बाद मौके पर 15 दमकल गाड़ियों को रवाना किया गया। मौके पर दिल्ली पुलिस ओर कैट एम्बुलेंस भी पहुंची संकरी और पतली गलियों के कारण दमकल कर्मियों को राहत एवं बचाव अभियान में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। फिलहाल दमकल विभाग की टीमें कूलिंग ऑपरेशन में जुटी हैं ताकि दोबारा आग भड़कने की आशंका न रहे। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है और मामले की जांच की जा रही है। संकरा रास्ते और घनी आबादी के चलते आग के आस-पास के इलाके तक जाने का खतरा बना गया था। मगर फायर ब्रिगेड की टीम ने अपनी सूझ-बूझ से आग पर चारों तरफ से काबू पा लिया।

गलियां छोटी और कम जगह होने की वजह से फायर ब्रिगेड की छोटी गाड़ियों को भेजा गया, जो घटना स्थल तक पहुंच पाए। वहीं गाड़ियों ने मेन रोड से ही रिले किया। दमकल विभाग द्वारा आग पर काबू पाने के बाद टीम कूलिंग आपरेशन कर रही है,

'बहुविवाह और सरकारी नौकरी साथ नहीं चल सकते': सीएम की चेतावनी, कहा- बहन-बेटियों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे

गुवाहाटी, 19 जुलाई (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने एक से ज्यादा शादी (बहुविवाह) के खिलाफ राज्य सरकार का सख्त रुख दोहराया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर लिखा कि बहुविवाह जैसा अपराध और सरकारी नौकरी दोनों एक साथ नहीं चल सकते। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि ऐसी प्रथाओं में शामिल लोगों को सरकारी नौकरी नहीं दी जाएगी। सरकार इस सामाजिक बुराई को रोकने के लिए पूरी तरह गंभीर है। मुख्यमंत्री ने महिलाओं के अधिकारों और उनके सम्मान की रक्षा के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता पर विशेष जोर दिया है। उन्होंने कहा कि हमारी बहनों और बेटियों के साथ किसी भी तरह का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चाहे अन्याय करने वाला व्यक्ति कोई भी हो, उसके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। सीएम सरमा का यह बयान ऐसे समय में आया है जब असम सरकार ने बहुविवाह के खिलाफ अपनी कार्रवाई और तेज कर दी है।

पुंछ में बाढ़ और भूस्खलन ने मचाई तबाही

एक रात की बारिश ने उजाड़ दिए कई घर, सुरनकोट में 11 लोगों की मौत

पुंछ, 19 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में भारी बारिश ने भारी तबाही मचा दी है। रात से रविवार सुबह तक हुई मूसलाधार बारिश के कारण कई इलाकों में अचानक बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं सामने आईं।

हादसों में अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग लापता बताए जा रहे हैं। वहीं कम से कम चार लोग घायल हुए हैं, जिनमें तीन बच्चे भी शामिल हैं। जिले की सुरनकोट तहसील में बारिश का सबसे ज्यादा असर देखने को मिला है। यहां कई घर भूस्खलन की चपेट में आ गए। प्रशासन, पुलिस और सेना की टीमें लगातार राहत एवं बचाव अभियान चला रही हैं। लोअर मड़ा गांव में भूस्खलन से एक मकान मलबे में दब गया। इस हादसे में मकान मालिक मोहम्मद लतीफ और उनके परिवार के पांच अन्य सदस्य लापता हो गए। राहत एवं बचाव अभियान के दौरान मलबे से आठ शव बरामद किए गए हैं। संगलेयानी गांव में मकान गिरने से 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई। वहीं मरहोट गांव में इरम नाम की नाबालिग लड़की तेज बहाव वाले नाले में बह गई और उसकी मौत हो गई। धुंधक लठूंग पुल के पास एक नाले से एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया गया है। पुंछ के नूनाबांडी गांव में भी भारी बारिश के कारण एक मकान गिर गया, जिसमें 28 वर्षीय नाजिया कौसर की मौत हो गई। उनके पति मोहम्मद हफीज और दो से छह वर्ष की उम्र के तीन बच्चों को घायल अवस्था में बचाया गया।

सभी घायलों को राजा सुखदेव सिंह जिला अस्पताल पहुंचाया गया है। सुरनकोट तहसील के मड़ा गांव में क्षतिग्रस्त मकान से शवों को निकालने का काम जारी है। अधिकारियों के अनुसार, मलबे से आठ शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि गांव में अभी भी छह लोगों के लापता होने की सूचना है। प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में बचाव दल तैनात कर दिए हैं। फंसे हुए लोगों को निकालने, मलबा हटाने और प्रभावित परिवारों तक राहत पहुंचाने का काम तेजी से किया जा रहा है। पुंछ के उपायुक्त अशोक कुमार शर्मा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शफकत हुसैन ने घटनास्थलों का दौरा कर राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया। प्रशासन, पुलिस और सेना की संयुक्त टीमें लगातार प्रभावित इलाकों में अभियान चला रही हैं।

मंत्री लोकेश ने डिप्टी सीएम पवन से मुलाक़ात की, जल्द ठीक होने की कामना की

विजयवाड़ा, 19 जुलाई (एजेंसियां)। एचआरडी और आईटी मंत्री नारा लोकेश ने डिप्टी सीएम पवन कल्याण से मुलाक़ात की। पवन कल्याण मुंबई में दाहिने कंधे की सर्जरी के बाद हैदराबाद स्थित अपने घर पर ठीक हो रहे हैं। सर्जरी के बाद पवन कल्याण को हाल ही में अस्पताल से छुट्टी मिली थी और अभी वे डॉक्टरों की सलाह पर घर पर आराम कर रहे हैं। मुलाक़ात के दौरान, लोकेश ने डिप्टी सीएम के जल्द ठीक होने की कामना की और उन्हें डॉक्टरों की सलाह मानने और भरपूर आराम करने की सलाह दी। उन्होंने कंधे की चोट, सर्जरी की वजह बनी दिक्कतों और सर्जरी के बाद ठीक होने की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी ली।

पवन कल्याण ने बताया कि लोकेश के साथ उनके घर पर अच्छी और जानकारीपूर्ण बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि लोकेश ने दक्षिण कोरिया की अपनी हालिया यात्रा के नतीजों, ग्लोबल इन्वेस्टर्स से मिले उत्साहजनक रिस्पॉन्स और बड़े निवेश को आकर्षित करने के लिए की जा रही कोशिशों के बारे में जानकारी दी। पवन कल्याण ने एक्स पर पोस्ट किया, लोकेश ने कंधे की सर्जरी के बाद मेरी सेहत के बारे में भी पूछा और मेरे जल्द ठीक होने की कामना की। विजयवाड़ा से पवित्र प्रसाद और देवी कनक दुर्गाम्मा की तस्वीर लाने के उनके इस नेक काम की मैं दिल से तारीफ़ करता हूँ। उनकी चिंता और शुभकामनाओं के लिए मैं उनका तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूँ। मैं आंध्र प्रदेश की तरक्की और खुशहाली के लिए उनकी कोशिशों में उन्हें लगातार कामयाबी मिलने की कामना करता हूँ।

अभिजीत दीपके के अनशन का दूसरा दिन

बोले-अब पता चला भूख हड़ताल कितनी मुश्किल, सोमवार को संसद मार्च की तैयारी

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके का अपनी मांगों को लेकर शुरू किया गया अनिश्चितकालीन अनशन रविवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। इस दौरान उन्होंने विरोध के इस शांतिपूर्ण माध्यम के प्रति अपने अनुभव साझा किए और अनशन कर रहे अन्य प्रदर्शनकारियों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। अनशन के दूसरे दिन रविवार को अभिजीत दीपके ने कहा कि इस प्रक्रिया में शामिल होने के बाद ही उन्हें यह एहसास हुआ है कि भूख हड़ताल करना वास्तव में कितना कठिन कार्य है। उन्होंने दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहले से आंदोलनरत अन्य छात्रों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के प्रति एकजुटता प्रकट की। अपने बयान में दीपके ने कहा, मेरी भूख हड़ताल का आज दूसरा दिन है। अब मुझे पता चला है कि यह कितना मुश्किल कदम है। मैं सोनम सर (सोनम वांगचुक) और यहाँ भूख हड़ताल कर रहे सभी छात्रों को सलाम करता हूं।

मैं सोमवार को प्रस्तावित मार्च के लिए अपनी ऊर्जा बचा रहा हूं। यह घटनाक्रम जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच सामने आया है। कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से सोमवार (20 जुलाई) को एक संसद मार्च का प्रस्ताव रखा गया है। जनसमर्थन की अपील : संगठन द्वारा इस प्रस्तावित मार्च को सफल बनाने के लिए आम जनता और समर्थकों से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की जा रही है।

स्कूली रंजिश में छात्रा के मां-पिता और दादी बने हैवान, दो सगी बहनों पर किया जानलेवा हमला, सीसीटीवी वायरल

भरूच, 19 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के भरूच जिले के अंकलेश्वर जीआईडीसी (गुजरात इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन) इलाके से एक बेहद चौंकाने वाली और चिंताजनक घटना सामने आई है। यहां 12वीं कक्षा में पढ़ने वाली दो सगी बहनों पर एक दूसरी छात्रा के पूरे परिवार ने बीच सड़क पर जानलेवा हमला कर दिया। वारदात के वक्त दोनों बहनें अपनी मोपेड (स्कूटी) पर सवार होकर ट्यूशन जा रही थीं। दिनदहाड़े छात्राओं पर हुए इस बर्बर हमले का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जो अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस घटना के बाद से स्थानीय लोगों और अभिभावकों में भारी आक्रोश व्याप्त है। वायरल वीडियो और अस्पताल में भर्ती पीड़िता संस्कृति सेंगर ने आपबीती सुनाते हुए प्रशासन के सामने न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता के अनुसार, वारदात के पीछे स्कूल का एक मामूली विवाद था। पीड़िता संस्कृति सेंगर ने बताया कि उनका स्कूल में पढ़ने वाली 'पर्ल' नाम की एक छात्रा से किसी बात पर झगड़ा हुआ था। इसी रंजिश में पर्ल ने अपने पूरे परिवार को बुला लिया। जब संस्कृति अपनी बहन के साथ मोपेड से ट्यूशन जा रही थी, तभी आरोपियों ने अपनी गाड़ी उनकी स्कूटी पर चढ़ा दी।

वांगचुक मामले में हाईकोर्ट का फैसला

अंतरिम आदेश देने से किया इनकार, केंद्र को नोटिस; मिलने की अनुमति बरकरार

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। सोनम वांगचुक से जुड़े मामले में दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और विवेक तंखा कोर्ट रूम में मौजूद रहे। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) चेतन शर्मा भी अदालत में पक्ष रखे। अदालत ने कोई अंतरिम आदेश पारित करने से मना कर दिया। अदालत ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। इसके साथ ही सोनम वांगचुक के साथ मौजूद उनकी पत्नी व अन्य लोगों को अलग रेस्ट रूम देने के लिए निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट किया कि उन्हें सोनम से मिलने का एक्सेस दिया जाएगा। यह सुनवाई उनकी पत्नी गीतांजलि आंग्मो की ओर से दायर याचिका पर हो रही है। सोनम वांगचुक की तरफ से कपिल सिब्बल ने बहस की शुरुआत की, सबल ने कहा कि हम रिहाई चाहते हैं। हमने मेदांता हॉस्पिटल से बात की है। हमें अपने वकील और अपने डॉक्टर से मिलने से मना कर दिया गया है। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने कहा कि हम इस मैटर को डील कर रहे हैं, कृपया 16 जुलाई के आदेश को देखा जाए, जिसमें कहा गया है कि सरकारी डॉक्टरों द्वारा नियमित जांच की जाए और जरूरत पड़ने पर मेडिकल हस्तक्षेप किया जाए। चेतन शर्मा ने सोनम की हेल्थ स्टेट्स रिपोर्ट को अदालत के समक्ष रखते हुए कहा कि वांगचुक डायबिटिक नहीं है। लेकिन 18 दिन की फास्टिंग की वजह से किडनी के फंक्शन को समस्या आ रही थी।

उन्हें बिना शुगर के इलेक्ट्रोलाइट्स दिए जा रहे हैं। उन्हें किसी अन्य नागरिक की तरह सरकारी डॉक्टरों पर विश्वास रखना चाहिए। चेतन शर्मा ने सोनम की हेल्थ स्टेट्स रिपोर्ट को अदालत के समक्ष रखते हुए कहा कि वांगचुक डायबिटिक नहीं है। लेकिन 18 दिन की फास्टिंग की वजह से किडनी के फंक्शन को समस्या आ रही थी। उन्हें बिना शुगर के इलेक्ट्रोलाइट्स दिए जा रहे हैं। उन्हें किसी अन्य नागरिक की तरह सरकारी डॉक्टरों पर विश्वास रखना चाहिए। हम डबल बेंच के आदेश का पालन कर रहे हैं। हम उन्हें एम्स में शिफ्ट कर सकते हैं। पीठ ने कहा कि 'क्या उनके साथ मौजूद तीमारदार को अलग जगह दी गई है। जहां वह रुक सके। इसपर चेतन शर्मा ने कहा कि बिल्कुल जगह दी गई है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 20 जुलाई, 2026 3

मेरा हैदराबाद

सुविचार: राह वही चुनो जो कठिन हो, ताकि आगे भविष्य आसान हो। जिस तरह गहना बनने से पहले सोने को जलना होता है।

सरकार निर्बाध बिजली आपूर्ति और मजबूत सिंगरेणी के लिए प्रतिबद्ध है : भट्टी

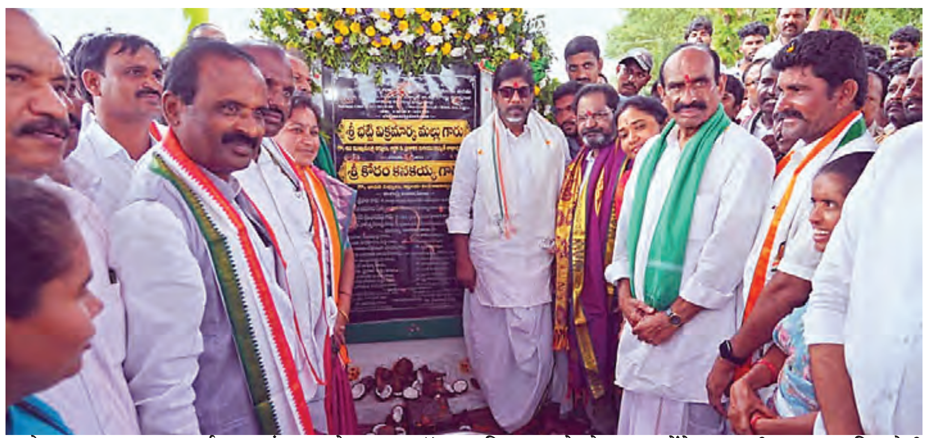

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने इस बात की पुष्टि की है कि जनता की सरकार लोगों को निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, साथ ही तेलंगाना के सबसे प्रतिष्ठित सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में से एक, सिंगरेणी कोलियरीज को मजबूत करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। रविवार को खम्मम और भद्राद्री कोत्तागुडेम जिलों के अपने दौरे के दौरान येल्लंदू विधानसभा क्षेत्र के टेकुलापल्ली में मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार आदिवासी समुदायों की गरिमा और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ाने के लिए अभिनव योजनाएं लागू कर रही है। उपमुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार ने दस वर्षों तक सिंगरेनी की उपेक्षा की। उन्होंने कहा कि मौजूदा कोयला खदानों के समाप्त होने और नई खदान को चालू करने में पांच से छह साल लगने की जानकारी होने के बावजूद, पिछली सरकार ने नए कोयला ब्लॉक हासिल करने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किया और जानबूझकर कोयला ब्लॉक की नीलामी से दूर रही। उन्होंने कहा कि इस उपेक्षा के परिणामस्वरूप, सिंगारेनी अब कठिनाइयों का सामना कर रही है, और यह संस्था अपने कर्मचारियों के अटूट समर्पण और कड़ी मेहनत के कारण ही मजबूत बनी हुई है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि पदभार ग्रहण करते ही वर्तमान सरकार ने लंबे समय से लंबित फाइलों को फिर से खोला और सिंगारेनी के हितों की रक्षा के लिए केंद्र सरकार से संघर्ष किया। उन्होंने याद दिलाया कि यूपीए सरकार ने 2013 में सिंगारेणी को ताडिचेरला-II कोयला ब्लॉक आवंटित किया था, लेकिन बीआरएस सरकार ने एक दशक तक इस मुद्दे को नजरअंदाज किया, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने पट्टा रोक रखा था। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने केंद्र सरकार से सफलतापूर्वक संघर्ष किया और कोयला ब्लॉक हासिल किया। उन्होंने यह भी बताया कि नैनी कोयला ब्लॉक के लिए वन और पर्यावरण संबंधी मंजूरी में तेजी लाने के लिए उन्होंने व्यक्तिगत रूप से ओडिशा का दौरा किया था। भट्टी विक्रमार्क ने कोयला ब्लॉकों की नीलामी में भाग न लेने के लिए पिछली सरकार की कड़ी आलोचना की, जिसके परिणामस्वरूप सथुपल्ली और कोयागुडेम ब्लॉक निजी हाथों में चले गए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अनुसूचित क्षेत्रों में कोयला खनन केवल आदिवासी समुदायों या सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों द्वारा 1/70 विनियमन के प्रावधानों के तहत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार केंद्र सरकार के ऐसे कोयला ब्लॉकों के निजीकरण के फैसले के खिलाफ कानूनी लड़ाई जारी रखे हुए है। सिंगारेणी परियोजनाओं से प्रभावित विस्थापित परिवारों को लेकर जताई गई चिंताओं का जवाब देते हुए, उपमुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार किसानों और उनकी भूमि के बीच भावनात्मक जुड़ाव को समझती है और विस्थापितों को करुणा और मानवता के साथ न्याय दिलाने का पूरा प्रयास करेगी।

हमले के मामले में 36 किसानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के शमशाबाद मंडल के बहादुरपुरा गांव में प्रस्तावित बुलेट ट्रेन हब के लिए भूमि अधिग्रहण के विरोध में प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों पर कथित तौर पर हमला करने वाले 36 किसानों के खिलाफ शमशाबाद ग्रामीण पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। शमशाबाद ग्रामीण उप-निरीक्षक वनजा द्वारा दर्ज कराई गई लिखित शिकायत के आधार पर, जिसमें आरोप लगाया गया था कि ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों पर हमला किया गया था, पुलिस ने 36 किसानों के खिलाफ मामले दर्ज किए। सरकारी अधिकारियों को उनके कर्तव्यों का निर्वहन करने से रोकने और लोक सेवकों पर हमला करने के आरोप में विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। जांच जारी है। किसान बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए 650 एकड़ भूमि के अधिग्रहण का विरोध कर रहे हैं। वे प्रचलित बाजार मूल्य के आधार पर मुआवजे या अधिग्रहित संपत्ति के बदले वैकल्पिक भूमि के आवंटन की मांग कर रहे हैं।

ध्यान जीवन की चुनौतियों का समाधान है : न्यायमूर्ति राजशेखर रेड्डी

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। न्यायमूर्ति ए. राजशेखर रेड्डी ने रविवार को कहा कि आज के अत्यधिक प्रतिस्पर्धी समाज में हर चुनौती का सामना करने का सबसे अच्छा तरीका ध्यान है। उन्होंने कहा कि जब आध्यात्मिक ज्ञान को व्यवहार में लाया जाता है, तो प्रत्येक क्रिया 'कर्म योग' में परिवर्तित हो जाती है, जिससे मन को शांति और सुख प्राप्त होता है। उन्होंने बीबीनगर के पास स्थित ब्रह्मा कुमारिस साइलेंस रिट्रीट सेंटर में आयोजित 'सशक्त भारत के लिए कर्म योग' शीर्षक वाले प्रशासनिक अधिकारियों के राज्य स्तरीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

इस अवसर पर बोलते हुए लोकायुक्त ने सलाह दी कि जीवन के अंतिम पड़ाव में ही धन-दौलत के पीछे भागने और शांति की कामना करने के बजाय, सक्रिय रहते हुए ही ध्यान के माध्यम से अपने स्वास्थ्य की रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने आध्यात्मिक ज्ञान और राज योग ध्यान के माध्यम से विश्व भर में निस्वार्थ सेवा करने के लिए ब्रह्मा कुमारिस संगठन की प्रशंसा की और उनकी सेवा भावना को वास्तव में महान बताया।

ब्रह्मकुमारी की सेवा शाखा की अध्यक्ष बी.के. आशा दीदी ने इस बात पर जोर दिया कि प्रशासनिक अधिकारियों को भगवद् गीता में वर्णित कर्म योग (निस्वार्थ कर्म का मार्ग) के सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई भी राष्ट्र सशक्त कर्म के माध्यम से ही सशक्त भारत बनता है। उन्होंने टिप्पणी की कि यदि आध्यात्मिक ज्ञान को सभी क्षेत्रों में लागू किया जाए, तो भारत शीघ्र ही विश्व गुरु के रूप में उभरेगा।

गरीबों के अपने घर का सपना साकार करना ही जन सरकार का लक्ष्य : पोंगुलेटी

क्यूआर क्षेत्र में एलआईजी इंदिरम्मा आवास योजना का शुभारंभ आज

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गरीबों के अपने घर के सपने को पूरा करना ही मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली जन सरकार का संकल्प है। राज्य में प्रत्येक पात्र गरीब परिवार को सम्मानजनक और सुविधाजनक आवास उपलब्ध कराने तक इंदिरम्मा आवास योजना लगातार जारी रहेगी। यह केवल एक बार चलाकर समाप्त होने वाला कार्यक्रम नहीं है। यह बात राज्य के राजस्व, आवास निर्माण, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कही। क्यूआर क्षेत्र में इंदिरम्मा एलआईजी आवास योजना के शुभारंभ की तैयारियों को लेकर रविवार को मंत्री ने उच्च अधिकारियों के साथ दूरभाष के माध्यम से समीक्षा बैठक की। उन्होंने बताया कि सोमवार को राज्य सचिवालय में इस योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया, पात्रता नियम और पुस्तिका जारी की जाएगी। मंत्री ने कहा कि सत्ता में आने के बाद से ही जन सरकार ने राज्य के प्रत्येक बेघर गरीब परिवार को सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इंदिरम्मा आवास योजना शुरू की है। ग्रामीण क्षेत्रों में शत-प्रतिशत अनुदान के साथ पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देकर गरीबों के मकान निर्माण का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष राज्यभर में साढ़े चार लाख इंदिरम्मा मकानों को मंजूरी दी गई थी। इनमें से लगभग दो लाख मकान पूरे हो चुके हैं और कई परिवार नए घरों में प्रवेश कर चुके हैं।

शेष मकानों का निर्माण तेजी से जारी है। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि पिछले महीने 2 तारीख को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आसिफाबाद जिले से इंदिरम्मा आवास योजना के दूसरे चरण का शुभारंभ किया था। दूसरे चरण में हैदराबाद को छोड़कर राज्यभर में ढाई लाख मकानों की मंजूरी प्रक्रिया शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि अब तक सरकार का ध्यान मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों पर था, लेकिन अब हैदराबाद सहित शहरी क्षेत्रों में रहने वाले गरीब परिवारों के अपने घर के सपने को भी पूरा किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि क्यूआर क्षेत्र के अंतर्गत एक लाख एलआईजी इंदिरम्मा मकानों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। पहले चरण में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 500 मकानों के निर्माण की शुरूआत की जाएगी। मंत्री ने बताया कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त बहुमंजिला इमारतों (जिनमें दस मंजिल तक के भवन शामिल होंगे) का निर्माण किया जाएगा। इसका उद्देश्य प्रत्येक गरीब परिवार को सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना है। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष में ग्रामीण क्षेत्रों में ढाई लाख और शहरी क्षेत्रों में एक लाख, यानी कुल साढ़े तीन लाख नए मकानों के निर्माण की शुरूआत की जा रही है। पिछले वर्ष स्वीकृत साढ़े चार लाख मकानों को मिलाकर जन सरकार आठ लाख से अधिक गरीब परिवारों के जीवन में अपने घर की रोशनी लाने का कार्य कर रही है।

सांसद वड्डिराजु ने उठाए तेलंगाना के मुद्दे, सूखे पर केंद्र से तत्काल सहायता की मांग

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के संसदीय दल के नेता एवं राज्यसभा सदस्य वड्डिराजु रविचंद्र ने कहा कि एल नीनो के प्रभाव से तेलंगाना भीषण सूखे की चपेट में है। उन्होंने केंद्र सरकार से राज्य के लोगों को राहत देने तथा आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने यह बात सोमवार से शुरू हो रहे संसद के वर्षाकालीन सत्र से पहले रविवार को नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आयोजित अखिल दल बैठक में उठाई। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में वड्डिराजु रविचंद्र ने कहा कि भारत राष्ट्र समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के निर्देश पर उन्होंने बैठक में तेलंगाना से जुड़े विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता से रखा। उन्होंने कहा कि वर्षा के अभाव में राज्य के जलाशय और तालाब सूख गए हैं, भूजल स्तर काफी नीचे चला गया है तथा सिंचाई और पेयजल संकट गहरा गया है। बिजली उत्पादन प्रभावित होने से हैदराबाद सहित कई क्षेत्रों में विद्युत कटौती की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को देखते हुए कोयला उत्पादन बढ़ाना जरूरी है। उन्होंने बताया कि के. चंद्रशेखर राव के लंबे संघर्ष के परिणामस्वरूप ताडिचेरला-द्वितीय कोयला खदान सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी को मिली। इसके अलावा कोयगुडेम-तृतीय, सत्तुपल्ली-तृतीय, श्रावणपल्ली तथा गोलेटी, मनुगुरु, पूसापल्ली, मादारम और के.के. खदानों को भी आवश्यक पर्यावरणीय स्वीकृतियां देकर सिंगरेनी को सौंपने की मांग केंद्र से की गई है। उनका कहना था कि इससे कोयला उत्पादन बढ़ेगा, सिंगरेनी की आय में वृद्धि होगी, युवाओं को रोजगार मिलेगा और ताप विद्युत उत्पादन को भी बल मिलेगा। वड्डिराजु ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार केवल इसलिए कन्नेपल्ली से कलेश्वरम बहु-चरण सिंचाई परियोजना के लिए पानी नहीं छोड़ रही है क्योंकि इससे पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को श्रेय मिलेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जहां गोदावरी का पानी बनकाचर्ला ले जाने की अनुमति दे रही है, वहीं तेलंगाना की अंबेडकर-वद्रा, सीतम्मा तथा सम्मक्का-सरलम्मा सिंचाई परियोजनाओं को मंजूरी नहीं दी जा रही है। उन्होंने पालमूरु-रंगारेड्डी अथवा कलेश्वरम परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि भारत राष्ट्र समिति सरकार के दौरान रैतु बंधु योजना के तहत किसानों को प्रति एकड़ 10 हजार रुपये की निवेश सहायता, पर्याप्त सिंचाई जल, बिजली और यूरिया उपलब्ध कराया गया, जिससे राज्य में तीन करोड़ मीट्रिक टन धान का उत्पादन हुआ और सरकार ने किसानों का पूरा धान खरीदा। सांसद ने अखिल दल बैठक में आदिलाबाद स्थित सीसीआई कारखाने को पुनर्जीवित करने, काजीपेट में रेलवे कोच फैक्टरी और बय्यारम में इस्पात संयंत्र स्थापित करने, आदिलाबाद, मामुनूर और कोत्तागुडेम हवाई अड्डों की स्थापना प्रक्रिया में तेजी लाने की मांग भी उठाई। उन्होंने कहा कि भद्राचलम से लगे पांच गांवों को पुनः तेलंगाना में शामिल करने, राज्य में भारतीय प्रबंधन संस्थान स्थापित करने, हैदराबाद मेट्रो रेल के दूसरे चरण को मंजूरी देने तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए पृथक केंद्रीय मंत्रालय के गठन की मांग भी केंद्र सरकार के समक्ष रखी गई। साथ ही विधानमंडलों में महिलाओं और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण लागू करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

भारत को गांधीवादी आदर्शों की पहले से कहीं अधिक आवश्यकता : केटीआर

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने जोर देकर कहा है कि देश को महात्मा गांधी द्वारा समर्थित सिद्धांतों की आवश्यकता है। केटी रामाराव ने इस बात पर जोर दिया कि धार्मिक मान्यताएं निजी मामला हैं और समाज को आपसी सम्मान और सद्भाव के साथ प्रगति करनी चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने कलाकारों और लेखकों जैसी रचनात्मक प्रतिभाओं को पहचानने और प्रोत्साहित करने के सामाजिक कर्तव्य पर भी प्रकाश डाला। रविवार को सोमाजीगुडा प्रेस क्लब में आयोजित कार्टूनिस्ट शेखर मेमोरियल अवार्ड्स-2026 समारोह में मुख्य अतिथि केटी रामाराव ने कार्टूनिस्ट एम. नारू और कलाकार कुरेला श्रीनिवास को क्रमशः कार्टून और कलाकार श्रेणियों में सम्मानित किया। उन्होंने इस कार्यक्रम को राजनीतिक जीवन की व्यस्तता से एक सुखद राहत बताया और कहा कि कलाकारों, लेखकों और कवियों के साथ संवाद दुर्लभ होते हैं, फिर भी ये एक मूल्यवान अनुभव है। बीआरएस नेता ने सार्वजनिक चर्चा पर कार्टूनों के महत्वपूर्ण प्रभाव पर भी टिप्पणी की, और सुझाव दिया कि एक एकल चित्र अक्सर विस्तृत लिखित टिप्पणी की तुलना में अधिक प्रभावशाली हो सकता है। दिवंगत कार्टूनिस्ट शेखर को श्रद्धांजलि देते हुए, रामा राव ने कहा कि समकालीन मुद्दों और तेलंगाना आंदोलन पर चर्चा में शेखर के योगदान का स्थायी प्रभाव पड़ा और यह कई कलाकारों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा।

साइबराबाद पुलिस ने छात्रों के सुरक्षित परिवहन के लिए पहल की

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। छात्रों के लिए उनके घरों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच आवागमन को सुगम बनाने हेतु एक व्यापक, व्यवस्थित और सुरक्षित परिवहन प्रणाली स्थापित करने की साइबरबाद पुलिस की महत्वाकांक्षी पहल छात्र गतिशीलता कार्यक्रम (एसएमपी) के अंतर्गत, रविवार को गच्चीबावली स्थित इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज में एक 'कैंपस अनुपालन कार्यशाला' का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी विभागों को एक ही डिजिटल मंच से जोड़ने के लिए एक 'छात्र पोर्टल' भी लॉन्च किया गया। इस कार्यक्रम में बोलते हुए साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ.एम. रमेश ने इस बात पर जोर दिया कि छात्रों की सुरक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने छात्रों के घर से स्कूल और वापस आने-जाने के पूरे सफर में सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि छात्र गतिशीलता कार्यक्रम केवल यातायात प्रबंधन की पहल नहीं है, बल्कि छात्रों के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समर्पित एक व्यापक कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि छात्रों के लिए एक सुरक्षित परिवहन प्रणाली केवल सभी हितधारकों, जिनमें शैक्षणिक संस्थान, अभिभावक, परिवहन संचालक, पुलिस, परिवहन विभाग, शिक्षा विभाग और टीजीएसआरटीसी शामिल हैं, के समन्वित प्रयासों से ही प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने सभी शैक्षणिक संस्थानों से छात्र परिवहन के संबंध में मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया। अधिकारियों ने बताया कि साइबरबाद के 520 से अधिक शिक्षण संस्थानों के व्यापक सर्वेक्षण, 750 से अधिक संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ परामर्श और 500 से अधिक छात्रों को शामिल करते हुए एक सफल पायलट परियोजना के बाद इस 'कैंपस अनुपालन कार्यशाला' का आयोजन किया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि छात्रों के आवागमन के दौरान आने वाली चुनौतियों की पहचान करने और उनके स्थायी समाधान निकालने के लिए इन्हीं अध्ययनों के आधार पर 'छात्र गतिशीलता कार्यक्रम' तैयार किया गया था। कार्यशाला में सुरक्षित छात्र आवागमन गलियारों की स्थापना, छात्र परिवहन सुरक्षा सुनिश्चित करने, शैक्षणिक संस्थानों के आसपास यातायात जाम का प्रबंधन करने, यातायात नियमों को लागू करने और मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) और सर्वोत्तम प्रथाओं को कार्यान्वित करने पर व्यापक चर्चा हुई। इसके अलावा, जिम्मेदार प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए स्कूलों, अभिभावकों, परिवहन संचालकों, पुलिस, आरटीए/आरटीओ, परिवहन विभाग, शिक्षा विभाग और टीजीएसआरटीसी सहित विभिन्न हितधारकों के बीच प्रभावी समन्वय पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि नवनिर्मित छात्र पोर्टल शिक्षण संस्थानों और सरकारी विभागों को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जोड़ेगा, जिससे छात्र परिवहन सुरक्षा, शिकायत निवारण, सूचना आदान-प्रदान, सेवा समन्वय और निगरानी का अधिक कुशल प्रबंधन संभव होगा। अधिकारियों ने कहा कि इसका प्राथमिक उद्देश्य छात्र गतिशीलता कार्यक्रम के माध्यम से एक सुरक्षित, संगठित और जवाबदेह छात्र परिवहन प्रणाली स्थापित करना है, जिससे साइबरबाद पूरे देश के लिए छात्र गतिशीलता का एक आदर्श बन सके।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Laxmi, Mother of No. 17015366N, CFN, Sadhu Diwakar, R/o, Dist: Srikakulam, Andhra Pradesh, changed my name from Laxmi to Sadhu Lakshmi, vide Affidavit No. 467731 dt. 18.07.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14613342A, Ex-Hav, Mutha Gopala Krishna, R/o, Dist: East Godavari, Andhra Pradesh, changed my Daughter's name from Mutha Chandhana Sree to Mutha Chandana Sri vide Affidavit No. BU 316351 dt. 17.07.2026, before Spl Judicial Magistrate at L B Nagar.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

जनता का विश्वास बनाए रखना ही सच्ची पत्रकारिता की पहचान : के. शिवसेना रेड्डी

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जनता के विश्वास को बनाए रखना ही वास्तविक पत्रकारिता की पहचान है। पत्रकारों को बदलते समय के अनुसार अपने पेशेवर कौशल को लगातार विकसित करते हुए निष्पक्ष, जिम्मेदार और जनहित आधारित पत्रकारिता करनी चाहिए।

यह बात तेलंगाना खेल प्राधिकरण के अध्यक्ष के. शिवसेना रेड्डी ने कही। रविवार को नामपल्ली स्थित तेलंगाना मीडिया अकादमी सभागार में अकादमी के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय पत्रकार प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। मीडिया अकादमी के अध्यक्ष श्रीनिवास रेड्डी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में के. शिवसेना रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। वर्तमान समय में तकनीकी बदलाव, डिजिटल मीडिया के विस्तार और सामाजिक माध्यमों के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए पत्रकारों को अपने कौशल में निरंतर सुधार करना चाहिए। उन्होंने पत्रकारों से राजनीतिक और प्रशासनिक दबावों से दूर रहकर जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वास्तविक तथ्यों को निर्भीकता से सामने लाने का आह्वान किया। के. शिवसेना रेड्डी ने कहा कि झूठी खबरों के प्रसार के इस दौर में तथ्य जांच, नैतिक मूल्यों और विश्वसनीयता को विशेष महत्व देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि छोटे समाचार पत्रों, डिजिटल माध्यमों और अन्य मंचों पर काम करने वाले पत्रकारों में भी विशेष प्रतिभा है तथा ईमानदारी और निष्ठा से कार्य करने वालों को निश्चित रूप से पहचान मिलती है। मीडिया अकादमी के अध्यक्ष श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि पत्रकारिता एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें निरंतर अध्ययन और सीखने की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि अनुभव के साथ-साथ बदलती तकनीक, नए ज्ञान, कानूनों और सामाजिक विषयों की जानकारी भी जरूरी है। विशेषज्ञों ने पत्रकारिता में व्यावसायिक नैतिक मूल्यों, समाचार लेखन के मानकों, डिजिटल युग में पत्रकारों की जिम्मेदारियों तथा मानव तस्करी, बाल श्रम, बंधुआ मजदूरी उन्मूलन और पीड़ितों के पुनर्वास में मीडिया की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।

सैदाबाद-यादगिरी थिएटर मार्ग पर यातायात परिवर्तित

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सैदाबाद जंक्शन से यादगिरी थिएटर तक दाहिनी ओर चल रहे व्यापक विकास एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण कार्य के संबंध में, 21 जुलाई तक निम्नलिखित यातायात मार्ग परिवर्तन और वैकल्पिक मार्ग लागू किए जा रहे हैं। सैदाबाद वाई जंक्शन और यादगिरी थिएटर के बीच का सड़क मार्ग, एलिवेटेड कॉरिडोर के व्यापक विकास के निर्माण की अवधि के दौरान एक तरफ से बंद रहेगा। आम जनता को सलाह दी जाती है कि वे नालगोंडा एक्स रोड से ओवैसी अस्पताल (डीएमआरएल जंक्शन) तक के सड़क मार्ग से बचें, क्योंकि आसपास की सड़कों और चौराहों पर यातायात जाम होने की आशंका है। नलगोंडा एक्स रोड से चंद्रयानगुट्टा की ओर आने वाले यातायात (चार पहिया वाहन, आरटीसी बसें और भारी मालवाहक वाहन) को सैदाबाद वाई जंक्शन पर डायवर्ट किया जाएगा- डीसीपी पूर्वी क्षेत्र कार्यालय- सैदाबाद कानून और व्यवस्था पुलिस स्टेशन के पास बाएं मुड़ें, सरस्वती नगर कमान, संकेश्वर बाजार, इंडियन पेट्रोल पंप (दाएं मुड़ें), सिंगारेणी कॉलोनी, ओनूस रोबोटिक अस्पताल (बाएं मुड़ें), चंपापेट मुख्य सड़क, लक्ष्मा रेड्डी गार्डन की ओर बाएं मुड़ें, उसके बाद लक्ष्मा रेड्डी गार्डन पर दाएं मुड़ें और डीएमआरएल रोटरी पर एक और दाएं मुड़ें।

चंद्रयानगुट्टा से नालगोंडा एक्स रोड की ओर आने वाले यातायात (चार पहिया वाहन, आरटीसी बसें और भारी मालवाहक वाहन) को डीएमआरएल से दाएं मुड़कर लक्ष्मा रेड्डी गार्डन से चंपापेट की ओर बाएं मोड़ दिया जाएगा। वहां से वाहन आईएस सदन की ओर बाएं मुड़ेंगे और सिंगारेनी, शंकरेश्वर बाजार, 105 बस स्टॉप, सैदाबाद कानून एवं संचालन पुलिस स्टेशन, सैदाबाद वाई जंक्शन, चंचलगुडा और मलकपेट अग्निशमन केंद्र की ओर दाएं मुड़ेंगे। चंचलगुडा से सैदाबाद वाई जंक्शन की ओर आने वाले और बाईं ओर की सड़क लेने वाले दोपहिया और तिपहिया वाहनों को दो-तरफ़ा कर दिया जाएगा। दाईं ओर की सड़क अस्थायी रूप से बंद रहेगी। यात्रियों को दाईं ओर की सड़क से बचने की सलाह दी जाती है।

इसी प्रकार, सैदाबाद वाई जंक्शन से डीएमआरएल की ओर आने वाले दो और तिपहिया वाहन भी ऊपर निर्दिष्ट लेन का ही उपयोग करेंगे। सभी जिलों की आरटीसी बसें और एमजीबीएस, चदरघाट से आईएस सदन और चंपापेट की ओर आने वाले भारी वाहनों को नलगोंडा एक्स रोड पर मलकपेट गंज, मूसारामबाग, दिलसुख नगर, कोत्तापेट और एलबी नगर चौरास्ता की ओर मोड़ दिया जाएगा।

दोपहिया, तिपहिया और कॉलोनी के वाहन यादगिरी थिएटर रोड से होकर गुजरेंगे और अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए उपलब्ध गलियों का उपयोग करेंगे। सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे उपरोक्त मार्ग परिवर्तन का ध्यान रखें और अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें तथा हैदराबाद यातायात पुलिस के साथ सहयोग करें।

सपा नेता अखिलेश यादव ने जौहर यूनिवर्सिटी का मुद्दा उठाया

छात्रों-अभिभावकों को लिखा खुला खत

लखनऊ, 19 जुलाई (एजेंसियां)। सपा नेता अखिलेश यादव ने जौहर यूनिवर्सिटी को लेकर अपने एक्स हैंडल पर छात्रों और अभिभावकों के नाम खुला खत लिखा है। अखिलेश ने इस खत के बहाने बीजेपी और पीएम मोदी पर निशाना भी साधा है। अखिलेश ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, प्रिय छात्रों और अभिभावकगण,जौहर यूनिवर्सिटी को बचाने की युवाओं और उनके अभिभावकों की मुहिम में, हम सब पूरी तरह से आपके साथ हैं।

बदले की भावना में जल रही भाजपा सरकार जौहर यूनिवर्सिटी को अपनी संकीर्ण राजनीति का शिकार बनाने की कोशिश न करे। इस दुर्भावनापूर्ण पक्षपाती फ़ैसले के ख़िलाफ़, हमारे साथ हमारा छोटे-से-छोटा कार्यकर्ता, समर्थक, बड़े-से-बड़ा नेता और वो सब हज़ारों बच्चे व उनके मेहनतकश माता-पिता भी हैं जिनके सपने पर बुलडोज़र चलाने की निकृष्ट कोशिश भाजपा सरकार कर रही है।

अखिलेश ने कहा, हर विश्वविद्यालय शिक्षा का मंदिर होता है, हम 'शिक्षा के मंदिर' को बचाने के लिए देश भर से अपील करते हैं कि वो हमारे साथ आएं। विश्वविद्यालय में हर समाज के

बच्चे पढ़ते हैं, क्या भाजपा अब हर समाज के युवाओं के विरुद्ध हो गई है। भाजपा का अहंकार ही ये सब गलत काम करा रहा है। अगर कहीं कुछ कागज़ी कमी है भी तो उसके कागज पूरे करके यूनिवर्सिटी को बचाया जाए और स्टूडेंट्स के भविष्य को भी। यहां गरीबों के बच्चे पढ़ते हैं, जिनके पास इतना पैसा नहीं होता कि वो भाजपाइयों की तरह अपने बच्चों को महंगे विश्वविद्यालय या विदेशों में पढ़ा सकें। जिनके न परिवार हैं न बच्चे, वो परिवारवालों का दर्द क्या जानें। अगर भाजपा के मन में बच्चों, युवाओं, उनके परिवार-परिजनों व समाज के लिए रत्ती भर भी सहानुभूति होती तो वो ज़ुल्म और नाइंसाफ़ी से भरी इस विध्वंसक कार्रवाई का तत्काल कोई विकल्प ढूंढती। अखिलेश ने कहा, सच तो ये है कि भाजपा शिक्षा के ही विरुद्ध है क्योंकि शिक्षित लोग जागरूक और प्रगतिशील होते हैं , वो अन्याय के ख़िलाफ़ आवाज भी उठाते हैं और सवाल भी, जो दकियानूसी सोचवाली दमनकारी भाजपा की सत्ता को ज़रा भी रास नहीं आता है। इसीलिए भाजपाई और उनके संगी-साथी, गांव-गांव में प्राथमिक विद्यालय तथा अन्य स्थानों पर विश्वविद्यालय तक बंद करवाने की भूमिगत योजना बनाते रहते हैं।

भाजपाई जानते हैं कि पढ़-लिखकर लोग नौकरी-रोज़गार मांगेंगे, जो भाजपा सरकार देना ही नहीं चाहती है। नौकरी-भर्ती भाजपा के एजेंडे में है ही नहीं। जब हमारे प्राइमरी स्कूल बंद किये गये तो हमारे सजग शुभचिंतकों ने 'पीडीए पाठशाला' खोलकर, भाजपाई साजिश नाकाम कर दी थी, इसीलिए अब उनके निशाने पर यूनिवर्सिटी आ गई है। अखिलेश ने कहा, जौहर यूनिवर्सिटी पर हो रहा ये हमला, हर समाज के विद्यार्थियों के विरुद्ध भाजपाई संगी-साथियों की एक बेहद घिनौनी साजिश है।

लोधेश्वर महादेव मंदिर से संभलेगा 2027 का 'सियासी गणित'

सीएम योगी आज रखेंगे इसके कॉरिडोर की नींव

अयोध्या, 19 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या में राम मंदिर और वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बनाने के बाद अब योगी सरकार बाराबंकी में लोधेश्वर महादेव मंदिर कॉरिडोर बनाने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 20 जुलाई, 2026 को इस कॉरिडोर का शिलान्यास करेंगे।

यूपी में 2027 में विधानसभा चुनाव है। सरकार की कोशिश लोधेश्वर महादेव मंदिर कॉरिडोर का उद्घाटन चुनाव के पहले करने की है। माना जा रहा है कि कॉरिडोर के ज़रिए बीजेपी, अखिलेश यादव के पीडीए फॉर्मूले में सेंध लगाने की कोशिश में है। बाराबंकी के अलावा, उन्नाव, बांदा, जालौन, कानपुर, हमीरपुर और कालपी के पिछड़ी जाति के लोग महादेव को कुलदेवता मानते हैं। सावन के महीने और शिवरात्रि में इन इलाकों से लोध, गुर्जर, तोमर और पाल समाज के कावड़िये बड़ी संख्या में लोधेश्वर महादेव मंदिर पहुंचते हैं। यह कॉरिडोर लगभग 20 बीघा में फैला होगा। कॉरिडोर के लिए मंदिर के आसपास 127 मकानों और दुकानों को हटाया गया है। जो अतिक्रमण था, उस पर बुलडोजर चला है और जिनके पास कागज थे, उन्हें मुआवजा दिया गया है। उसके बाद, उनके मकान दुकान गिराए गए हैं। यहां करीब 48 करोड़ का मुआवजा देकर घर मकान खाली कराए गए हैं और उन्हें गिराया गया है। कॉरिडोर में मंदिर के साथ परिक्रमा मार्ग बनेगा।

मंदिर जाने के लिए गेट बनेंगे। यात्रियों के सुविधा के लिए विश्राम ग्रह, क्लॉक रूम और टॉयलेट्स बनाए जाएंगे। वहां के अमृत सरोवर को भी सुंदर बनाया जाएगा। इसके अलावा, कॉरिडोर के लिए सरकार ने 200 करोड़ रुपये का बजट दिया है। लोधेश्वर महादेव मंदिर कॉरिडोर के शिलान्यास के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बाराबंकी में सोमवार को एक जनसभा भी करेंगे।

अस्पताल में जहरीला इंजेक्शन देकर नर्स की हत्या

मेरठ, 19 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले से एक दिल दहला देने वाला और हैरान कर देने वाला हत्याकांड प्रकाश में आया है। यहां लोहिया नगर स्थित एक निजी अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर (ओटी) के अंदर 25 वर्षीय नर्स नेहा की जहर का इंजेक्शन लगाकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। शातिर कातिलों ने इस जघन्य अपराध को आत्महत्या साबित करने के लिए मृतका की जेब में एक फर्जी सुसाइड नोट और सल्फास की गोलियां भी रख दी थीं। लेकिन, पुलिस की मुस्तैदी और मृतका के परिजनों द्वारा लिखावट पर उठाए गए सवालों ने इस अंधे कत्ल की गुत्थी को महज कुछ ही घंटों में सुलझा दिया। पुलिस ने मुख्य आरोपी प्रेमी और उसके सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया है। लोहिया नगर के इस निजी अस्पताल में दोपहर अचानक उस वक्त हड़कंप मच गया, जब अस्पताल की ही एक कर्मचारी की लाश बरामद हुई। 25 वर्षीय नेहा अस्पताल में बतौर नर्स कार्यरत थी। सुबह वह अपनी ननद के साथ रोज की तरह घर से अस्पताल के लिए निकली थी। दोपहर करीब 12 बजे नेहा अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर (ओटी) के भीतर बेसुध हालत में पड़ी मिली।

'शिकायतें आ रही हैं, राष्ट्रीय अध्यक्ष मिलना चाहते हैं'

बीजेपी विधायक से ठगी की कोशिश; एफआईआर दर्ज

पीलीभीत, 19 जुलाई (एजेंसियां)। जिले की बीसलपुर विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी विधायक विवेक वर्मा से ठगी की कोशिश की गई है, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मिलवाने के नाम पर ये ठगी की कोशिश की गई है। विधायक विवेक शर्मा की शिकायत पर ठगी करने वाले आरोपी के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस घटना से जुड़े साक्ष्यों और सर्विलांस के आधार पर आरोपी की तलाश में जुट गई है।

बीजेपी विधायक विवेक वर्मा ने बीसलपुर कोतवाली पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि 16 जुलाई की सुबह करीब साढ़े नौ बजे उनके मोबाइल पर नंबर से एक फोन आया। फोन पर नीरज नाम के एक शख्स ने रौबदार आवाज में विधायक को हड़काते हुए कहा कि, विवेक, आपके क्षेत्र से बहुत शिकायतें आ रही हैं।

आप जनता के विकास कार्य ठीक से नहीं करवा रहे हैं। आपसे तत्काल राष्ट्रीय अध्यक्ष मिलना चाहते हैं, आपको तुरंत यहां आना होगा। इतने में ही दूसरे शख्स ने फोन हाथ में ले लिया और विधायक विवेक वर्मा से साढ़े तीन लाख रुपए की मांग कर डाली। आरोपी ने कहा कि, मैं खाता नंबर भेज रहा हूं, उस पर यह रकम तुरंत भेजिए और 22 जुलाई को आपको राष्ट्रीय अध्यक्ष से मिलने आना होगा। पूरे मामले को भांपते हुए विधायक विवेक वर्मा ने तुरंत घटना की लिखित शिकायत बीसलपुर कोतवाली इंस्पेक्टर संजीव शुक्ला को दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और आरोपी का नंबर सर्विलांस पर लगाकर उसकी कुंडली खंगालने में जुट गई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की लोकेशन फिलहाल मध्य प्रदेश में ट्रेस हुई है और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

वहीं, विधायक को फोन पर मिली इस धमकी और ठगी के प्रयास को लेकर स्थानीय राजनीति में कई तरह के कयास भी लगाए जा रहे हैं। चर्चा है कि यह किसी स्थानीय जनप्रतिनिधि की भी चाल हो सकती है।

3 फ्लैट, 12 भूखंड, 19 बैंक खाते

पटना में आलीशान मकान और करोड़ों के निवेश बिहार पर्यटन विभाग का इंजीनियर निकला धनकुबेर

पटना, 19 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई के तहत निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने पर्यटन विभाग के अधीक्षण अभियंता अवधेश कुमार सिन्हा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इस एक्शन के तहत आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में पटना स्थित उनके आवास और कार्यालय समेत कई ठिकानों पर छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान करोड़ों रुपये के निवेश, जमीन, फ्लैट और अन्य संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज बरामद हुए हैं।

पटना में उनके तीन ठिकानों पर हुई छापेमारी में तीन फ्लैट, 12 भूखंडों के दस्तावेज, 19 बैंक खातों का ब्योरा, लाखों रुपये के आभूषण और भारी निवेश से जुड़े रिकॉर्ड मिले हैं। शुरुआती जांच में उनकी ज्ञात आय से करीब 75 प्रतिशत अधिक संपत्ति होने की बात सामने आई है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने पर्यटन विभाग में अधीक्षण अभियंता के पद पर कार्यरत अवधेश कुमार सिन्हा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में पटना स्थित तीन ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई विशेष न्यायालय, निगरानी से प्राप्त सर्च वारंट के आधार पर की गई। बता दें कि जांच एजेंसी ने पहले ही आय से 1.42 करोड़ रुपये अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की थी।

इंजीनियर के ठिकानों पर छापेमारी के दौरान जांच टीम को तीन फ्लैट, 12 भूखंडों के सेल डीड, 19 बैंक खातों से जुड़े दस्तावेज और विभिन्न योजनाओं में निवेश के प्रमाण मिले हैं। हालांकि, जांच एजेंसी ने अभी यह सार्वजनिक नहीं किया है कि ये भूखंड और फ्लैट किन-किन स्थानों पर स्थित हैं। इन दस्तावेजों की जांच कर संपत्तियों का पूरा विवरण तैयार किया जा रहा है।

मायावती ने केंद्र को बताया मानसून सत्र का 'एजेंडा'

बीएसपी चीफ ने इन मुद्दों पर चर्चा की रखी मांग

लखनऊ, 19 जुलाई (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने संसद के आगामी मानसून सत्र से पहले ज़रूरी और बड़ी अपील की है। उन्होंने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट कर कहा कि संसद को हंगामा और स्थगन से बचाकर देश की ज्वलंत समस्याओं पर गंभीर चर्चा करनी चाहिए। मायावती ने लिखा कि 20 जुलाई से शुरू हो रहे मानसून सत्र क्या इस बार भी हंगामा व स्थगन आदि की भेंट चढ़ जायेगा, या फिर ज़बरदस्त महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, महिला असुरक्षा, महत्वपूर्ण परीक्षाओं के भी पेपरलीक आदि से जुड़े देश के ज्वलन्त मुद्दों से उत्पन्न उत्तेजित, आक्रोशित व आन्दोलित माहौल को शान्त करने व इनके संतोषजनक समाधान हेतु गंभीरता दिखाई जाएगी। मायावती ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले को लेकर भी विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर जन आक्रोश है और लोग राजनीतिक स्वार्थ के लिए धर्म का इस्तेमाल करने वालों से जवाब मांग रहे हैं। यह मुद्दा संसद में ज़रूर गर्म होगा।

उन्होंने बंगाल, राजस्थान समेत विभिन्न राज्यों में बढ़ती महिला असुरक्षा, पेपर लीक, चुनावी रेवड़ियों में गड़बड़ी, भ्रष्टाचार और कालोनियों के ध्वस्तीकरण जैसे मुद्दों पर चिंता जताई। साथ ही अमेरिका-इजराइल-ईरान युद्ध और गिरते रुपए के मूल्य का ज़िक्र करते हुए कहा कि इनसे देश की अर्थव्यवस्था और जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

राम मंदिर ट्रस्ट की 22 जुलाई को बैठक

एसआईटी रिपोर्ट-सीईओ की नियुक्ति सहित इन मुद्दों पर होगी चर्चा

अयोध्या, 19 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की 22 जुलाई 2026 को शाम 4 बजे अहम बैठक आयोजित होने जा रही है, यह बैठक मणिदास छावनी में आयोजित की जाएगी। बैठक के संबंध में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की तरफ से एक आधिकारिक सूचना जारी की गई है, साथ ही इस बैठक में सभी सदस्यों को मौजूद रहने के लिए विशेष तौर पर कहा गया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की तरफ से जारी आधिकारिक सूचना के मुताबिक, बैठक की शुरुआत पिछली बैठकों में संपन्न कार्यवाही की पुष्टि होगी, 6 जुलाई 2026 को आयोजित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक में लिए गए फैसलों और निर्णयों की पुष्टि होगी। इसके बाद 22 जुलाई को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की अहम बैठक होगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की 22 जुलाई को होने वाली बैठक में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की अलग-अलग समितियों के पुनर्गठन पर निर्णय लिया जाएगा। साथ ही सदस्यों की कमी पर भी विचार किया जाएगा। इसके साथ ही ट्रस्ट की जिन समितियों के जिम्मे अलग-अलग काम हैं, उनकी नई संरचना और जिम्मेदारियों पर चर्चा होगी। साथ ही ज़रूरत पड़ने पर आवश्यक बदलाव भी किए जा सकते हैं। इसके अलावा राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी की फाइनल रिपोर्ट पर भी चर्चा होगी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट की तरफ से की जाएगी।

साथ ही ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति सहित अन्य मुद्दों पर भी चर्चा होगी। बैठक के संबंध में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव कृष्ण मोहन ने अधिसूचना जारी कर दी है। इस बैठक में ट्रस्ट के सभी सदस्यों को उपस्थित रहने के लिए कहा गया है। राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपों के बीच 22 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाली श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट की बैठक कई मायनों में अहम है, माना जा रहा है कि इस बैठक में मंदिर व्यवस्थाओं से संबंधित कई अहम निर्णय लिए जा सकते हैं। फिलहाल, सभी की निगाहें 22 जुलाई को होने वाली बैठकों पर टिकी हुई हैं।

राजद को झटका देने के बाद तेज प्रताप यादव ने बढ़ाया सस्पेंस; किसके पक्ष में खुलेंगे समर्थन के पत्ते?

पटना, 19 जुलाई (एजेंसियां)। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के मतदान से पहले राजनीतिक सरगर्मियां लगातार तेज हो रही हैं। भाजपा, राजद और जन सुराज अपने-अपने उम्मीदवारों के पक्ष में पूरी ताकत से प्रचार अभियान चला रहे हैं। इस बीच जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने भी चुनावी रणनीति को लेकर बड़ा संकेत दिया है। अपनी पार्टी की उम्मीदवार वीणा मानवी के चुनाव मैदान से बाहर होने के बाद यह चर्चा तेज थी कि जेजेडी किस दल का समर्थन करेगी। हालांकि, तेज प्रताप यादव ने फिलहाल इस पर सस्पेंस बरकरार रखा है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि पार्टी ने अभी तक किसी भी राजनीतिक दल को समर्थन देने का फैसला नहीं किया है।

तेज प्रताप यादव ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर लिखा कि जनशक्ति जनता दल ने फिलहाल किसी भी राजनीतिक दल को अपना समर्थन नहीं दिया है। पार्टी आने वाले एक-दो दिनों में सभी परिस्थितियों पर सामूहिक रूप से विचार करेगी। इसके बाद पार्टी नेतृत्व अंतिम निर्णय लेकर सार्वजनिक रूप से बताएगा कि किस दल को समर्थन दिया जाएगा।

इसी बीच तेज प्रताप यादव ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को झटका देते हुए पार्टी की वरिष्ठ नेत्री प्रतिमा सिंह को जेजेडी की सदस्यता दिलाई है। इसकी जानकारी भी उन्होंने अपने एक्स हैंडल के माध्यम से साझा की।

तेज प्रताप ने लिखा कि प्रतिमा सिंह ने 33 वर्षों तक राष्ट्रीय जनता दल की एक कर्मठ और समर्पित कार्यकर्ता के रूप में काम किया। परिस्थितिवश उनके साथ अन्याय हुआ, जिसके बाद उन्होंने जनशक्ति जनता दल की सदस्यता ग्रहण करने का निर्णय लिया। जेजेडी अध्यक्ष ने अपने संदेश में कहा कि वह प्रतिमा सिंह का पार्टी में हार्दिक स्वागत करते हैं और उनके सम्मान तथा न्याय की लड़ाई में पार्टी पूरी मजबूती से उनके साथ खड़ी रहेगी। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में फिलहाल मुकाबला मुख्य रूप से भाजपा के नीरज कुमार सिन्हा, जन सुराज के प्रशांत किशोर और राजद की रेखा गुप्ता के बीच माना जा रहा है।

शिवहर पहुंचे मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मीनापुर-बेलवाघाट लिंक चैनल का किया उद्घाटन

शिवहर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी रविवार को अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत शिवहर पहुंचे। यहां उन्होंने पिपराही प्रखंड के बेलवाघाट में 130 करोड़ 88 लाख 57 हजार रुपये की लागत से निर्मित मीनापुर-बेलवाघाट लिंक चैनल का उद्घाटन किया। इसके साथ ही करीब 200 करोड़ रुपये की लागत वाली 40 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। मुख्यमंत्री बनने के बाद सम्राट चौधरी का यह पहला शिवहर दौरा है। मुख्यमंत्री सुबह करीब 11 बजे हेलीकॉप्टर से बेलवाघाट स्थित हेलीपैड पर पहुंचे।

यहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। स्वागत समारोह के बाद मुख्यमंत्री ने मीनापुर-बेलवाघाट लिंक चैनल का लोकार्पण किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने लिंक चैनल से संबंधित प्रस्तुतिकरण भी देखा। इसके बाद उन्होंने विभिन्न विभागों की करीब 200 करोड़ रुपये की 40 विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए विभिन्न सरकारी विभागों के स्टॉल का भी निरीक्षण किया और योजनाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की थी। बेलवाघाट के आसपास पांच किलोमीटर के दायरे को नो फ्लाई जोन घोषित किया गया था।

बेलवाघाट से पिपराही तक सुरक्षा बलों की तैनाती की गई थी। भीड़ प्रबंधन और विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल और दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई थी। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से एक दिन पहले समाज कल्याण मंत्री डॉ. श्वेता गुप्ता, जिलाधिकारी प्रतिभा रानी, पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया था। प्रशासन ने सभी व्यवस्थाओं को समय से पहले पूरा कर लिया था।

बच्चा बोला-डीएम साहब। ताऊ ने घर पर ताला जड़ा, खुलवा दीजिए:थानेदार को कमीशन मिले तो ताबड़तोड़ काम करते हैं; लखीमपुर में अकेले तहसील पहुंचा

लखीमपुर-खीरी, 19 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के लखीमपुर खीरी में 13 साल का बच्चा अकेले ही डीएम के पास पहुंच गया। यह देखकर जनसुनवाई कर रहे डीएम ने उसे पास बुलाया। आने की वजह पूछी तो वह धड़ल्ले से बोला- मेरे घर पर ताऊ-ताई ने जबरन कब्जा करके ताला लगा दिया है। इसे खुलवा दीजिए। पास में खड़े थानेदार ने कहा- खुलवा देंगे। इस पर बच्चा बोला- खुलवा देंगे नहीं...खुलवा दीजिए। बार-बार न आना पड़े। इसी बीच पुलिसकर्मी हंसने लगे। इस पर बच्चा उखड़ गया।

उसने कहा- आप लोगों को क्या है, कमीशन मिल जाए तो ताबड़तोड़ काम कर देते हैं। डीएम अंजनी कुमार सिंह ने कोतवाल राजेश कुमार से कहा- बच्चे के घर जाकर ताला खुलवाइए। कोतवाल राजेश कुमार सिंह तुरंत मौके पर पहुंचे। पूछताछ में पता चला कि बच्चा जिस घर के कमरे का ताला खुलवाने की बात कर रहा है, वह उसके पिता की पहली पत्नी का है। पहली पत्नी की मौत हो चुकी है।

मेरठ में 357 करोड़ का टैक्स रिफंड घोटाला

3000 क्लाइंट्स को दिलाए अवैध धनवापसी, 50 लाख के जेवर और 4 करोड़ की एफडी सीज

मेरठ, 19 जुलाई (एजेंसियां)। आयकर विभाग ने मेरठ में एक बड़े टैक्स रिफंड फ्राड का राजफाश किया है। 30 वर्षीय नैंसी अग्रवाल ने 357 करोड़ रुपये की फर्जी कर-धोखाधड़ी की। नैंसी अग्रवाल माधवपुरम क्षेत्र के इन्द्रा नगर स्थित अपने 35 वर्ग मीटर के घर से काम करते हुए तीन सालों में आयकर एक्ट की धारा 80जीजीसी का सिस्टमैटिक तरीके से गलत इस्तेमाल किया, जो लोगों को राजनीतिक दलों को दिए गए डोनेशन पर टैक्स कटौती का दावा करने की इजाजत देती है। आरोपित देशभर में फैले 3,000 से अधिक क्लाइंट्स को गलत कटौतियों और फर्जी दावों के जरिये 65.5 करोड़ रुपए अवैध रिफंड दिलाने में कामयाब रही।

उसने क्लाइंट्स की तरफ से गैर-मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को भारी डोनेशन देने का फर्जीवाड़ा किया। आयकर विभाग की टीम ने 14-15 जुलाई 2025 को 357 करोड़ के टैक्स रिफंड फ्राड के मामले में दिल्ली चुंगी स्थित गुप्ता ब्रदर्स के घर और आवास और इन्द्रा नगर निवासी नैंसी अग्रवाल के यहां सर्वे किया। टीम ने उस समय नैंसी अग्रवाल भारतीय स्टेट बैंक

ब्रह्मपुरी शाखा में दो बैंक लॉकर में रखे करीब 50 लाख के सोने के गहने व 4 करोड़ की फिक्स्ड डिपॉजिट को सीज किया था। तलाशी के दौरान करीब 5 लाख नकद, हाथ से लिखे लेजर, कंप्यूटर और लैपटॉप समेत कई दस्तावेजों और डिजिटल सबूत भी बरामद किए गए, जिनमें उसके क्लाइंट नेटवर्क की जानकारी थी। आयकर विभाग में इस मामले की जांच कर रही टीम के एक सदस्य ने बताया कि नैंसी अग्रवाल पिछले तीन सालों में आयकर एक्ट की धारा 80जीजीसी का सिस्टमैटिक तरीके से गलत इस्तेमाल किया। आरोपित ने रेफरल डिस्काउंट के जरिए देश भर में क्लाइंट नेटवर्क बनाया और लोगों को गलत कटौती का दावा करने के लिए लुभाया। अपने काम को बढ़ाने के लिए आरोपित ने क्लाइंट्स को प्रमोशनल डिस्काउंट का ऑफर दिया। क्लाइंट्स अधिकतर सैलरी पाने वाले लोग हैं, जो या तो जानबूझकर या अनजाने में फर्जी छूट के जरिए ज्यादा रिफंड दिलाने के अग्रवाल के वादों से लुभाए गए थे। इस पूरे प्रकरण की जांच कर रहे आयकर अधिकारी माखन मीना ने अब आरोपित पर मुकदमा चलाने और फर्जी दावों की रकम वसूलने के लिए फायदा उठाने वाले टैक्सपेयर्स को नोटिस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

नैंसी अग्रवाल का आरोप है कि 2014 में चावली देवी आर्य कन्या इन्टर कॉलेज ब्रह्मपुरी से 12वीं पास करने के बाद डीएन डिग्री कॉलेज में बीकॉम में प्रवेश लिया। 2023-24 आयकर विवरणी भरने आदि की प्रक्रिया सीखने के लिए गुप्ता ब्रदर्स के यहां प्रशिक्षण लेना शुरू किया। 14-15 जुलाई 2025 को जब आयकर विभाग की टीम ने सर्वे किया तो उनके यहां भी यहां भी सर्वे हुआ।

'मैं प्रशांत किशोर का फैन हूं'

बांकीपुर उपचुनाव से पहले खेसारी लाल यादव का पुराना वीडियो चर्चा में क्यों?

पटना, 19 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव हो रहा है। इस सीट के लिए जन सुराज के प्रत्याशी प्रशांत किशोर और एनडीए की ओर से बीजेपी प्रत्याशी नीरज सिन्हा के बीच मुकाबला माना जा रहा है। नीरज सिन्हा को जिताने के लिए बीजेपी ने पूरा जोर लगा दिया है। नीरज सिन्हा के लिए बीजेपी के 40 स्टार प्रचारक चुनावी मैदान में है। इस बीच प्रशांत किशोर के समर्थन में भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव का एक पुराना वीडियो सामने आया है। खेसारी लाल यादव कहते हैं कि मैं प्रशांत किशोर का बड़ा फैन हूं। भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव इस पॉडकास्ट में प्रशांत किशोर को लेकर पूछे जा रहे सवालों का जवाब देते हैं। खेसारी लाल यादव कहते हैं- ' बात है उस आदमी में, प्रशांत किशोर के शब्दों के साथ आप जाइएगा ना तो वो किसी नेता को दोषी नहीं बनाते हैं, मैंने उनको हमेशा सुना है मैं मिला भी हूं, प्रणाम करने के लिए, क्योंकि मैं उनका फैन भी हूं। उनके जो शब्द होते हैं, वो बिहार के लिए होते हैं। और बिहार की उन्नति की जो बातें करें, अगर मैं उसके साथ ही न रहूं तो फिर कोई मतलब नहीं।' प्रशांत किशोर को लेकर खेसारी लाल यादव का वीडियो का ये वीडियो साल 2024 का है।

उस समय प्रशांत किशोर बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटे थे। उस समय खेसारी लाल यादव राजनीति में नहीं आए थे। हालांकि बिहार चुनाव में खेसारी लाल यादव ने राजद में शामिल हुए और चुनाव भी पड़े, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। खेसारी लाल के इस पुराने वीडियो को जन सुराज के तमाम सोशल मीडिया पेज पर भी शेयर किया गया है।

मोहन कैबिनेट ने एमपी में यूसीसी मसौदे को दी मंजूरी

निकाह हलाला होगा दंडनीय अपराध; क्या-क्या बदलने वाला है

भोपाल, 19 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में जगदीशपुर में कैबिनेट बैठक हुई। भोपाल से मुख्यमंत्री समेत पूरी कैबिनेट और अधिकारी ई-बस से जगदीशपुर पहुंचे। सीएम मोहन यादव ने कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि सरकार ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए रिटायर्ड न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई समिति के मसौदे को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कानून किसी धर्म विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के लिए समान अधिकार और समान न्याय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से इस कानून का समर्थन करने की अपील भी की। मुख्यमंत्री ने बताया कि 27 अप्रैल 2026 को गठित सात सदस्यीय समिति ने विभिन्न राज्यों के यूसीसी मॉडल, प्रचलित कानूनों और सामाजिक पहलुओं का अध्ययन किया।

सुझाव लेने के लिए वेब पोर्टल बनाया गया, जिसे 22 मई 2026 को सार्वजनिक किया गया। इसके अलावा प्रदेशभर में जिला और राज्य स्तर पर 50 से अधिक जन-परामर्श बैठकें आयोजित की गईं। सरकार के अनुसार पोर्टल पर 9,58,675 सुझाव प्राप्त हुए, जबकि बैठकों के माध्यम से भी 1,134 से अधिक सुझाव मिले।

करीब 3.5 करोड़ एसएमएस भेजकर लोगों से राय ली गई। सरकार का दावा है कि प्राप्त सुझावों में 93.54 प्रतिशत लोगों ने मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने का समर्थन किया। वहीं 92.20 प्रतिशत लोगों ने सभी समुदायों में महिलाओं और पुरुषों के लिए समान कानून की वकालत की। 91.32 प्रतिशत लोगों ने भेदभावपूर्ण तलाक संबंधी प्रावधान समाप्त करने का समर्थन किया, जबकि 92.66 प्रतिशत लोगों ने महिलाओं और पुरुषों को संपत्ति में समान अधिकार दिए जाने की बात कही। समान नागरिक संहिता में सभी समुदायों में केवल एक ही शादी (मोनोगैमी) को अनिवार्य बनाता है। कोई भी व्यक्ति एक समय में केवल एक ही जीवित जीवनसाथी के साथ शादीशुदा रह सकता है। विवाह के लिए पुरुषों की न्यूनतम आयु 21 वर्ष और महिलाओं की 18 वर्ष तय की गई है। अमान्य सहमति और प्रतिबंधित रिश्तों (जब तक परंपरा की अनुमति न हो) के बीच विवाह पर रोक लगाई गई है।

मौखिक तलाक या अनौपचारिक पंचायत के फैसलों को पूरी तरह गैर-कानूनी घोषित किया गया है। अब विवाह का समापन केवल कानून में बताए गए स्पष्ट और वैधानिक आधारों पर ही हो सकता है।

निकाह हलाला जैसी शर्तों को बढ़ावा देना अपराध बच्चों के अधिकार और कस्टडी को लेकर संहिता में 'अवैध संतान' की अवधारणा समाप्त कर दी गई है। विवाह, लिव-इन, गोद लेने, सरोगेसी या असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी (एआरटी) से जन्मे सभी बच्चों को समान कानूनी दर्जा मिलेगा। अभिरक्षा के मामलों में अदालत बच्चे के सर्वोत्तम हित को प्राथमिकता देगी। बेटे और बेटियों को संपत्ति के उत्तराधिकार में समान अधिकार दिए गए हैं। उनकी वैवाहिक स्थिति कुछ भी हो। मृतक की संपत्ति में विधवाओं और विधुरों के साथ भी समान व्यवहार होगा।

जीवित माता और पिता दोनों को क्लास-1 का उत्तराधिकारी माना गया है, और वे मृतक बच्चे की संपत्ति में जीवनसाथी और बच्चों के साथ बराबर का हिस्सा पाएंगे। कोई भी वयस्क अपनी स्वयं अर्जित या पैतृक संपत्ति की 100 प्रतिशत वसीयत अपनी इच्छा से कर सकेगा। हत्या जैसे गंभीर अपराध में दोषी व्यक्ति उत्तराधिकार का अधिकार खो देगा और यदि कोई कानूनी वारिस नहीं होगा तो संपत्ति राज्य के पास चली जाएगी।

'पंजाब मेरा ननिहाल': मंत्री चिराग पासवान पहुंचे अमृतसर अपनी पार्टी के विस्तार को लेकर दिया बड़ा बयान

अमृतसर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री एवं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान रविवार को अपनी माता के साथ सचखंड श्री हरमंदिर साहिब में माथा टेकने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने केसरिया रंग की पगड़ी धारण की और गुरु घर में देश की खुशहाली, सर्वजन कल्याण तथा अपनी पार्टी की प्रगति के लिए अरदास की। श्री हरमंदिर साहिब के बाहर पत्रकारों से बातचीत की शुरुआत उन्होंने पंजाबी में की।

उन्होंने कहा कि उनके पिता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान की इच्छा थी कि लोक जनशक्ति पार्टी का देशभर में विस्तार हो। इसी सोच के तहत पार्टी उत्तर प्रदेश और पंजाब सहित कई राज्यों में संगठन को मजबूत कर रही है। उन्होंने दावा किया कि पंजाब विधानसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी सभी सीटों पर तैयारी कर रही है और आगामी चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। एयरपोर्ट पर एक पंजाबी युवती द्वारा राखी बांधे जाने के सवाल पर चिराग पासवान ने कहा कि उनका पंजाब से पारिवारिक रिश्ता है। उनकी माता पंजाब से हैं और उनका ननिहाल भी पंजाब में है इसलिए पंजाब की बेटियां उनकी बहनों के समान हैं। पंजाब की राजनीति पर पूछे गए सवाल पर चिराग पासवान ने आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राज्य सरकार लोगों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी है। राज्य में भ्रष्टाचार और नशे जैसी समस्याएं गंभीर बनी हुई हैं। उन्होंने शिरोमणि अकाली दल और कांग्रेस पर भी लोगों का विश्वास खोने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) पंजाब में लगातार अपना संगठन मजबूत कर रही है और गठबंधन अथवा सीटों के संबंध में उचित समय पर निर्णय लिया जाएगा।

ईरान के खुजेस्तान प्रांत में भूकंप तीव्रता 5.0 दर्ज, आपात सेवाएं अलर्ट पर

तेहरान, 19 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत खुजेस्तान में रविवार सुबह 5.0 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद प्रशासन ने पूरे क्षेत्र में आपात सेवाओं को हाई अलर्ट पर कर दिया है। प्रांत के गवर्नर सैयद मोहम्मद रजा मौलाइजादेह ने कहा कि उन्होंने बचाव और राहत कार्यों में जुटी सभी एजेंसियों को पूरी तरह सक्रिय रहने के निर्देश जारी कर दिए हैं। साथ ही, किसी भी संभावित आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी संबंधित विभागों को तैयार रहने को कहा गया है।

ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी ने तेहरान विश्वविद्यालय के भूकंप विज्ञान केंद्र के हवाले से बताया कि यह भूकंप लगभग 12 किलोमीटर (7.5 मील) की गहराई में आया। झटके महसूस होने के बाद स्थानीय प्रशासन ने तुरंत राहत और बचाव टीमों को प्रभावित इलाकों में भेज दिया, ताकि स्थिति का जल्द से जल्द आकलन किया जा सके। गवर्नर मौलाइजादेह ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में सर्वेक्षण दल लगातार निरीक्षण कर रहे हैं और अब तक किसी भी स्थान से जनहानि या बड़े पैमाने पर संपत्ति के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित कार्यकारी संस्थाएं पूरी सतर्कता के साथ काम कर रही हैं और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। यह भूकंप ऐसे समय में आया है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव चरम पर है। दोनों देशों के बीच संघर्षविराम (सीजफायर) टूटने के बाद पिछले एक सप्ताह से सैन्य कार्रवाई और जवाबी हमलों का सिलसिला जारी है।

अमेरिकी सेना लगातार ईरान के विभिन्न ठिकानों को निशाना बना रही है, जबकि तेहरान भी खाड़ी क्षेत्र में स्थित कई अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले कर चुका है।

अभिषेक बोले– बंगाल में पुलिस की वर्दी में चोरी

मेरा ऑफिस तोड़ा, बीजेपी के गुंडे सामान उठा ले गए; जब केस पेंडिंग तो बुलडोजर कार्रवाई क्यों?

कोलकाता, 19 जुलाई (एजेंसियां)। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में पश्चिम बंगाल पुलिस खुद कानून तोड़ने वाली बन गई है।

यह बयान उन्होंने दक्षिण 24 परगना के अमतला स्थित अपने ऑफिस को तोड़े जाने के एक दिन बाद दिया। शनिवार को जिला प्रशासन ने इमारत का अगला हिस्सा बुलडोजर से गिरा दिया था। आरोप था कि यह बिना मंजूरी बना था। इमारत तोड़ने के बाद रात का एक वीडियो अभिषेक ने सोशल मीडिया एक्स पर शेयर किया। अभिषेक ने आरोप लगाया कि बंगाल पुलिस बीजेपी के गुंडों के साथ मिलकर लैपटॉप, प्रिंटर, कागजात, टेबल, कुर्सियां और दूसरे फर्नीचर से भरे बक्से ले जा रही है। यह तोड़-फोड़ नहीं थी बल्कि यह वर्दी में चोरी थी। जिसे कानून का कोई सम्मान किए बिना और हाई कोर्ट में मामला विचाराधीन होने के बावजूद अंजाम दिया गया। प्रशासन के अनुसार, इस ऑफिस के खिलाफ अवैध निर्माण की शिकायतें मिली थीं। इसके बाद 15 जुलाई को संबंधित लोगों को नोटिस जारी कर सुनवाई के लिए बुलाया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि दो नोटिसों का कोई जवाब नहीं मिलने के बाद प्रशासन ने आगे की कार्रवाई का फैसला लिया। नोटिस के मुताबिक, जिस जमीन पर यह ऑफिस बना है, वह कथित तौर पर 'लीप्स एंड बाउंड्स' नाम की कंपनी के नाम पर खरीदी गई थी। प्रशासन ने जमीन के मालिकाना हक और निर्माण से जुड़े दस्तावेजों पर स्पष्टीकरण मांगा था। फिलहाल मामला कानूनी प्रक्रिया के तहत चल रहा है।

गुजराती हो या पंजाबी, भारतीयों ने अमेरिका में डंकी प्रवेश से किया तौबा

वॉशिंगटन, 19 जुलाई (एजेंसियां)। भारत से अमेरिका में होने वाले अवैध प्रवास में इस साल तेजी से कमी आई है। अमेरिकी बॉर्डर अधिकारियों ने वित्त वर्ष 2026 में मई के महीने तक भारतीय प्रवासियों के साथ 20,614 एनकाउंटर (अवैध रूप से अमेरिका आने वालों को पकड़ना) दर्ज किए हैं। यह संख्या वित्त वर्ष 2023 में इसी अवधि (मई तक) की तुलना में 69 प्रतिशत कम है। साल 2023 में भारत से अमेरिका में अवैध रूप से जाने के सबसे ज्यादा मामले हुए थे। 2023 में अमेरिकी बॉर्डर पर भारतीयों के साथ 67,000 से ज्यादा एनकाउंटर दर्ज हुए थे।

यूएस कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन (सीबीपी) के डाटा विश्लेषण से पता चलता है कि अमेरिका की दोनों जमीनी सीमाओं पर अवैध रूप से घुसने के मामलों में गिरावट आई है। मेक्सिको से दक्षिण-पश्चिमी सीमा पार करने की कोशिश करने वाले भारतीय प्रवासियों के साथ एनकाउंटर में 99% की कमी आई है। वहीं कनाडा के साथ उत्तरी सीमा पर ऐसे मामलों में 91% की गिरावट आई है। सीबीपी अक्टूबर से सितंबर तक के डेटा को ट्रैक करता है, जो अमेरिकी सरकार का वित्त वर्ष है। अक्टूबर 2025 और मई 2026 के बीच इसने देश में भारतीय प्रवासियों के साथ 20,614 एनकाउंटर दर्ज किए, जो वित्त वर्ष 2025 में इसी अवधि के दौरान 29,000 थे। वित्त वर्ष 2023 में अक्टूबर और मई के बीच इसी तरह की 8 महीने की अवधि में भारतीय प्रवासियों से जुड़े एनकाउंटर की संख्या बढ़कर 67,212 हो गई थी। इस गिरावट का मुख्य कारण डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की सख्त आव्रजन (इमिग्रेशन) नीतियां हैं। निस्कानेन सेंटर के गिल्बर्ट गुएरा के अनुसार, अमेरिकी सीमाओं पर पहुंचने वाले प्रवासियों को शरण देने से इनकार करना इस गिरावट के पीछे एक बड़ा कारण रहा है।

परिवार के विवाद ने लिया खूनी मोड़, नीलगंगा चौराहे पर फायरिंग में भाजपा नेता के भतीजे की गई जान

उज्जैन, 19 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, जहां पुरानी रंजिश के चलते नीलगंगा चौराहे पर देर रात गोलियां चली। दरअसल, पासी गुट और गोरकर परिवार के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था और इसी के चलते पासी गुट के लोगों ने उन पर हमला कर दिया। इस दौरान एक ही परिवार के तीन लोग घायल हो गए और भाजपा नेता के भतीजे की मौत हो गई। यह दर्दनाक घटना नीलगंगा चौराहे पर रात पुराने विवाद को लेकर गोरकर और पासी गुट में हुई थी। अब पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। एडिशनल एसपी गुरुप्रसाद पराशर की दी गई जानकारी के अनुसार पासी गुट के एक दर्जन से अधिक लोगों ने गोरकर परिवार के लोगों पर हमला कर दिया। पथराव के बाद गोलियां की आवाज से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। गोली लगने से गोरकर परिवार के एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसी परिवार के तीन लोग घायल हो गए। देर रात पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लिया है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। इस घटना के बाद क्षेत्र के लोगों के मन में खौफ बैठ गया।

मध्य प्रदेश में हत्या और फायरिंग की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। दरअसल, शनिवार देर रात करीब 11 बजे नीलगंगा चौराहे के समीप रहने वाले पहलवान नेता दिलीप राव गोरकर उर्फ दिल्लू पहलवान के परिवार के लोगों पर अचानक पासी गुट के लोगों ने हमला कर दिया। देखते ही देखते ईंट और पत्थर चलने लगे। इसके बाद गोलियों की आवाज से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। गोली लगने से दिल्लू पहलवान के 32 वर्षीय भतीजे लोकेश पिता प्रदीप राव गोरकर निवासी नीलगंगा की मौत हो गई, जबकि गोली व पत्थर लगने से दिल्लू पहलवान, उनका 32 वर्षीय बेटा तपन और 29 वर्षीय भतीजा जितेश पिता प्रदीप राव गोरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। बता दें कि दिल्लू पहलवान की छवि एक पहलवान नेता के रूप में है।

चीन-तुर्की की करीबी पर बिफरी निर्वासित ईस्ट तुर्किस्तान सरकार, एर्दोगन के देश को दिलाई उइगर-तुर्क मुसलमानों की याद

बीजिंग, 19 जुलाई (एजेंसियां)। निर्वासित ईस्ट तुर्किस्तान सरकार ने चीन और तुर्की के बीच हाल में हुई बातचीत की कड़ी आलोचना की है। निर्वासित ईस्ट तुर्किस्तान सरकार के आरोप के मुताबिक, तुर्की, ईस्ट तुर्किस्तान में उइगर और अन्य तुर्क समुदायों की कीमत पर चीन के साथ अपने सुरक्षा सहयोग को बढ़ा रहा है। जान लें कि निर्वासित ईस्ट तुर्किस्तान सरकार की तरफ से यह आलोचना बीते 16 जुलाई को तुर्की की उप विदेश मंत्री बेरिस एकिन्सी और चीन के उप विदेश मंत्री मियाओ देयू के बीच हुई मीटिंग के बाद आई है।

चीन के विदेश मंत्रालय के अनुसार, कानून प्रवर्तन और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में चीन और तुर्की सहयोग को मजबूत करने पर सहमत हुए हैं। इस दौरान, तुर्की ने 'वन चाइना' पॉलिसी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। साथ ही, पुष्टि की कि तुर्की की जमीन का इस्तेमाल चीन की 'संप्रभुता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता' के विरुद्ध नहीं किया जाएगा। तुर्की और चीन की मिठास पर रिएक्शन देते हुए, निर्वासित ईस्ट तुर्किस्तान सरकार ने एक्स पर पोस्ट किए गए एक स्टेटमेंट में कहा कि ये बातचीत उइगर, किर्गिज, कजाख और अन्य तुर्की लोगों के साथ दशकों से चले आ रहे धोखे की कड़ी में एक और स्टेप है। निर्वासित ईस्ट तुर्किस्तान सरकार के आरोप के मुताबिक, उइगर समुदाय के लोग ईस्ट तुर्किस्तान में चीन के नरसंहार और औपनिवेशिक कब्जे का शिकार हो रहे हैं।

निर्वासित सरकार ने यह भी कहा कि उसके विदेश और सुरक्षा मंत्री, सालेह हुदयार, ने हाल में अटलांटिक काउंसिल की तरफ से आयोजित एक प्रोग्राम के बाद तुर्की के उप-विदेश मंत्री लेवेंट गुमरुकु से मीटिंग की थी। खबरों के अनुसार, इस मीटिंग में सालेह हुदयार ने तुर्की से आग्रह किया कि वह पूर्वी तुर्किस्तान की आवाज बने और चीन के साथ अपना खुफिया और सुरक्षा सहयोग खत्म करे। निर्वासित ईस्ट तुर्किस्तान सरका के दावे के अनुसार, यह सहयोग 1996 से चल रहा है।

'अगर अमेरिकी सैनिक समझ जाएं मोजतबा की धमकी तो मैदान छोड़कर भाग जाएंगे', ईरान की तरफ से फिर दी गई वॉर्निंग

तेहरान, 19 जुलाई (एजेंसियां)। ईरानी पार्लियामेंट के नेशनल सिक्योरिटी कमीशन के चीफ इब्राहिम अजीजी ने अमेरिका को एक नई वॉर्निंग दी है। इब्राहिम अजीजी के मुताबिक, अगर अमेरिकी सैनिक, ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई की हाल की 'कभी न भूलने वाले सबक' वाली बात का मतलब सही से समझ गए, तो मिडिल-ईस्ट से भागने में वे एक भी पल नहीं गंवाएंगे। अमेरिका और ईरान में बढ़ते तनाव के बीच, इब्राहिम अजीजी ने एक एक्स पोस्ट में लिखा, 'अगर अमेरिका के सैनिक सच में यह समझ गए कि हमारे समझदार सुप्रीम लीडर का कभी न भूलने वाले सबक का क्या मतलब है, तो वे भागने में एक भी पल बर्बाद नहीं करेंगे।' दरअसल, इब्राहिम अजीजी का बयान ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा के उस स्टेटमेंट के बाद आया, जिसमें मोजतबा ने चेतावनी दी कि अमेरिका को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। अब जब अमेरिकी दुश्मन जंग को और बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, जिसमें उसे और ज्यादा नुकसान और अपमान झेलना पड़ेगा, तो उसे यह जान लेना चाहिए कि ईरान की जनता और 'रेजिस्टेंस फ्रंट' के पास उसके लिए ऐसे सबक हैं जिन्हें वह कभी नहीं भूल पाएगा:

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई गौरतलब है कि मोजतबा खामेनेई ने ईरान की जनता को संबोधित करते हुए अमेरिका पर तीखा जुबानी हमला बोला और उसे 'बड़ा शैतान' बताया। साथ ही, मोजतबा ने 17 जून, 2026 को हुए 14 सूत्री अंतरिम शांति समझौते पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर को 'पूरी तरह से बेकार' बताया। इसके अलावा, मोजतबा ने वॉर्निंग दी कि अगर अमेरिका, ईरान पर हमले जारी रखता है तो ईरान और उसका रेज़िस्टेंस फ्रंट उसे कभी ना भूलने वाला सबक सिखाएं।

ट्रंप के टैरिफ का किस पर पड़ा सबसे ज्यादा असर?

आईएमएफ की चौंकाने वाली रिसर्च आई सामने

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) की पूर्व डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर और अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने यूएस टैरिफ के असर को लेकर कहा कि इसके नतीजे अमेरिकी ग्राहकों के लिए एक परेशान करने वाली सच्चाई की ओर इशारा करते हैं। गीता गोपीनाथ ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि आईएमएफ के एक वर्किंग पेपर से पता चलता है कि 2025 में अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ का विदेशी एक्सपोर्टर्स पर बहुत कम असर पड़ा है।

इसके बजाय अमेरिकी खरीदार ज़्यादातर सस्ते सप्लायर्स की ओर मुड़ गए, जिनके प्रोडक्ट्स अक्सर कम क्वालिटी के होते थे। अर्थशास्त्री जेबिन आन, लोरेंजो रोटुनो और मिशेल रूटा के लिखे आईएमएफ वर्किंग पेपर में फरवरी और दिसंबर 2025 के बीच आयात और टैरिफ से जुड़े यूएस सेंसस के विस्तृत डेटा का विश्लेषण किया गया।

रिसर्चर्स ने इस बात की जांच की कि टैरिफ बढ़ने से हजारों सामानों की कीमतों, सोर्सिंग के फैसलों और प्रोडक्ट की क्वालिटी पर क्या असर पड़ा। स्टडी से पता चला कि विदेशी एक्सपोर्टर्स ने यूएस टैरिफ के जवाब में कीमतें कम नहीं कीं। प्रोडक्ट के लेवल पर बारीक जानकारी देखें तो टैरिफ बढ़ने के बाद भी एक्सपोर्ट की कीमतें लगभग वैसी ही बनी रहीं। इसका मतलब था कि टैरिफ की वजह से जो अतिरिक्त लागत आई, उसका बोझ अमेरिका

में इंपोर्टर्स और खरीदारों पर डाला गया। स्टडी में पाया गया कि जिस समय की जांच की गई, उस दौरान औसत टैरिफ दरें लगभग 8 प्रतिशत बढ़ गईं, जिससे इंपोर्ट में लगभग 3.6% की गिरावट आई। टैरिफ बढ़ने के बाद ज्यादा कीमत वाले सप्लायर्स के यूएस मार्केट छोड़ने की संभावना ज्यादा थी, जबकि कम कीमत वाले सप्लायर्स ने एंट्री की।

स्टडी के अनुसार, कीमतों में जो गिरावट दिखी, उसमें से लगभग 65% की वजह सप्लायर्स के बदलने का यही पैटर्न था। रिसर्चर्स का तर्क है कि कम कीमतों का मतलब हमेशा बेहतर वैल्यू नहीं होता। 2023 और 2024 के डेटा की जांच में उन्होंने पाया कि अमेरिकी खरीदारों को आकर्षित करने वाले कई नए सप्लायर्स का अपील स्कोर कम था। जब इन क्वालिटी-संबंधी अंतरों को ध्यान में रखा गया, तो कीमतों में दिखने वाला ज्यादातर फायदा गायब हो गया। स्टडी का अनुमान है कि 2025 के टैरिफ के बाद कीमतों में देखी गई गिरावट का लगभग आधा हिस्सा असल में कम-क्वालिटी वाले सप्लायर्स की ओर झुकाव को लेकर था।

नशा और अवैध हथियार तस्करी नेटवर्क पर वार, 5.5 किलो हेरोइन और दो पिस्तौल के साथ चार गिरफ्तार

अमृतसर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। अमृतसर पुलिस ने सीमा पार से संचालित नशा और अवैध हथियार तस्करी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 5.557 किलोग्राम हेरोइन और दो पिस्तौल बरामद किए हैं। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी विदेश में बैठे तस्करों के संपर्क में थे। आरोपियों को हेरोइन और हथियारों की खेप उपलब्ध कराई जाती थी, जिसे वे आगे आपराधिक तत्वों तक पहुंचाने का काम करते थे। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने और पूरे तस्करी तंत्र की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है।

थाना इस्लामाबाद और थाना छेहरटा में अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान आरोपियों के विदेशी संपर्कों, खेप की सप्लाई चेन और अन्य सहयोगियों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है। उन्होंने बताया कि जांच जारी है और इस नेटवर्क से जुड़े सभी लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सीमा पार से संचालित नशा और हथियार तस्करी के नेटवर्क पर लगातार कार्रवाई जारी रहेगी ताकि राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ नशे के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

70 का हो गया हूं, सठिया गया हूं

जो गलत है वो गलत, मंच से बोले कैलाश विजयवर्गीय

भोपाल, 19 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने एक कार्यक्रम के दौरान मंच से कहा कि मैं जो भी कहता हूं, मुंह पर कहता हूं, पीठ पीछे नहीं। जो गलत है, वो गलत है और जो सही है, वो सही। उन्होंने कहा कि 70 साल का हो गया हूं, यूं ही सठिया गया हूं। किसी को बुरा लगे तो लगे, अपने को क्या फर्क पड़ता है।

उनकी इस बात पर मौजूद लोग ठहाके लगाने लगे। लेकिन राजनीति के जानकार अब इस बयान के अलग-अलग मायने निकाल रहे हैं। कैलाश विजयवर्गीय भारतीय जनता पार्टी के एक बेहद कद्दावर और बड़े नेता हैं, जिनका राजनीतिक सफर बेहद शानदार रहा है। उनके नाम एक रिकॉर्ड है कि वे अपनी जिंदगी में आज तक कभी कोई चुनाव नहीं हारे हैं। उन्हें राजनीति का एक बड़ा 'रणनीतिकार' या चाणक्य माना जाता है, जो मुश्किल से मुश्किल चुनाव को भी अपनी सूझबूझ से पार्टी के पक्ष में मोड़ देते हैं। उन्होंने अपने इस सफर की शुरुआत साल 1975 में कॉलेज के दिनों में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़कर एक छात्र नेता के रूप में की थी। इसके बाद, साल 1983 में वे पहली बार इंदौर के पार्षद बने और साल 2000 में इंदौर के मेयर चुने गए, जहां उन्होंने शहर के विकास के लिए कई बड़े और तारीफ के काबिल काम किए।

मध्य प्रदेश की विधानसभा राजनीति में भी उनका अजेय रिकॉर्ड रहा है; वे साल 1990 में पहली बार इंदौर-4 सीट से विधायक बने, फिर लगातार तीन बार (1993, 1998, 2003) इंदौर-2 सीट से चुनाव जीते और जब पार्टी ने उन्हें कांग्रेस का गढ़ मानी जाने वाली मुश्किल सीट 'महू' से उतारा, तो वहां से भी उन्होंने 2008 और 2013 में शानदार जीत दर्ज की। अपनी इसी लोकप्रियता और सांगठनिक क्षमता के कारण वे साल 2003 से 2015 तक मध्य प्रदेश सरकार में लगातार कैबिनेट मंत्री रहे और पीडब्ल्यूडी, उद्योग, आईटी व नगरीय प्रशासन जैसे भारी-भरकम विभागों को संभाला।

पाताल भुवनेश्वर घूमने आई हरियाणा की नाबालिग किशोरी से टैक्सी चालक ने किया दुष्कर्म का प्रयास

पिथौरागढ़, 19 जुलाई (एजेंसियां)। नैनीताल से पाताल भुवनेश्वर घूमने आई हरियाणा की नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आया है। उसे घुमाने लाए टैक्सी चालक ने ही उसके साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया। किशोरी चलती टैक्सी से कूदकर चालक के चंगुल से बची तो किसी तरह कोतवाली पहुंची और आपबीती बताई। पुलिस ने आरोपी टैक्सी चालक को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, बीते शुक्रवार को हरियाणा निवासी 16 साल की नाबालिग किशोरी ने नैनीताल से टैक्सी बुक की और चालक लमगड़ा निवासी नंदन सिंह को काठगोदाम ले चलने के लिए कहा। वहां जाकर किशोरी ने चालक से कहा कि पहाड़ में कहीं घूमने की जगह ले चलो। इस पर चालक ने उसे पाताल भुवनेश्वर ले जाने की बात कही। पिथौरागढ़ जिले में गंगोलीहाट के पाताल भुवनेश्वर पहुंचते-पहुंचते रात करीब 11 बज गए। इसी बीच गुप्तड़ी के पास रात गहराने का फायदा उठाते हुए चालक ने किशोरी के साथ छेड़खानी शुरू कर दुष्कर्म करने का प्रयास किया। चालक के चंगुल से बचने के लिए किशोरी ने दरवाजा खोलकर चलती टैक्सी से कूद मार दी। कोतवाल कैलाश चंद्र जोशी ने बताया कि किशोरी की शिकायत पर आरोपी चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा, 74, 75, 62, 351 (3) व 11/12 पॉक्सो अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 20 जुलाई - 2026

भरोसेमंद भारत की पहचान

देश में आए दिन हो रही सड़क दुर्घटनाएं हर वर्ष हजारों परिवारों की खुशियां छीन रही हैं। इन हादसों के पीछे तेज रफ्तार या चालक की लापरवाही ही नहीं, बल्कि सड़कों की खराब डिज़ाइनिंग भी एक बड़ा कारण है। ऐसे में केंद्र सरकार का यह निर्णय कि अब भारतीय राजमार्ग अभियंता अकादमी सड़क सुरक्षा ऑडिटरों को प्रशिक्षण देगी, निश्चित रूप से इससे सडकें भरोसेमंद हो सकती है। यदि वर्षों पहले सड़क निर्माण और डिज़ाइन की गुणवत्ता पर गंभीरता से ध्यान दिया जाता, तो अनेक दुर्घटनाओं और अमूल्य जानों के नुकसान से बचा जा सकता था। विभिन्न अध्ययनों और सरकारी आकलनों से यह स्पष्ट होता है कि सड़क दुर्घटनाओं के एक बड़े हिस्से में सड़क डिज़ाइन की खामियां प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही हैं। कहीं तीखे मोड़ों पर पर्याप्त चेतावनी संकेत नहीं हैं तो कहीं दृश्यता बाधित है। कहीं सड़क की ढलान या चौड़ाई मानकों के अनुरूप नहीं है, तो कहीं पैदल यात्रियों और दोपहिया चालकों के लिए सुरक्षित व्यवस्था का अभाव है। यदि सड़क निर्माण के प्रत्येक चरण में वैज्ञानिक मानकों और सुरक्षा प्रावधानों का ईमानदारी से पालन हो, तो दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाई जा सकती है। किसी भी सड़क की सुरक्षा निर्माण पूरा होने के बाद नहीं, बल्कि उसकी योजना और डिज़ाइन तैयार होने के समय तय हो जाती है। विकसित देशों का अनुभव भी यही बताता है कि सड़क सुरक्षा की शुरुआत ड्रॉइंग बोर्ड से होती है, दुर्घटना के बाद नहीं। अब तक सड़क सुरक्षा ऑडिटरों को आईआईटी दिल्ली, आईआईटी रुड़की, केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) सहित 12 संस्थानों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता रहा है। अब प्रशिक्षण की गुणवत्ता और व्यावहारिकता सुनिश्चित करने के लिए इसे भारतीय राजमार्ग अभियंता अकादमी के अधीन लाना आवश्यक है। यदि यह नई व्यवस्था विशेषज्ञों को बेहतर प्रशिक्षण देने और सुरक्षा ऑडिट को अधिक प्रभावी बनाने में सफल होती है, तो निश्चित रूप से इसका सकारात्मक प्रभाव सड़क सुरक्षा पर दिखाई देगा। लेकिन केवल प्रशिक्षण संस्था बदल देने से उद्देश्य पूरा नहीं होगा। आवश्यक यह भी है कि प्रशिक्षित विशेषज्ञों की सिफारिशों को सड़क निर्माण और रखरखाव में अनिवार्य रूप से लागू किया जाए। साथ ही यह प्रवृत्ति भी चिंताजनक है कि विभिन्न सरकारी विभाग लगातार बाहरी सलाहकारों पर निर्भर होते जा रहे हैं। सलाहकारों की भूमिका सहयोगी और विशेषज्ञ मार्गदर्शक की होनी चाहिए, न कि निर्णय लेने वाली। अंतिम जवाबदेही सरकारी एजेंसियों और संबंधित अधिकारियों की ही होनी चाहिए। यदि हर निर्णय बाहरी विशेषज्ञों के भरोसे होगा, तो फिर सरकारी तंत्र की जिम्मेदारी और उत्तरदायित्व पर प्रश्न उठने लगेका। सड़क निर्माण से जुड़े प्रत्येक अधिकारी और एजेंसी को अपने कार्यों के लिए स्पष्ट रूप से जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। भारत आज विश्वस्तरीय सड़क अवसंरचना विकसित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में केवल सड़कों की लंबाई बढ़ाना पर्याप्त नहीं, बल्कि उनकी गुणवत्ता, सुरक्षा और डिज़ाइन को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। सड़क सुरक्षा केवल इंजीनियरिंग का विषय नहीं, बल्कि सुशासन, जवाबदेही और मानव जीवन के सम्मान का भी प्रश्न है। यदि डिज़ाइन में 'शून्य समझौते' की संस्कृति विकसित की जाए, आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग हो और हर स्तर पर कठोर जवाबदेही सुनिश्चित की जाए, तो सड़कें केवल विकास का प्रतीक नहीं रहेंगी, बल्कि सुरक्षित और भरोसेमंद भारत की पहचान भी बनेंगी।

अर्धनारीश्वर तत्व : भारतीय समता का संदेश

कोंडा सुरेखा

प्रत्येक मनुष्य के भीतर स्त्रीत्व और पुरुषत्व दोनों प्रकार के गुण स्वाभाविक रूप से विद्यमान होते हैं। साहस, धैर्य, पराक्रम जैसे गुणों को पुरुषत्व तथा कोमलता, संवेदनशीलता, भावुकता और करुणा जैसे गुणों को स्त्रीत्व का प्रतीक मानकर समाज द्वारा किए गए कृत्रिम वर्गीकरण ने स्त्री-पुरुष भेदभाव को जन्म दिया। यदि कोई महिला निर्भीकता और दृढ़ता के साथ अपने विचार व्यक्त करती है, तो उसे पुरुषों की तरह व्यवहार करने वाली कहा जाता है। वहीं यदि कोई पुरुष अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए आँसू बहाता है, तो उसे स्त्रियों की तरह रोने वाला कहकर उपहास का पात्र बनाया जाता है। जैविक भिन्नताओं को मानसिक और भावनात्मक गुणों से जोड़ने वाली यह सामाजिक सोच उन लोगों के आंतरिक संघर्ष को समझने में असफल रही है, जो इन पूर्वाग्रहों के बीच अपना अस्तित्व तलाशते हैं। इसी पीड़ा और संघर्ष का प्रतिनिधित्व ट्रांसजेंडर समुदाय करता है। जैव विविधता के स्वाभाविक अंग के रूप में जन्म लेने वाले ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को समाज द्वारा लंबे समय तक उपेक्षा, अपमान, तिरस्कार और भेदभाव का सामना करना पड़ा, जिसके कारण वे सामाजिक मुख्यधारा से दूर होते गए।

यह स्थिति उस समय उत्पन्न हुई जब मनुष्य अपने मूल सांस्कृतिक मूल्यों, दार्शनिक दृष्टिकोण और जीवन की व्यापक समझ से दूर होता चला गया। प्राचीन भारतीय दर्शन में स्त्री, पुरुष और तृतीय लिंग के बीच किसी प्रकार का विरोध या हीनता का भाव नहीं था। इसी कारण हमारे पुराणों और महाकाव्यों ने बहुत पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि लिंग केवल द्वैत (पुरुष और स्त्री) तक सीमित नहीं है, बल्कि तृतीय लिंग भी प्रकृति की एक स्वाभाविक अभिव्यक्ति है। वेद, उपनिषद और पुराण इस सत्य का प्रतिपादन करते हैं कि मनुष्य का वास्तविक स्वरूप आत्मा है और आत्मा लिंग से परे है। भगवान शिव का अर्धनारीश्वर स्वरूप केवल एक दैवीय प्रतिमा नहीं, बल्कि एक गहन दार्शनिक संदेश है—एक ही अस्तित्व में स्त्री और पुरुष दोनों तत्त्वों का समन्वय। यह स्त्री-पुरुष समानता, एकता और सृष्टि की पूर्णता का प्रतीक है। भगवान विष्णु का मोहिनी अवतार यह दर्शाता है कि लिंग परिवर्तन भी दिव्य और स्वाभाविक प्रक्रिया है। वहीं महाभारत के शिखण्डी और बृहन्नला जैसे पात्र लिंग विविधता तथा समानता की अवधारणा को स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त करते हैं।

उपनिषदों का वेदांत यह स्पष्ट करता है कि किसी व्यक्ति का मूल्य केवल उसकी जैविक संरचना से निर्धारित नहीं किया जा सकता। मनुष्य की पहचान उसके शरीर से अधिक उसकी चेतना, अनुभव और आत्मबोध से होती है, जिसमें लिंग का कोई निर्णायक महत्व नहीं है। आधुनिक विज्ञान भी इस सत्य की पुष्टि करता है। जीव विज्ञान में (क्रमिक द्विलिंगीकरण अथवा क्रमिक लिंग परिवर्तन) जैसी प्राकृतिक प्रक्रिया का उल्लेख मिलता है, जिसमें कुछ जीव अपने जीवनकाल में परिस्थितियों के अनुरूप लिंग परिवर्तन करते हैं।

इतिहास इस बात का प्रमाण है कि प्राचीन एवं मध्यकालीन भारत में ट्रांसजेंडर समुदाय के प्रति व्यापक सामाजिक भेदभाव नहीं था। राजदरबारों, मंदिरों और सांस्कृतिक आयोजनों में उन्हें सम्मानजनक स्थान प्राप्त था। रामायण से जुड़ी एक लोकमान्यता के आधार पर आज भी अनेक लोग ट्रांसजेंडर समुदाय के आशीर्वाद को शुभ एवं मंगलकारी मानते हैं। किन्तु ब्रिटिश शासनकाल में आपराधिक जनजाति अधिनियम, 1871 जैसे कानून लागू किए जाने के बाद उनके जीवन, आजीविका और स्वतंत्रता पर अनेक प्रकार के प्रतिबंध लगाए गए। परिणामस्वरूप उनके विरुद्ध कानूनी और सामाजिक भेदभाव बढ़ता गया तथा वे समाज के हाशिए पर धकेल दिए गए। परिवारों द्वारा अस्वीकृति, सामाजिक उपहास, हिंसा, उत्पीड़न और सीमित रोजगार अवसरों ने उनके जीवन को अत्यंत कठिन बना दिया। इन परिस्थितियों का मूल कारण समाज की वह संकीर्ण सोच रही, जो स्थापित लैंगिक मान्यताओं से भिन्न पहचान को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं थी।

इन परिस्थितियों के बीच न्यायपालिका द्वारा दिए गए अनेक ऐतिहासिक निर्णय ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए आशा और संरक्षण का आधार बने। भारतीय संविधान के मूल्यों को आधार बनाते हुए न्यायालयों ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकारों को मान्यता प्रदान की। नेशनल लीगल सर्विसेज़ अथॉरिटी बनाम भारत संघ (2014) मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को तृतीय लिंग के रूप में संवैधानिक मान्यता प्रदान की तथा उन्हें अपनी लैंगिक पहचान स्वयं निर्धारित करने का अधिकार स्वीकार किया। इसके बाद भी अनेक निर्णयों में न्यायालयों ने लैंगिक विविधता, निजता तथा व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकारों को संरक्षण प्रदान किया। इन न्यायिक निर्णयों के फलस्वरूप देश के विभिन्न राज्यों ने ट्रांसजेंडर समुदाय के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा तथा उनके सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में अनेक पहलें प्रारम्भ कीं। तेलंगाना की जन सरकार ने भी यह महसूस किया कि प्रगति का मूल्यांकन केवल आर्थिक अथवा तकनीकी विकास के आधार पर नहीं किया जा सकता, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक अवसर और सम्मान पहुँचाना भी उतना ही आवश्यक है। इसी सोच के अनुरूप मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस जन सरकार ने ट्रांसजेंडर समुदाय के सशक्तिकरण हेतु अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। आर्थिक स्वावलंबन के लिए सौ प्रतिशत अनुदानयुक्त ऋण सुविधा, ट्रैफिक सहायक एवं हैदराबाद मेट्रो में सुरक्षा कर्मियों के रूप में नियुक्तियाँ, विशेष कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से उनके लिए सम्मानजनक भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया गया है। समान अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में तेलंगाना सरकार द्वारा उठाए गए ये कदम उनके अधिकारों की रक्षा और सामाजिक समावेशन के लिए सुदृढ़ आधार सिद्ध हो रहे हैं। राज्य सरकार विभिन्न विभागों में ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए और अधिक रोजगार एवं अवसर सुनिश्चित करने हेतु प्रतिबद्धता के साथ विशेष कार्ययोजना पर कार्य कर रही है।तेलंगाना सरकार की इस पहल को आदर्श मानते हुए तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने भी अपने राज्य में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को यातायात विभाग में होमगार्ड के रूप में नियुक्त करने की पहल की। यह तेलंगाना सरकार की दूरदर्शी कार्यशैली का प्रमाण है। कर्नाटक में भी सरकारी नौकरियों में ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए 1 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया है, जबकि केरल, ओडिशा, बिहार, झारखंड सहित अनेक राज्य उनके कल्याण एवं सरकारी सेवाओं में अवसर प्रदान करने की दिशा में ठोस कदम उठा रहे हैं।

यद्यपि भारत सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 और ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) नियम, 2020 लागू किए हैं, फिर भी ट्रांसजेंडर समुदाय के विरुद्ध सामाजिक भेदभाव में अपेक्षित कमी नहीं आई है। इसके अतिरिक्त हाल ही में संसद द्वारा पारित ट्रांसजेंडर व्यक्ति संशोधन विधेयक, 2026 को लेकर भी यह आशंका व्यक्त की जा रही है कि इससे ट्रांसजेंडर समुदाय की स्वतंत्रता, गरिमा और आत्म-पहचान के अधिकार प्रभावित हो सकते हैं। अतः आवश्यक है कि केंद्र सरकार कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करे तथा उनके अधिकारों की रक्षा के लिए और अधिक प्रतिबद्धता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करे। लैंगिक भेदभाव से ऊपर उठकर प्रत्येक व्यक्ति को समान अधिकार, सम्मान और स्वतंत्रता के साथ जीवन जीने का अवसर प्रदान करना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का नैतिक दायित्व भी है। जब समाज में स्वतंत्रता, समानता और मानवीय गरिमा सर्वोच्च मूल्यों के रूप में स्थापित होंगी, तभी लोकतंत्र अपने वास्तविक अर्थों में पूर्णता प्राप्त करेगा।

लेखिका तेलंगाना की वन, पर्यावरण एवं देवादाय-धर्मादाय विभाग की मंत्री हैं।

धरती की कोख उजाड़कर कितने दिन चमकेगा सोना?

आरके जैन

सोने का भाव जितनी ऊंचाई छू रहा है, धरती उतनी ही गहराई में धंस रही है। वित्तीय बाजार इसे सुरक्षित निवेश का स्वर्णकाल मान रहे हैं, जबकि प्रकृति इसे अपने अस्तित्व का काला अध्याय। तिजोरियां भर रही हैं, लेकिन नदियां विष से, जंगल वीरानी से और आदिवासी अंचल भय से भर रहे हैं। कभी वैभव, विश्वास और स्थिरता का प्रतीक रही यह पीली धातु आज पर्यावरणीय संहार, संगठित अपराध और वैश्विक अस्थिरता की नई मुद्रा बन चुकी है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि बाजार सोने का मूल्य चुकाता है, उसकी पर्यावरणीय कीमत नहीं। हर बढ़ता भाव किसी जंगल की हरियाली, किसी नदी की निर्मलता और किसी समुदाय के भविष्य को गिरवी रखकर हासिल हो रहा है।उन्नीसवीं सदी की गोल्ड रश अवसरों की कहानी थी, इक्कीसवीं सदी की यह स्वर्ण-दौड़ अस्तित्व का संकट है। सोने की ऊंची कीमतों ने लघु स्वर्ण खनन (आर्टिजनल एंड स्मॉल-स्केल गोल्ड माइनिंग) को अभूतपूर्व रफ्तार दे दी है। छोटे और अवैध खनिक अब केवल धरती की छाती नहीं चीर रहे, पूरी आपूर्ति श्रृंखला पर शिकंजा कस रहे हैं। घाना, अमेज़न, इंडोनेशिया और अफ्रीका के कई इलाकों में जंगल ऐसे उजाड़े जा रहे हैं, मानो वे धरती के फेफड़े नहीं, लालच के रास्ते की बाधा हों। खनन अब उद्योग नहीं, प्रकृति पर संगठित डकैती है। जहां कभी पक्षियों का कलरव था, वहां अब मशीनों का शोर और विस्फोट हैं।इस विनाश की सबसे भयावह तस्वीर नदियों में दिखाई देती है। सोना निकालने की सबसे सस्ती तकनीक-पारा (मरकरी) और सायनाइड-आज भविष्य की सबसे महंगी कीमत वसूल रही है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के अनुसार, दुनिया में मरकरी प्रदूषण का लगभग 37 प्रतिशत हिस्सा केवल आर्टिजनल एंड स्मॉल-स्केल गोल्ड माइनिंग (एएसजीएम) से आता है। हर वर्ष 800 टन से अधिक पारा हवा और जल स्रोतों में घुलकर मछलियों के जरिए पूरी खाद्य श्रृंखला में फैलता है तथा बच्चों के मस्तिष्क विकास पर स्थायी चोट करता है। घाना इसका सबसे दर्दनाक उदाहरण है, जहां लगभग 60 प्रतिशत जल स्रोत दूषित हो चुके हैं और अनेक नदियां पीने योग्य नहीं रहीं। यह केवल जल प्रदूषण नहीं, मानव सभ्यता की जीवनरेखा में घोला जा रहा धीमा ज़हर है। यह केवल पर्यावरण का नहीं, संगठित अपराध के फैलते साम्राज्य का भी वृत्तांत है। अमेज़न के जंगलों में स्वर्ण खनन अब ड्रग कार्टेलों और अपराधी गिरोहों का नया अड्डा बन चुका है। अनेक क्षेत्रों में इसका मुनाफा कोकीन के कारोबार से भी अधिक माना जा रहा है। चीनी अपराधी नेटवर्क फ्लाइंग मनी के जरिए सोने का इस्तेमाल अवैध वस्तुओं के विनिमय और काले धन के लेन-देन में कर रहे हैं। नतीजा यह है कि वहां केवल जंगल ही नहीं उजड़ रहे, कानून का राज भी मिटता जा रहा है। जैव विविधता सिमट रही है, आदिवासी अपनी पुश्तैनी जमीन से बेदखल हो रहे हैं और हिंसा जीवन की सामान्य सच्चाई बनती जा रही है। ब्राजील के मुंडुरुकु आदिवासी क्षेत्र में खनन थमने के बाद भी स्वास्थ्य संकट कायम है। संदेश साफ है-खदानें बंद हो सकती हैं, लेकिन प्रकृति और समाज पर पड़े उनके घाव पीढ़ियों तक नहीं भरते।यह मानना भूल होगी कि यह संकट केवल अमेज़न या अफ्रीका तक सीमित है। भारत में कर्नाटक, झारखंड, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में अवैध स्वर्ण खनन तेजी से समानांतर अर्थव्यवस्था का रूप ले रहा है। सरकारी राजस्व लूट रहा है, वन सिकुड़ रहे हैं और नदियां ज़हर निगल रही हैं। यहां भी पारे का अंधाधुंध इस्तेमाल मछलियों, खेती और ग्रामीण स्वास्थ्य पर भारी पड़ रहा है। वैश्विक बाजार में सोने की कीमत चढ़ते ही स्थानीय जंगलों पर दबाव कई गुना बढ़ जाता है। वैश्वीकरण का यही कठोर सच है कि लंदन और न्यूयॉर्क के निवेशकों का मुनाफा, झारखंड और छत्तीसगढ़ के जंगलों की कीमत पर लिखा जा रहा है। सबसे बड़ा भ्रम यही है कि सोना आज भी केवल आभूषण या निवेश है। सच यह है कि वह अब भू-राजनीति, प्रतिबंधों से बच निकलने, भ्रष्टाचार और राजनीतिक वित्तपोषण का भी सशक्त माध्यम बन चुका है। विकसित देशों के बाजारों तक पहुंचने वाला सोना अपने पीछे छूटे विनाश के निशान साथ नहीं ले जाता। शायद ही किसी उपभोक्ता को पता हो कि उसकी उंगली में चमकती एक साधारण शादी की अंगूठी के पीछे लगभग 20 टन जहरीला खनन अपशिष्ट छिपा है।बाजार धातु की शुद्धता तो परखता है, लेकिन उसके उत्पादन की नैतिकता पर चुप्पी साध लेता है। आधुनिक अर्थव्यवस्था की यही सबसे बड़ी विडंबना है-मुनाफा कुछ हाथों में सिमटता है, जबकि उसकी पर्यावरणीय कीमत पूरी पृथ्वी चुकाती है। समाधान केवल अवैध खनन पर छापेमारी में नहीं, बल्कि वैश्विक जवाबदेही में है। पारा-मुक्त तकनीकों को बढ़ावा देना होगा, छोटे खनिकों के लिए वैकल्पिक आजीविका सुनिश्चित करनी होगी और पूरी आपूर्ति श्रृंखला को पारदर्शी बनाना होगा, ताकि बाजार तक पहुंचने वाले हर ग्राम सोने की पूरी यात्रा दर्ज रहे। जब तक दुनिया केवल हॉलमार्क देखेगी और उसके पर्यावरणीय पदचिह्न नहीं पूछेगी, तब तक यह संकट थमेगा नहीं। विकास का अर्थ प्रकृति की कीमत पर समृद्धि नहीं, बल्कि संसाधनों और संवेदनाओं के बीच संतुलन है। प्रकृति कभी अदालत नहीं लगाती, वह केवल अपना फैसला सुनाती है। अब फैसला हमें करना है-सोना बचाना है या धरती। क्या चमकती धातु के लिए हम पृथ्वी की धड़कनें गिरवी रखते रहेंगे? आने वाली पीढ़ियों को विरासत में स्वर्ण भंडार चाहिए या स्वच्छ नदियां, जीवित जंगल और सुरक्षित भविष्य? इतिहास बताता है कि सभ्यताएं खदानों से नहीं, प्रकृति से जीवित रहती हैं।

एग्रो-होम्योपैथी कृषि क्षेत्र की नई क्रान्ति

ऋतुपर्ण दवे

होम्योपैथी एक वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति जरूर है, लेकिन बहुत ही तेजी से लोकप्रिय भी हो रही है। यह रोगी के समग्र स्वास्थ्य जिसमें मानसिक और शारीरिक स्थिति पर ध्यान केंद्रित करके प्राकृतिक रूप से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने की ताकत होती है। होमियोपैथी को एक सुरक्षित चिकित्सा पद्धिति माना जाता है क्योंकि इससे कोई भी साइड इफेक्ट नहीं होते हैं। लेकिन सोचिए, यही होमियोपैथी यदि कृषि के क्षेत्र में भी उपयोगी साबित हो तो इसे किसी चमत्कार से कम नहीं कहा जा सकता। इन दिनों दुनिया भार में एग्रो-होमियोपैथी पर लेकर न केवल बड़े-बड़े शोध चल रहे हैं बल्कि तेजी से उपयोग भी बढ़ रहा है। भारत भी इससे अछूता नहीं है।

कृषि क्षेत्र में इसका सफल प्रयोग कई दशकों से हो रहा है। इसकी शुरुआत हालाकि शौकिया तौर पर हुई, लेकिन जब इसके फायदे नजर आने लगे तो तेजी से शोध और परीक्षण भी होने लगे और लोगों की इसको लेकर उत्सुकता भी बढ़ी। अब नतीजे भी दिखने लगे हैं। होम्योपैथी दवाओं के टिंचर की कुछ बूंदे थोड़े से पानी में मनुष्यों को देकर यह विश्वास उत्पन्न किया जाता है कि यह बीमारी की जड़ तक पहुंच उसका समाधान करता है। बस यही फॉर्मूला कृषि क्षेत्र में भी अपनाया जा रहा है।

वास्तव में होम्योपैथिक दवाएं बैक्टीरिया या कीटों को सीधे नहीं मार, पौधों की अपनी जैविक प्रणालियों को प्रभावित करती हैं जिससे वो अपना प्राकृतिक रक्षा तंत्र, जरूरत के हिसाब से विकसित और सक्रिय कर पाते हैं। एग्रीकल्चर सेक्टर में होम्योपैथी का उपयोग उसी सिध्दांत पर आधारित है जिसमें किसी बीमारी को जड़ से समाप्त करने के लिए धीरे-धीरे डायल्यूट दवाओं से किसी बीमारी को काबू किया जाता है जिससे वह जड़ से ही समाप्त हो जाती है। यह पौधों की आनुवंशिक गतिविधियों और चयापचय यानी मेटाबॉलिज्म में परिवर्तन की प्रक्रिया को प्रेरित कर सकता है, जिससे रक्षा प्रणालियां सक्रिय होती हैं। देश में एग्रो-होम्योपैथी को लेकर पुडुचेरी प्रयोग खासा सफल और चर्चाओं में है। श्री अरबिंदो सोसाइटी (एसएएस) की अगुवाई में एक नई पहचान बन रही है। एग्रो-होम्योपैथी से दोहरा लाभ भी सामने आया। जहां पानी की खपत घटी और इस कारण भूजल स्तर भी बढ़ा। 2018 में शुरू हुई आहार परियोजना में कृषि क्षेत्र में होम्योपैथी के उपयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए शुरु हुए इस प्रोजेक्ट की सफलता का अंदाज इसी से लगता है कि कुछ ही समय में इसे नाबार्ड और उसके बाद टाटा ट्रस्ट का समर्थन मिला। वैज्ञानिक प्रयोगों के बाद जब यह फॉर्मूला खेतों में पहुंचा तो वहां भी बेहद असरकारक रहा। पहले भिंडी उसके बाद धान की उपज में काफी सकारात्मक परिणाम आए। उत्साहित वैज्ञानिकों ने तीनों सीजन रबी, खरीफ और जायद में भी इसकी क्षमता को आजमाया और सकारात्मक नतीजे हासिल किए।इससे मिट्टी की उर्वरता भी बढ़ी जिससे रसायनों पर निर्भरता घटी। सर्वविदित है कि खेतों में उर्वरकों का छिड़काव करने से मिट्टी के सूक्ष्म जीवों को नुकसान होता है लेकिन कृषि-होम्योपैथी के मिश्रण ने पत्तियों को नई जान तो दी साथ ही पौधों की प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाई। शोधकर्ताओं ने कृषि-होम्योपैथी की लागत को बेहद सस्ती पाया। पहले जहां कृषक 20 से 30 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर रसायनों पर व्यय करता था, वही होम्योपैथिक दवाओं पर केवल 700 रुपए प्रति हेक्टेयर ही खर्च कर और भी बेहतर परिणाम हासिल करने लगा। यह कमाल ही था जो होम्योपैथिक दवाओं की चंद मिलीमीटर दवाओं ने सैकड़ों लीटर पानी में घुले रसायनों पर भारी पड़ कर असर दिखाया। इससे खेती में हानिकारक रसायनों का इस्तेमाल रुकने से फसल की चमक और पुष्टता भी बेहतर हुई जिससे किसानों को उपज की अच्छी कीमत मिलने लगी। होम्योपैथी दवाएं वनस्पतियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी को जबरदस्त बढ़ाती हैं। इससे वनस्पतियां, फसल होने वाली बीमारी को अपने आप ठीक कर लेते हैं।

एग्रो-होम्योपैथी में अलग-अलग और बेहद सस्ती चंद मिलीमीटर दवाएं बीजों के अंकुरण से लेकर रोगों से बचाव और फूलने-फलने को बेहतर बनाने में कारगर सिध्द हो रही है। ये दवाएं कीट प्रबंधन की दिशा में भी काफी सफल हैं। यहां तक कि फसल में वायरस या बैक्टीरिया के दुष्प्रभावों पर भी असरकारक हैं। वह दिन दूर नहीं जब निरंतर शोध और प्रयोगों के बाद एग्रो-होम्योपैथी की भी ढेरों और अलग-अलग शाखाएं बनना तय है। यह भविष्य का वृहद कृषि पारिस्थितिकी तंत्र होगा। इसमें भी उपचारों की अलग-अलग विधियां होंगी। लेकिन इतना तो तय है कि रसायनों और उर्वरकों के बोझ से आहत मिट्टी को कोई नया जीवन और जहरीले तत्वों से मुक्ति दिलाएगा।

चाबहार पोर्ट : भारत ने बनाया अमेरिका ने बढ़ाई चिंता

स्नेहा सिंह

ईरान और अमेरिका के बीच जारी युद्ध ने पश्चिम एशिया में तनाव को और अधिक बढ़ा दिया है। युद्ध के दौरान अमेरिका ने ईरान के रणनीतिक महत्व वाले चाबहार बंदरगाह के नेविगेशन कंट्रोल और मॉनिटरिंग टावर पर मिसाइल हमला किया। अमेरिका का दावा है कि इस टावर का उपयोग होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की निगरानी और उन पर सैन्य कार्रवाई के लिए किया जाता था। दूसरी ओर ईरान ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह केवल व्यापारिक जहाजों की आवाजाही के संचालन का केंद्र था और यहां से कोई सैन्य गतिविधि संचालित नहीं होती थी। ईरान ने इसे अपने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हमला बताते हुए अमेरिका को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है।

चाबहार बंदरगाह का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा शाहिद बेहेश्ती टर्मिनल भारत की सरकारी कंपनी इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड संचालित करती है। मई, 2024 में हुए समझौते के तहत ईरान ने यह टर्मिनल भारत को दस वर्षों के लिए संचालन हेतु सौंपा था। हालांकि अमेरिकी हमले में इस टर्मिनल को प्रत्यक्ष नुकसान नहीं पहुंचा, लेकिन नेविगेशन टावर के नष्ट होने से पूरे बंदरगाह के संचालन पर असर पड़ना स्वाभाविक माना जा रहा है। यदि बंदरगाह की गतिविधियां प्रभावित होती हैं तो इसका असर भारत की व्यापारिक और रणनीतिक योजनाओं पर भी पड़ेगा। भारत ने चाबहार बंदरगाह के विकास का निर्णय वर्ष 2003 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में लिया था। बाद में ईरान पर लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण परियोजना की गति धीमी पड़ गई। वर्ष 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईरान यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच नए समझौते हुए और भारत ने बंदरगाह के विकास के लिए लगभग 500 मिलियन डालर निवेश की घोषणा की। इसके बाद परियोजना को नई गति मिली। चाबहार भारत के लिए केवल एक बंदरगाह नहीं, बल्कि सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना है। पाकिस्तान भारत को अपने भूमार्ग का उपयोग नहीं करने देता। ऐसे में चाबहार के माध्यम से भारत सीधे अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंच सकता है। यह बंदरगाह चीन द्वारा विकसित पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह से लगभग 170 किलोमीटर दूर स्थित है और इसे भारत की रणनीतिक जवाबी पहल माना जाता है। गुजरात के कांडला बंदरगाह से इसकी दूरी लगभग 550 नॉटिकल मील होने के कारण व्यापारिक परिवहन भी अधिक सुविधाजनक बनता है।चाबहार अंतरराष्ट्रीय नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर का भी प्रमुख हिस्सा है। इस मार्ग के माध्यम से भारत रूस, कजाकिस्तान, उजबेकिस्तान और अन्य मध्य एशियाई देशों तक कम समय और कम लागत में सामान पहुंचा सकता है। भारत ने चाबहार को अफगानिस्तान से सड़क और रेल मार्ग द्वारा जोड़ने की महत्वाकांक्षी योजना भी बनाई है। भारत पहले ही ईरान-अफगानिस्तान सीमा पर 215 किलोमीटर लंबा जरांज-देलाराम राजमार्ग बना चुका है, जो अफगानिस्तान के प्रमुख गारलैंड हाईवे से जुड़ता है। इसके अलावा चाबहार-जहेदान-जरांज रेल परियोजना पर भी काम चल रहा है। अफगानिस्तान के विशाल लौह, तांबा, लिथियम तथा अन्य खनिज संसाधनों तक पहुंच बनाने में यह परियोजना भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि युद्ध के दौरान चाबहार पर और हमले होते हैं तो भारत की दीर्घकालिक व्यापारिक, ऊर्जा और सामरिक रणनीति प्रभावित हो सकती है। भारत और ईरान के बीच वर्षों से मजबूत आर्थिक और रणनीतिक संबंध रहे हैं।

मुस्कान, जो बर्फ हो गई

डॉ. शैलेश शुक्ला

हम एक ऐसे अजीब समय में जी रहे हैं जहाँ इंसान रिश्तों को दिल में रखने के बजाय सामान की तरह सहूलियत के खानों में फिट करने लगा है। उस रात जब कमरे का सन्नाटा बर्फ की तरह जम चुका था, उसने अपनी जीवनसंगिनी के उस वजूद को शांत कर दिया जो कभी चौंके से लेकर उसके हर सुख-दुख में खटर-पटर करती थी। वह चाहता तो उस शरीर के बाकी हिस्सों को शहर के उस सुदूर, वीरान और उजाड़ कोने में मिट्टी तले हमेशा के लिए दफन कर सकता था, जहाँ किसी इंसान की परछाईं तो क्या, परिंदे का भी पहुँचना नामुमकिन था। उसने ऐसा किया भी हाथ-पैर और बाकी जिस्म को उसने ज़मीन की उन अंधेरी गहराइयों में सौंप दिया जहाँ गुमनामी का साम्राज्य था। लेकिन जब बारी उस चेहरे की आई, जिससे उसने कभी सात फेरे लिए थे, तो उसके हाथ ठिठक गए। उसने उस ठंडे पड़ चुके सिर को उठाया और घर के कोने में रखे डबल-डोर फ्रिज के सबसे सुरक्षित हिस्से में ले जाकर रख दिया। यह कोई पागलपन नहीं बल्कि इस आधुनिक और डिजिटल युग के एक पति का अपनी पत्नी के प्रति आखिरी, सबसे वफादार और गहरा समर्पण था, जिसे दुनिया शायद कभी समझ नहीं पाती।

फ्रिज का वह कोना मानो उस घर का सबसे पवित्र मंदिर बन गया था, जहाँ प्रेम को ताज़ा रखने की एक अंतिम और नाकाम कोशिश चल रही थी। इंसान जब दुनिया के झमेलों से थक जाता है, तो वह उन चीज़ों की तरफ भागता है जो कभी नहीं बदलतीं, और उस बंद डिब्बे के भीतर का तापमान ठीक वैसा ही था जैसा उन दोनों के वैवाहिक जीवन का आखिरी हफ्ता। वह रोज़ दफ़्तर से आता, कोट उतारता और सीधे उस ठंडे बक्से का दरवाज़ा खोलकर उस चेहरे को निहारता, जो अब बिना किसी शिकायत के, बिना किसी ताने के, बिल्कुल शांत और मुद्राहीन होकर उसे देखता रहता था। समाज में इसे एक खौफनाक वारदात कहा जाएगा, अख़बार वाले इसे क्रूरता की पराकाष्ठा लिखेंगे, लेकिन उस चारदीवारी के भीतर यह एक मूक संवाद था, एक ऐसा मुहावरा जो ज़बान से नहीं, केवल आँखों से पढ़ा जा सकता था। उसने अपनी पत्नी के गुस्से, उसकी तीखी आवाज़ और रोज़-रोज़ के तानों से तंग आकर यह कदम उठाया था, लेकिन अब उसी शांति को सहेजने के लिए उसने अपनी पूरी गृहस्थी को एक कबाड़खाने और बर्फ की सिल्ली में तब्दील कर दिया था।

मोहल्ले वाले और पुलिस वाले अक्सर इस बात पर सिर खुजलाते रहे कि आख़िर कोई कातिल इतना शातिर होने के बाद इतनी बड़ी बेवकूफ़ी कैसे कर सकता है। जब आपकी पहुंच इस दुनिया के सबसे सुरक्षित और अछूते ठिकानों तक हो, जहाँ कानून के लंबे हाथ भी बौने साबित हो जाएं, तब उस सबूत को अपने ही बेडरूम के ठीक बगल में रसोई के भीतर संभाल कर रखना किसी आत्मघाती कदम से कम नहीं था। लेकिन यहाँ सारा खेल तो उस रूपक का था, जिसे वह अपनी ज़िंदगी में जिंदा रखना चाहता था। वह अक्सर सोचता था कि अगर वह उस चेहरे को भी मिट्टी में मिला देता, तो शाम को चाय की चुस्की लेते वक्त वह किससे बहस करता? वह अपनी नौकरी की नाकामी और समाज के थपेड़ों का गुस्सा किस पर निकालता? वह चेहरा अब एक ऐसा दर्पण बन चुका था जो बोलता नहीं था, लेकिन उसके वजूद को यह अहसास कराता रहता था कि वह अकेला नहीं है। इस डिजिटल और मतलबी ज़माने में जब ज़िंदा लोग एक-दूसरे को ब्लॉक कर देते हैं, उसने अपनी पत्नी को हमेशा के लिए अपने पास स्टोर करके रख लिया था, ताकि कोई चाहकर भी उन्हें जुदा न कर सके। दिन हफ़्तों में और हफ़्ते महीनों में बदलते गए, पर उस फ्रिज के भीतर का सस्पेंस और उस पति की आँखों का सूनापन कभी कम नहीं हुआ। पुलिस की तहकीकात चल रही थी, खोजी कुत्ते गलियों की खाक छान रहे थे और पड़ोस की औरतें दबी ज़बान में उस लापता पत्नी की भलाई की दुआएं मांग रही थीं। लेकिन किसी को भनक तक नहीं थी कि जो औरत कभी इस घर की रीढ़ हुआ करती थी, वह अब उस घर की सबसे महंगी मशीनरी का दिल बन चुकी है।

ज्योतिर्लिंग सोमनाथ मंदिर की महिमा अपरंपार

12 ज्योतिर्लिंगों में से एक सोमनाथ मंदिर का ज्योतिर्लिंग बहुत ही प्रसिद्ध शिव मंदिर है। यह मंदिर गुजरात प्रांत के काठियावाड़ क्षेत्र में समुद्र के किनारे स्थित यह ज्योतिर्लिंग प्राचीन पावन क्षेत्र पर्भास क्षेत्र में स्थित है। सोमनाथ-ज्योतिर्लिंग की महिमा महाभारत, श्रीमद्भागवत तथा स्कंद पुराणादि में विस्तार से बताई गई है। आओ जानते हैं इसके अनजाने तथ्य।

भगवान चंद्रदेव ने श्राप से मुक्ति होने के लिए पावन प्रभास क्षेत्र में शिवजी की तपस्या की थी। उन्होंने भगवान शिव को ही अपना नाथ-स्वामी मानकर यहां तपस्या की थी इसीलिए इसका नाम 'सोमनाथ' हो गया। चंद्रदेव का एक नाम सोम भी है।

इस मंदिर के ज्योतिर्लिंग को 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक प्रथम ज्योतिर्लिंग माना जाता है।

कहते हैं कि सोमनाथ के मंदिर में पहले का शिवलिंग हवा में स्थित था। महमूद गजनबी इसे देखकर हतप्रभ रह गया था। यह शिवलिंग चुम्बक की शक्ति से हवा में ही स्थित था।

सर्वप्रथम इस मंदिर के उल्लेखानुसार ईसा के पूर्व यह अस्तित्व में था। इसी जगह पर द्वितीय बार मंदिर का पुनर्निर्माण 649 ईस्वी में वैल्लभी के मैत्रिक राजाओं ने किया।

पहिली बार इस मंदिर को 725 ईस्वी में सिन्ध के मुस्लिम सूबेदार अल जुनैद ने तुड़वा दिया था। फिर प्रतिहार राजा नागभट्ट ने 815 ईस्वी में इसका पुनर्निर्माण करवाया।

इसके बाद महमूद गजनवी ने सन1024-25 में कुछ 5,000 साथियों के साथ सोमनाथ मंदिर पर हमला किया, उसकी संपत्ति लूटी और उसे नष्ट कर दिया। तब मंदिर की रक्षा के लिए निहत्थे हजारों लोग मारे गए थे। ये वे लोग थे, जो पूजा कर रहे थे या मंदिर के अंदर दर्शन लाभ ले रहे थे और जो गांव के लोग मंदिर की रक्षा के लिए निहत्थे ही दौड़ पड़े थे।

महमूद के मंदिर तोड़ने और लूटने के बाद गुजरात के राजा भीमदेव और मालवा के राजा भोज ने इसका पुनर्निर्माण कराया। 1093 में सिद्धराज जयसिंह ने भी मंदिर निर्माण में सहयोग दिया। 1168 में विजयेश्वर कुमारपाल और सौराष्ट्र के राजा खंगार ने भी सोमनाथ मंदिर के सौन्दर्यीकरण में योगदान किया था।

सन 1297 में जब दिल्ली सल्तनत के सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी के सेनापति नुसरत खां ने गुजरात पर हमला किया तो उसने सोमनाथ मंदिर को दुबारा तोड़ दिया और सारी धन-संपदा लूटकर ले गया। मंदिर को फिर से हिन्दू राजाओं ने बनवाया। लेकिन सन- 1395 में गुजरात के सुल्तान मुजफ्फरशाह ने मंदिर को फिर से तुड़वाकर सारा चढ़ावा लूट लिया। इसके बाद 1412 में उसके पुत्र अहमद शाह ने भी यही किया।

बाद में क्रूर दरिंदे मुस्लिम बादशाह औरंगजेब के काल में सोमनाथ मंदिर को 2 बार तोड़ा गया- पहली बार 1665 ईस्वी में और दूसरी बार 1706 ईस्वी में। 1665 में मंदिर तुड़वाने के बाद जब औरंगजेब ने देखा कि हिन्दू उस स्थान पर अभी भी पूजा-अर्चना करने आते हैं तो उसने वहां एक सैन्य टुकड़ी भेजकर कत्लेआम करवाया।

जब भारत का एक बड़ा हिस्सा मराठों के अधिकार में आ गया तब 1783 में इंदौर की रानी अहिल्याबाई द्वारा मूल मंदिर से कुछ ही दूरी पर पूजा-अर्चना के लिए सोमनाथ महादेव का एक और मंदिर बनवाया गया।

भारत की आजादी के बाद सरदार वल्लभभाई पटेल ने समुद्र का जल लेकर नए मंदिर के निर्माण का संकल्प लिया। उनके संकल्प के बाद 1950 में मंदिर का पुनर्निर्माण हुआ। 6 बार टूटने के बाद 7वीं बार इस मंदिर को कैलाश महामेरू प्रासाद शैली में बनाया गया। इसके निर्माण कार्य से सरदार वल्लभभाई पटेल भी जुड़े रह चुके हैं। इस समय जो मंदिर खड़ा है उसे भारत के गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने बनवाया और 1ली दिसंबर 1995 को भारत के राष्ट्रपति शंकरदयाल शर्मा ने इसे राष्ट्र को समर्पित किया।

साधना से जुड़ा है गुप्त नवरात्र का इतिहास

श्री नैना देवी में आषाढ़ गुप्त नवरात्र श्रद्धा और आस्था के साथ मनाए जा रहे हैं। हिमाचल सहित तमाम राज्यों से भक्त माता के दर्शन को उमड़ रहे हैं। परिवार की सुख-समृद्धि के लिए हवन-यज्ञ और विशेष पूजा-अर्चना की जा रही है। इन गुप्त नवरात्रों का विशेष धार्मिक महत्व है, जहां मनोकामनाएं पूर्ण होने की मान्यता है।

विश्व विख्यात शक्तिपीठ श्री नैना देवी में इन दिनों आषाढ़ मास के गुप्त नवरात्र श्रद्धा और आस्था के साथ मनाए जा रहे हैं। गुप्त नवरात्रों के दौरान हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली सहित तमाम राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता श्री नैना देवी के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं

। श्रद्धालु हवन-यज्ञ में भाग लेकर अपने परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना कर रहे हैं।

मंदिर के वरिष्ठ पुजारी नीलम शर्मा ने बताया कि सालभर में कुल चार नवरात्र मनाए जाते हैं, जिनमें चैत्र और शारदीय नवरात्र के अलावा आषाढ़ और माघ मास के शुक्ल पक्ष में आने वाले दो गुप्त नवरात्र भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि गुप्त नवरात्रों का विशेष धार्मिक महत्व है।

उन्होंने बताया कि इन नवरात्रों को गुप्त नवरात्र इसलिए कहा जाता है क्योंकि प्राचीन काल में ऋषि-मुनियों ने अपनी साधना, पूजा-अर्चना और तांत्रिक सिद्धियों के लिए इन नवरात्रों को गुप्त रखा था। समय के साथ इनका महत्व आम जनमानस तक पहुंचा और अब बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी इन नवरात्रों के दौरान मां भगवती की विशेष आराधना करते हैं।

'पूजा करने से मनोकामनाएं होती हैं पूर्ण'

वरिष्ठ पुजारी ने बताया कि गुप्त नवरात्रों के दौरान मां श्री नैना देवी के दरबार में विशेष पूजा, दुर्गा सप्तशती का पाठ, हवन और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं। मंदिर परिसर स्थित प्राचीन हवन कुंड में श्रद्धालु आहुतियां अर्पित कर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि गुप्त नवरात्रों में माता के दरबार में दर्शन और पूजा करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं तथा जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इसी आस्था के साथ प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता श्री नैना देवी के दरबार में माथा टेकने पहुंच रहे हैं।

जो व्यक्ति मुश्किलों से नहीं डरता वह ईमानदारी से लक्ष्य की ओर बढ़ता है

जीवन में सफलता, सम्मान, उपलब्धियां और बड़े लक्ष्य वही लोग हासिल करते हैं जो साहसी हैं। साहस मनुष्य का सबसे बड़ा गुण है। इसके साथ सत्य, पराक्रम, मेहनत और विवेक जैसे गुण भी बहुत जरूरी हैं। जो व्यक्ति कठिन परिस्थितियों से नहीं डरता और ईमानदारी से अपने लक्ष्य की ओर बढ़ता है, वही सफल होता है। स्वाध्याय करने वाला व्यक्ति ज्ञान प्राप्त करता है और उसके भीतर अच्छे गुण अपने आप विकसित होने लगते हैं। इसलिए हमें नियमित अध्ययन करना चाहिए, साहसी बनना चाहिए और सच्चाई के मार्ग पर चलकर अपने जीवन को सफल बनाना चाहिए।

परशुराम थे पहले कांवड़िया, जिसने महादेव को चढ़ाया था जल

इसी माह में सावन की शुरुआत हो जाएगी। सावन का महीना भगवान शिव का होता है। इस माह में भगवान शिव की विशेष पूजा की जाती है। उनका जलाभिषेक किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस माह में पूजा और जलाभिषेक करने से महादेव सभी दूर कर देते हैं। द्रिक पंचांग के अनुसार, इस साल शिव जी की भक्ति का पावन माह सावन 30 जुलाई से शुरू हो रहा है, जिसका समापन 28 अगस्त को सावन पूर्णिमा के साथ होगा।

सावन में कांवड़ यात्रा निकाली जाती हैं। सनातन धर्म में कांवड़ यात्रा को महत्वपूर्ण धार्मिक यात्रा माना गया है। ये सिर्फ पैदल जाकर गंगाजल लाने भर की पंरपरा नहीं है, बल्कि ये यात्रा भगवान शिव के प्रति अटूट आस्था, तप, संयम और समर्पण का प्रतीक मानी जाती है। हर वर्ष सावन मास में लाखों शिवभक्त पवित्र नदियों, विशेष रूप से गंगा से जल भरकर कांवड़ में लेकर अपने आराध्य भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं पहला कांवड़िया कौन था?

पहला कावंड़िया कौन था?

कांवड़ यात्रा की शुरुआत को लेकर अलग-अलग पौराणिक और लोक कथाएं बताई जाती हैं। विभिन्न ग्रंथों और परंपराओं में और कांवड़ यात्रा को लेकर अलग-अलग प्रसंग मिलते हैं, इसलिए कांवड़ यात्रा की किसी एक कथा को सर्वमान्य ऐतिहासिक तथ्य नहीं माना जा सकता है, बल्कि इन सभी को धार्मिक मान्यताओं के रूप देखा जाता है। सबसे प्रचलित मान्यता के अनुसार, भगवान परशुराम संसार के सबसे कांवड़िया कहे जाते हैं।

बताया जाता है कि त्रेतायुग में भगवान परशुराम ने गढ़मुक्तेश्वर से पवित्र गंगाजल लाकर उत्तर प्रदेश के पुरा महादेव मंदिर में भगवान शिव का अभिषेक किया था। कहते हैं कि यहीं से कांवड़ में जल लाकर शिव को अर्पित करने की परंपरा की शुरुआत हुई। माना जाता है कि आज भी इस स्थान का कांवड़ यात्रा से विशेष संबंध है।

वर्ष 2026 में कांवड़ यात्रा 30 जुलाई से 28 अगस्त तक चलेगी। हालांकि, मुख्य कांवड़ यात्रा 11 अगस्त 2026 तक ही रहेगी। क्योंकि यही वो दिन होगा जब सावन माह की शिवरात्रि का पर्व मनाया जाएगा। परंपरा के अनुसार अधिकतर कांवड़िये इसी दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करके अपनी कांवड़ यात्रा का समापन करते हैं।

रोज अपनी मित्रता को अपनेपन का एक आकार दें

इन दिनों हमारी जीवनशैली में एक रिश्ता और अलग रूप ले रहा है- वह है मित्रता का। आज दोस्त भी सोशल मीडिया के कारण इफेक्टेड है, लेकिन इमोशनली कनेक्टेड नहीं है। मित्रता टाइम-पास टूल बन गई। राम ने सुग्रीव से कहा था, मैं तुम्हें मित्रों के छह लक्षण बताता हूं। उसमें एक पंक्ति बोली थी- जे न मित्र दुःख होहिं दुखारी।

जो लोग मित्र के दुःख से दुःखी नहीं होते, वो किस बात के मित्र हैं? दोस्ती पर उस तरह से काम करें जैसे हम वर्जिश करते हैं तो एक दिन में परिणाम नहीं आता। प्रतिदिन मूल्यांकन करते हैं। ऐसे ही दोस्ती को लेकर प्रैक्टिस बढ़ाएं। रोज मित्रता को एक आकार दें- अपनेपन का, करुणा का, साथ निभाने का, मित्र को सही मार्ग दिखाने का, कठिन समय में अकेला न छोड़ने का।

और यदि बाहर की दुनिया में मित्र न मिलें तो दोस्ती के सारे प्रयोग घर में कर लें। आपका जीवनसाथी सबसे अच्छा मित्र हो सकता है। माता-पिता मित्र हो सकते हैं, भाई-बहन हो सकते हैं। लेकिन दोस्ती एक भाव है, एक स्वाद है- इसको चखिएगा जरूर।

क्या आप भी धोते हैं रात में कपड़े? कभी नहीं टिकेगा घर में पैसा!

वास्तु शास्त्र के अनुसार, रात में कपड़े धोना और सुखाना अशुभ माना जाता है। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास होता है और सकारात्मक ऊर्जा कम होती है, जिससे जीवन में धन आगमन बाधित हो सकता है। रात की ऊर्जा चंद्रमा से जुड़ी है जो शांति प्रदान करती है, जबकि कपड़े धोना सक्रिय कार्य है। सुबह का समय और सूर्य की रोशनी में कपड़े सुखाना वास्तु सम्मत व शुभ होता है।

वास्तु शास्त्र की इंसान के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। ये मानता है कि व्यक्ति के हर काम का संबंध ब्रह्मांडीय उर्जा से होता है। रात की उर्जा चंद्रमा की मानी जाती है। ये उर्जा शांति और शीतलता के लिए जानी जाती है। आज के समय में बहुत लोगों की रात के समय में कपड़े धुलने की आदत होती है, लेकिन वास्तु के जानकार कहते हैं कि रात के समय में कपड़े धोने से घर की सकारात्मक उर्जा कम होने लगती है। आर्थिक परेशानियां बढ़ती हैं।

कपड़े धोना सक्रीयता का काम माना जाता है। रात में कपड़े धोने से उर्जाओं का संतुलन बिगड़ने लगता है, जिसके नकारात्मक परिणाम जीवन में मिलना शुरू हो जाते हैं। रात में कपड़े धोने के साथ-साथ सुखाने से भी मना किया जाता है। रात के समय बाहर या बालकनी में कपड़े सुखाने से उन पर रात की नकारात्मक ऊर्जा वास करने लगती है। अगर कपड़ों को दक्षिण-पश्चिम दिशा में सुखने के लिए डाला जाता है, तो घर में वास्तु दोष उत्पन्न हो सकता है, क्योंकि ये दिशा कपड़े सुखाने के लिए शुभ नहीं मानी जाती है।

वास्तु और ज्योतिष के अनुसार...

कपड़े धोने के लिए वॉशिंग मशीन का उपयोग किया जाता है। वॉशिंग मशीन जल तत्व से जुड़ी चीज मानी जाती है। रात के समय घर में वॉशिंग मशीन चलाने से घर की उर्जा बाधित होती है। रात में वॉशिग मशीन चलाने से मना किया जाता है, क्योंकि रात का समय शांति का होता है। वास्तु और ज्योतिष के अनुसार, कपड़े व्यक्ति के आभामंडल का विस्तार करते हैं। गीले कपड़े रात की नमी को सोख लेते हैं। फिर ऐसी उर्जा वाले कपड़ों को पहनने से व्यक्ति की मानसिक शांति भंग होती है।

कपड़े धोने के लिए सुबह का समय होता है शुभ

सूर्यास्त के बाद या रात के समय घर में साफ-सफाई या कपड़े धोने जैसे काम करने से घर में सकारात्मक उर्जा का प्रवाह कम होने लगता है। साथ ही धन के आगमन का रास्ता भी बाधित होता है। रात में अगर कपड़े धोने की बहुत मजबूरी हो, तो मशीन का उपयोग करने के बजाय हाथों से धोएं और उन्हें घर के किसी ऐसे कमरे में सुखाएं जहां रोशनी हो। वैसे कपड़ों को धोने के लिए सबसे शुभ समय सुबह का होता है। सूर्य की रोशनी में सुखाए गए कपड़ों से घर में सकारात्मकता आती है।

घर के मुख्य द्वार पर मनी प्लांट लगाना सही या नहीं

मनी प्लांट को वास्तु में धन और सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत माना गया है। यह घर की शोभा बढ़ाने के साथ-साथ सुख-समृद्धि भी लाता है। मुख्य द्वार पर इसे लगाना अत्यंत शुभ है। वास्तु अनुसार, दक्षिण-पूर्व दिशा इसके लिए श्रेष्ठ है, जो धन आगमन व परिवार की तरक्की सुनिश्चित करती है। सही नियमों का पालन कर मनी प्लांट के अद्भुत लाभ पाएं।

मनी प्लांट को शुभ और महत्वपूर्ण पौधा माना गया है। वास्तु शास्त्र में इस पौधे को धन आकर्षित करने वाला पौधा माना जाता है। ये पौधा घर की शोभा भी बढ़ता है। इस पौधे को लगाने से घर में सराकात्मक उर्जा निरंतर बनी रहती है, लेकिन अक्सर लोग इस बात को लेकर भ्रम में रहते हैं कि क्या मनी प्लांट को घर के मुख्य द्वार पर लगाना सही है या नहीं? वास्तु शास्त्र में मनी प्लांट को लगाने के कुछ स्पष्ट नियम बताए गए हैं।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, मनी प्लांट को घर के मुख्य द्वार पर लगाना बहुत ही शुभ है। मुख्य द्वार को उर्जा का प्रवेश द्वार माना जाता है। मान्यता है कि घर के मुख्य द्वार पर मनी प्लांट रखने से धन और सौभाग्य आता है। मनी प्लांट लगाने से घर में बाहर से आने वाली नकारात्मक उर्जा रुकती है। परिवार के सदस्यों के लिए तरक्की भी मिलती है।

इस दिशा में लगाएं मनी प्लांट

मनी प्लांट के लाभ पाने के लिए पौधे को सही दिशा में लगाना बहुत जरूरी है। वास्तु के अनुसार, मनी प्लांट घर की दक्षिण दिशा (आग्नेय कोण) में लगाना बहुत शुभ माना जाता है। इस दिशा के स्वामी भगवान गणेश और प्रतिनिधि ग्रह शुक्र हैं। यहां मनी प्लांट से लगाने से घर में निरंतर सुख बढ़ता है। परिवार के सदस्यों की उन्नति होती है।

मनी प्लांट को कभी भी उत्तर-पूर्व दिशा (ईशान कोण) में नहीं लगाएं। वास्तु के अनुसार मनी प्लांट इस दिशा में लगाना अनुकूल नहीं है और इसके अशुभ परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

मनी प्लांट से जुड़ी ये बातें रखें ध्यान

मनी प्लांट की बेल हमेशा ऊपर की ओर चढ़े। अगर आपके मनी प्लांट की बेल लटक रही है, तो उसको ऊपर की ओर कर दें। पौधे की सूखी हुई पत्तियां तुरंत हटा दें। सूखी पीली पड़ी पत्तियां नकारात्मकता का संकेत मानी जाती हैं। अगर आपने मनी प्लांट बोतल में रखा हुआ है या रखने वाले हैं, तो उसका पानी हर सप्ताह बदलते रहें। मनी प्लांट को किसी बाहरी व्यक्ति की नजर से बचाएं। इसको घर के भीतर या बालकनी में ऐसी जगह पर रखें, जहां इस पर किसी की सीधी नजर न पड़े।

'जन नायकन' में क्या बदलाव करना चाहता था सेंसर बोर्ड? निर्माता के. वेंकट नारायण ने किया खुलासा

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय और अभिनेता अपनी आखिरी फिल्म 'जन नायकन' को लेकर चर्चा में हैं। काफी विवाद के बाद आखिरकार यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म के निर्माता के. वेंकटा नारायण ने उन बदलावों पर बात की है, जो केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने उनसे सर्टिफिकेट देने से पहले करने को कहा था।

फिल्म में था आपत्तिजनक डायलॉग

एच विनोथ के निर्देशन में बनी इस फिल्म में किए गए अहम बदलावों में से एक डायलॉग था, जिसमें डॉ. बी.आर. अंबेडकर के संविधान और विजय की पार्टी 'तमिलगा वेट्री कझगम' (टीवीके) के संविधान के बीच संबंध दिखाया गया था। निर्माता के मुताबिक, ओरिजिनल डायलॉग यह था 'अगर अंबेडकर के संविधान का पालन नहीं किया गया, तो टीवीके का संविधान लागू होगा।'

ज्यादा आसान था उसे समझना

नारायण ने आगे बताया कि इस डायलॉग का मतलब उससे कहीं ज्यादा आसान था जितना समझा गया। उन्होंने एनडीटीवी से बातचीत में कहा 'अगर आप संविधान का पालन नहीं करते हैं, तो उसका नतीजा क्या होगा? इसे ज्यादा आसानी से समझ में आने वाले तरीके से पेश किया गया है। यह आम बोलचाल की भाषा है। घर पर भी आप बच्चे से कहते हैं कि अगर बनाए गए नियम का पालन नहीं करोगे, तो तुम्हें नतीजे भुगतने होंगे।'

सीबीएफसी ने इसलिए दिए सुधार के निर्देश

उन्होंने आगे कहा 'चूंकि इसमें कुछ राजनीतिक भाषा का जिक्र था, इसलिए हमसे उसमें सुधार करने के लिए कहा गया। हम देश के कानून का सम्मान करते हैं। जहां भी उन्होंने हमसे सुधार करने के लिए कहा, हमने वे बदलाव किए।'

सीबीएफसी ने दिए ये निर्देश

कुल मिलाकर सीबीएफसी ने लगभग 20 सेकंड के हिस्से को हटाने और लगभग 10 सेकंड के फुटेज को बदलने का आदेश दिया।

अंबेडकर-टीवीके डायलॉग के अलावा, सेंसर बोर्ड ने मेकर्स को एक किताब के कवर को बदलने का भी निर्देश दिया, जिस पर डॉ. अंबेडकर की तस्वीर थी। कई धार्मिक संदर्भों को या तो म्यूट कर दिया गया या हटा दिया गया। साउंडट्रैक से 'भागवथन', 'रंगनाथर' और 'ओम' शब्दों को म्यूट कर दिया गया, जबकि फिल्म में 'ऑपरेशन मेलुहा' नाम की चीज को समझाने वाले डायलॉग से खास तौर पर 'ओम' शब्द को हटा दिया गया।

फिल्म को कौन सा सर्टिफिकेट मिला?

सेंसरशिप पर प्रतिक्रिया देते हुए नारायण ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री सेंसर बोर्ड के सर्टिफिकेशन पर चलती है, इसलिए उनके पास इसे मानने के अलावा कोई चारा नहीं था। फिल्म बनाने वालों ने दिसंबर 2025 में 'जन नायकन' को जमा किया था और पांच सदस्यों वाली जांच समिति ने शुरू में कुछ कट-छांट के साथ U/A 16+ सर्टिफिकेट देने की सिफारिश की थी।

रिविजनिंग कमेंटी के पास भेजी गई फिल्म

बदलाव करने के बाद फिल्म को फिर से जमा किया गया, लेकिन सीबीएफसी के चेयरमैन ने इसे रिविजनिंग कमेटी के पास भेज दिया, जिससे पूरी प्रक्रिया रुक गई।

इसके बाद मद्रास हाई कोर्ट में कानूनी लड़ाई हुई, जिसके बाद फिल्म बनाने वालों ने अपनी याचिका वापस ले ली और फिल्म को फिर से जमा किया, आखिरकार इसे 'A' सर्टिफिकेट के साथ मंजूरी मिल गई। अब यह 23 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

रकुल प्रीत सिंह ने की तेलुगु और बॉलीवुड जगत की तुलना
कहा– 'हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में लोग सपोर्ट नहीं करते'

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह कई तेलुगु और हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने दोनों इंडस्ट्रीज में काम करने के माहौल के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उन्हें लगता है कि टॉलीवुड में लोग एक बड़े परिवार की तरह काम करते हैं, जबकि बॉलीवुड में माहौल अलग होता है।

तेलुगु और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में क्या फर्क?

रकुल प्रीत सिंह ने हाल ही में बताया कि तेलुगु इंडस्ट्री ने हमेशा उनका गर्मजोशी से स्वागत किया है और सपोर्ट किया है। रकुल के मुताबिक, वहां के एक्टर्स, डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स हमेशा एक-दूसरे का हौसला बढ़ाने के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा कि वे खुशी-खुशी एक-दूसरे के ट्रेलर को प्रमोट करते हैं। फिल्म इवेंट्स में शामिल होते हैं और साथ मिलकर सफलता का जश्न मनाते हैं। उन्हें लगता है कि इस तरह का सपोर्ट सभी के लिए एक खुशहाल और अच्छा माहौल बनाता है।

बोलीं- 'हिंदी इंडस्ट्री में लोग सपोर्ट नहीं करते'

रकुल प्रीत सिंह ने बताया कि उन्होंने क्या सीखा? उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हम सच में पीछे हैं। मेरी ट्रेनिंग तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में हुई है और वह इंडस्ट्री बहुत एकजुट है। मैंने कई बार कहा है कि जब मैं बॉम्बे आई, तो मुझे अचानक एहसास हुआ कि हर कोई इतना कॉम्पिटिटिव क्यों है? वहां भी कॉम्पिटिशन है, लेकिन लोग एक-दूसरे की फिल्मों को सपोर्ट करते हैं। दूसरी ओर, उन्होंने कहा कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में उन्हें अक्सर लोगों में असुरक्षा की भावना महसूस होती है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से कई लोग खुलकर दूसरों की फिल्मों को सपोर्ट नहीं करते हैं।

'बॉलीवुड में असुरक्षा की भावना'

रकुल प्रीत सिंह ने आगे कहा, 'हम एक-दूसरे की फिल्म की स्क्रीनिंग या प्रीमियर में जाते थे। उसके बारे में बात करते थे या सक्सेस पार्टी में जश्न मनाते थे। ऐसा नहीं था कि कौन जा रहा है, इसलिए मैं भी जाऊंगी। हर कोई बस एक-दूसरे की मदद के लिए तैयार रहता था। मुझे लगता है कि अगर हम मुंबई की फिल्म इंडस्ट्री में भी वैसी ही भावना ले आएं, तो हम सच में बहुत मजबूत बन सकते हैं। मुझे लगता है कि असुरक्षा की भावना ऐसा नहीं करने देतीं और यह खुद पर काम करने वाली बात है।

रकुल प्रीत सिंह का मानना है कि अगर लोग एक-दूसरे का साथ दें और सपोर्ट करें, तो इंडस्ट्री और भी मजबूत हो सकती है। वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें रकुल को आखिरी बार 'पति पत्नी और वो 2' में देखा गया था। इसमें आयुष्मान खुराना, वामिका गब्बी और सारा अली खान भी अहम रोल में नजर आए।

निक संग 10 साल एज गैप पर प्रियंका चोपड़ा बोलीं-सही पार्टनर मिले तो उम्र मायने नहीं रखती

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा और उनके पति निक जोनस एक दूसरे के साथ काफी अच्छा बॉन्ड शेयर करते हैं, जिस वजह से वे फैंस के बीच काफी चर्चा का हिस्सा बने रहते हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने जोनस ब्रदर्स के लेटेस्ट पॉडकास्ट पर अपने पति निक जोनस के साथ अपने 10 साल के एज गैप पर खुलकर बात की। पॉडकास्ट के दौरान अभिनेत्री ने बताया कि उनके और निक जोनस के रिश्ते में एज गैप कभी कोई मुद्दा नहीं बना।

दरअसल, पॉडकास्ट के दौरान, एक कॉलर ने अभिनेत्री से कहा, अभी मेरा एक बॉयफ्रेंड है, जो मुझसे एक साल छोटा है। मेरे लिए यह अनुभव थोड़ा नया है क्योंकि मुझे हमेशा खुद से बड़ी उम्र के लड़के ही पसंद आते रहे हैं।

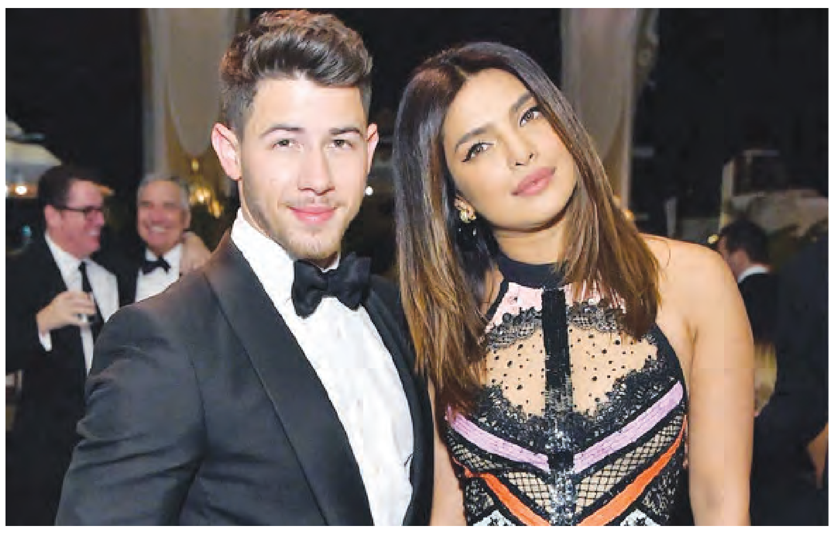

क्या आपके पास कोई ऐसी टिप्स (सलाह) हैं, जिससे मैं अपने से छोटी उम्र के पार्टनर के साथ इस रिश्ते में ज्यादा कॉन्फिडेंट महसूस कर सकूं?

प्रियंका ने इस सवाल पर रिएक्ट करते हुए अपना एक्सपीरिएंस शेयर किया, जब आपको एक ऐसा इंसान मिलता है, जो आपकी उम्मीदों पर खरा उतरता है, तो फिर उम्र कोई मायने नहीं रखती है, लेकिन मैं आपको सवाल भी अच्छे से समझती हूं। मैं जानती हूं कि जब आप किसी के साथ पूरी जिंदगी बिताने का फैसला करते हैं, तो मन में यह बात आती ही है कि क्या वह जीवन के बड़े फैसलों में आपका एक बराबर का पार्टनर बन पाएगा?

बता दें कि प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस की उम्र में 10 साल का गैप है। दोनों की लव स्टोरी 2016 में ट्विटर पर एक डायरेक्ट मैसेज से शुरू हुई थी। निक के भाई केविन जोनस ने उन्हें प्रियंका का टीवी शो 'क्वांटिको' देखने की सलाह दी थी। इसके बाद निक ने प्रियंका को मैसेज किया और लगभग डेढ़ साल बाद दोनों ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया और दिसंबर 2018 में, दोनों ने राजस्थान के जोधपुर के उम्मेद भवन पैलेस में हिंदू और क्रिश्चियन रीति-रिवाजों से शाही शादी की। जनवरी 2022 में, कपल ने सरोगेसी के जरिए बेटी मालती मैरी का स्वागत किया था।

सपना चौधरी ने सोशल मीडिया पर शेयर किया खास संदेश, लिखा-'अच्छा स्वभाव जीत लेता है दिल'

हरियाणा की मशहूर डांसर और अभिनेत्री सपना चौधरी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और इसके जरिए अपने फैंस से जुड़ी रहती हैं। शुक्रवार को अभिनेत्री ने अपने एक पोस्ट के जरिए 'अच्छे व्यक्तित्व' के महत्व को समझाया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर की, जिसमें वह सड़क पर बेफिक्र होकर मस्ती भरे अंदाज में घूमती नजर आ रही हैं। वीडियो शेयर करते हुए अभिनेत्री ने लिखा, सुंदरता तो सिर्फ लोगों का ध्यान खींचती है, लेकिन इंसान का अच्छा चरित्र (स्वभाव) हमेशा के लिए दिल जीत लेता है। अभिनेत्री सपना चौधरी की पोस्ट को काफी पसंद किया जा रहा है। फैंस उनके पोस्ट को पसंद करने के साथ-साथ कमेंट भी कर रहे हैं। सपना चौधरी के स्टेज शो में जुटने वाली भीड़ उनकी लोकप्रियता का सबसे बड़ा प्रमाण है। हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान और पंजाब में उनके शो में लाखों की भीड़ उमड़ती है।

तमाम शोहरत पाने के बावजूद अभिनेत्री इस समय पारिवारिक मतभेद में उलझी हुई हैं। जनवरी 2020 में हरियाणवी गायक और संगीतकार वीर साहू से गुपचुप तरीके से कोर्ट मैरिज कर ली थी, जिससे उनके दो बच्चे हैं। हालांकि, हाल ही में उनकी शादीशुदा जिंदगी में विवाद सामने आए, जिसके बाद उन्होंने अपने पति के खिलाफ घरेलू हिंसा का मामला भी दर्ज कराया है।

बता दें कि हरियाणवी गायिका और डांसर सपना चौधरी ने अपने पति वीर साहू (यशबीर साहू) के खिलाफ दिल्ली के द्वारका महिला कोर्ट में घरेलू हिंसा का मामला दर्ज कराया है। कोर्ट ने उन्हें अंतरिम राहत प्रदान करते हुए वीर साहू को अगली सुनवाई तक सपना से किसी भी माध्यम से संपर्क करने या उनके कार्यस्थल/घर जाने पर रोक लगा दी है।

सपना चौधरी ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि वीर साहू ने उनके साथ कई बार मारपीट की। इसके कारण उन्हें अपने दोनों नाबालिग बच्चों को साथ लेकर अपनी ससुराल छोड़नी पड़ी और फिलहाल वह दिल्ली के नजफगढ़ स्थित अपने मायके में रह रही हैं।

शहनाज गिल अपनी आने वाली पंजाबी फिल्म 'इश्कनामा' को लेकर चर्चा में

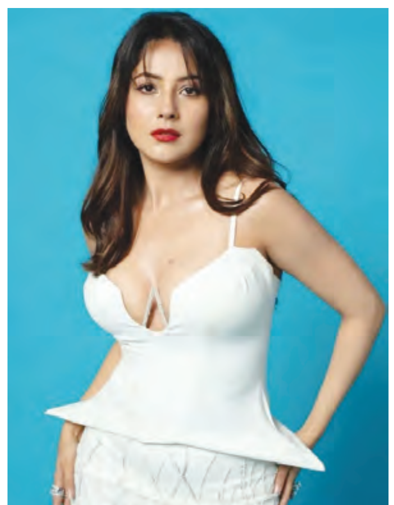

अपनी मासूमियत और बेबाक अंदाज के लिए मशहूर अभिनेत्री शहनाज गिल इन दिनों अपनी आने वाली पंजाबी फिल्म 'इश्कनामा' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म की रिलीज से पहले शहनाज ने प्यार और रिश्तों को लेकर अपनी सोच साझा की। इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि जब दो लोगों के बीच दूरी आती है, तो कई बार प्यार की अहमियत बढ़ जाती है और सामने वाले की मौजूदगी ज्यादा महसूस होने लगती है, लेकिन दूरी के साथ ही रिश्तों में कुछ सवाल और शक भी पैदा हो सकते हैं।

जब शहनाज से पूछा कि क्या दूरी प्यार को मजबूत बनाती है या धीरे-धीरे रिश्ते को कमजोर कर देती है, तो इस पर उन्होंने कहा, ''जब दूरी होती है, तो प्यार की वैल्यू बढ़ जाती है। दूरी दिलों को और करीब ला देती है। इंसान को सामने वाले की अहमियत ज्यादा महसूस होने लगती है, लेकिन हां आपको यह नहीं पता होता कि दूसरा इंसान आपके पीछे क्या कर रहा है। इसलिए शक भी बढ़ सकता है।'' शहनाज ने आगे कहा, ''रिश्तों में प्यार और भरोसा सबसे ज्यादा जरूरी होता है। दूरी कई बार रिश्ते की गहराई को समझने का मौका देती है, लेकिन साथ ही यह भरोसे की परीक्षा भी बन सकती है।''

फिल्म 'इश्कनामा' एक सच्ची कहानी पर आधारित है, जो असल जिंदगी के प्रेमी जोड़े निम्मा और नसीमा की कहानी को दिखाती है। फिल्म की कहानी साल 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा के आसपास की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह एक पीरियड रोमांटिक ड्रामा फिल्म है।

इंटरव्यू में आईएएनएस ने शहनाज से पूछा कि आज के दौर में जहां लोग डेटिंग ऐप्स और सोशल मीडिया के जरिए अपने लिए पार्टनर तलाश रहे हैं, ऐसे समय में क्या निम्मा और नसीमा जैसा प्यार संभव है? इस सवाल पर शहनाज ने कहा कि प्यार का तरीका समय के साथ बदल सकता है, लेकिन उसकी भावना हमेशा वही रहती है।

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि चाहे प्यार का कोई भी तरह हो, लेकिन अगर उसमें सच्चा प्रेम है, तो वह जिंदगी भर साथ रहता है। प्यार आज का हो या पुराने समय का, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। प्यार को किसी एक दौर या तरीके से नहीं बांधा जा सकता।''

बता दें कि 'इश्कनामा' का निर्देशन अरविंदर एस. खैरा ने किया है, जबकि फिल्म का निर्माण सौरभ राणा और रवनीत कौर चहल ने किया है। यह फिल्म किताब 'हिंद पाक बॉर्डरनामा' से प्रेरित कहानी पर आधारित है। फिल्म में जय रंधावा, शहनाज गिल और सौरभ सचदेवा के साथ कई अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार बी प्राक ने तैयार किया है, जबकि इसके गीतों के बोल जानी ने लिखे हैं। 'इश्कनामा' भारत के साथ-साथ कनाडा और ब्रिटेन में 24 जुलाई को रिलीज होगी।

'गजरा' में सच्ची घटना पर आधारित किरदार निभाएंगी अदा शर्मा बोलीं-'असल जिंदगी कई बार फिल्मों से भी ज्यादा नाटकीय होती है'

हिंदी, तेलुगु और अन्य भाषाओं की फिल्मों में दमदार पहचान बनाने वाली अभिनेत्री अदा शर्मा इन दिनों अपनी नई मराठी फिल्म 'गजरा' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म के जरिए वह पहली बार मराठी सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। उनकी यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। इस पर अदा का कहना है कि जब किसी वास्तविक घटना को बड़े पर्दे पर उतारा जाता है, तो कलाकार और फिल्म निर्माता दोनों की जिम्मेदारी कई गुना बढ़ जाती है। ऐसी कहानियों का उद्देश्य उन लोगों के दर्द और संघर्ष को लोगों तक पहुंचाना होता है।

अदा शर्मा ने सच्ची घटनाओं पर आधारित फिल्मों को लेकर अपनी राय खुलकर साझा की। उन्होंने कहा कि जब किसी व्यक्ति के वास्तविक अनुभव या दर्द को पर्दे पर दिखाया जाता है, तो उस कहानी के साथ संवेदनशीलता बरतना बेहद जरूरी होता है। दर्शकों पर असर डालने के लिए किसी की पीड़ा को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाना सही तरीका नहीं है। अदा ने कहा, ''जब आप वास्तविक घटनाओं से जुड़ी कोई कहानी बताते हैं, तो उसके साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी आती है। हमारा मकसद लोगों को चौंकाना नहीं होता, बल्कि उन्हें यह समझाना होता है कि कहानी के किरदार किन परिस्थितियों और भावनाओं से गुजर रहे हैं। अगर दर्शक किसी किरदार के दर्द और भावनाओं को महसूस कर पाते हैं, तभी ऐसी कहानी अपने उद्देश्य में सफल मानी जा सकती है।''

अभिनेत्री ने आगे कहा, एक अभिनेता के तौर पर हम किसी और की जिंदगी में कुछ समय के लिए मेहमान बनते हैं। इसलिए हमारी कोशिश रहती है कि उस व्यक्ति की भावनाओं और अनुभवों को जितना हो सके, उतनी ईमानदारी और सच्चाई के साथ पर्दे पर पेश करें।

अदा शर्मा ने कहा, कई बार वास्तविक जिंदगी में होने वाली घटनाएं फिल्मों से भी ज्यादा नाटकीय होती हैं। लोग अक्सर सोचते हैं कि फिल्मों में कहानी को प्रभावशाली बनाने के लिए बहुत कुछ जोड़ा जाता है, लेकिन सच्ची घटनियों पर आधारित फिल्मों में कई बार ठीक इसका उल्टा करना पड़ता है।

बता दें कि 'गजरा' फिल्म का निर्देशन श्रेयस जाधव कर रहे हैं। फिल्म की कहानी और विषय को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। निर्माताओं के अनुसार, 'गजरा' साल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'सनकी लड़की का रोल करना चाहती हूं' : कृति सेनन
हॉलीवुड फिल्म 'ऑब्सेशन' ने बदली सोच

कृति सेनन का कहना है कि अब वे लीक से हटकर किरदारों के जरिए खुद को चुनौती देने के लिए उत्साहित हैं। अभिनेत्री ने माना कि वे जाने-पहचाने किरदारों से आगे बढ़ना चाहती हैं और उन्हें खास तौर पर साइकोलॉजिकली इंटेंस किरदार पसंद हैं। उन्होंने कहा कि वे पर्दे पर 'साइको चिक' का रोल निभाना पसंद करेंगी।

'ऑब्सेशन' ने सोचने पर मजबूर किया

कृति सेनन ने हाल ही में 'ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे' के साथ बातचीत में उस तरह के किरदारों के बारे में बात की, जिन्हें वे भविष्य में आजमाना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि साइकोलॉजिकल ड्रामा 'ऑब्सेशन' देखने के बाद उन्हें स्क्रिप्ट चुनने के अपने तरीके पर फिर से सोचने की प्रेरणा मिली। फिल्म के असर के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा, 'जब मैंने 'ऑब्सेशन' देखी, तो मुझे लगा, 'अरे बाप रे, हमें सेफ खेलने की आदत छोड़नी होगी। हमें कुछ हटकर करना होगा'। इसने मुझे सच में बहुत उत्साहित किया।

बोलीं- 'सनकी लड़की का किरदार निभाना चाहती हूं'

कृति सेनन एक 'साइको' लड़की का किरदार निभाना चाहती हैं। एक्ट्रेस ने जेंडाया जैसे स्टार्स को भी इसका क्रेडिट दिया, जिन्होंने अपनी शानदार परफॉर्मेंस मुश्किल किरदारों को निभा पाने की हिम्मत से प्रेरित किया है। कृति ने रियल पर्सनैलिटी से बिल्कुल हटकर किरदार निभाने की ख्वाहिश जताई। उन्होंने कहा, 'मैं एक सनकी किरदार निभाना चाहती हूं'।

बोलीं- 'सेफ नहीं चलना'

कृति सेनन ने कहा, 'मैं किरदारों को लेकर सेफ साइड में नहीं चलना चाहती। एक अभिनेत्री के रूप में, ऐसा जीवन जीना बहुत रोमांचक है, जो आपके जीवन से बिल्कुल अलग है और उस व्यक्ति का पता लगाना जो आप नहीं हैं। मैं पूरी तरह से किसी मानसिक रोगी का किरदार निभाना पसंद करूंगी'। कृति के वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में उन्हें 'कॉकटेल 2' में देखा गया।

कितनी होती है एमबीबीएस डॉक्टर की सैलरी? प्राइवेट या सरकारी... दोनों में से किसमें ज्यादा कमाई

मेडिकल स्टूडेंट्स या डॉक्टर बनने का सपना देख रहे युवा अक्सर एमबीबीएस डॉक्टर की सैलरी जानने चाहते हैं। उनके मन में मंथली सैलरी को लेकर भी तरह-तरह के प्रश्न आना लाजमी है। यहां सरकारी और प्राइवेट डॉक्टर्स की सैलरी के बारे में जान सकते हैं।

डॉक्टर, भारत ही नहीं दुनियाभर में सबसे अधिक डिमांड वाले पेशे में से एक है। मेडिकल प्रैक्टिशनर न केवल आर्थिक रूप से मजबूत होते हैं बल्कि समाज में दिए अपने अमूल्य योगदान की वजह से इन्हें भगवान तक का दर्जा दिया जाता है। अक्सर मेडिकल फील्ड में नीट डॉक्टर के रूप में करियर बनाने वाले युवाओं में एमबीबीएस डॉक्टर की सैलरी जानने को लेकर जिज्ञासा बनी रहती है। मेडिकल प्रोफेशनल का अधिकतम वेतन कितना होता है? वो डॉक्टर्स जो किसी खास क्षेत्र में स्पेशलाइज्ड होते हैं, उनकी शुरुआती सैलरी कितनी होती है? सरकारी या प्राइवेट डॉक्टर्स किनकी कमाई ज्यादा होती है? मेडिकल की पढ़ाई कर रहे स्टूडेंट्स और इस फील्ड में जाने से इच्छुक युवा वेतन की जानकारी ले सकते हैं।

एंट्री लेवल एमबीबीएस डॉक्टर की सैलरी

नीट के बाद मेडिकल की पढ़ाई पूरी करके जब अभ्यर्थी एंट्री लेवल एमबीबीएस डॉक्टर बनते हैं, तो उनकी सरकारी हॉस्पिटल में प्रति माह वेतन 50,000 से 80,000 तक होता है। हालांकि AIIMS हॉस्पिटल यह वेतन अधिकतम 1 लाख तक भी हो सकता है। वहीं प्राइवेट हॉस्टिपल में एंट्री लेवल डॉक्टर की सैलरी 40,000 से 70,000 तक हो सकती है। इसमें जगह के मुताबिक बदलाव भी हो सकते है।

मिड लेवल एमबीबीएस डॉक्टर का वेतन

डॉक्टर के पेशे में जब 5 से 10 साल का अनुभव हो जाता है तो डॉक्टर मिड लेवल बन जाते हैं। इन डॉक्टर्स की सैलरी 80,000 रुपये से 1,50,000 रुपये तक हो सकती है। वहीं प्राइवेट अस्पतालों में मिड लेवल एमबीबीएस डॉक्टर की मंथली सैलरी 1 लाख से 2 लाख या इससे ऊपर भी जा सकती है।

सीनियर एमबीबीएस डॉक्टर की मंथली सैलरी

10 साल से ज्यादा एक्सपीरियंस होने के बाद डॉक्टर सीनियर एमबीबीएस डॉक्टर के रूप में सेवा देने लगते हैं। पद के साथ इनकी सैलरी भी उसी अनुरूप बढ़ती है। गवर्नमेंट हॉस्पिटल में सीनियर एमबीबीएस डॉक्टर की सैलरी 1.50 लाख से 2.5 लाख रुपये महीना तक होती है। वहीं प्राइवेट अस्पतालों में यह 2 लाख से 4 लाख तक हो सकती है।

सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर्स कितना कमाते हैं

ऐसे डॉक्टर्स जिन्हें काम का ज्यादा अनुभव हो जाता है, उन्हें सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर्स कहते हैं। प्राइवेट सेक्टर में इनका महीने का वेतन 5 लाख से 10 लाख या इससे ज्यादा तक भी हो सकता है। कुछ डॉक्टर्स अपना खुद का क्लीनिक भी खोल लेते हैं। हॉस्पिटल के अलावा आय का यह स्त्रोत अलग से बन जाता है।

एडमिनिस्ट्रेटिव में डॉक्टर की सैलरी

ऐसे डॉक्टर्स जो अस्पताल या मेडिकल संस्थान में टॉप मैनेजमेंट पद पर सेवा देते हैं, उनकी मंथली सैलरी उनके काम और पद के मुताबिक तय होती है। यह महीने की 10 लाख रुपये या इससे ज्यादा भी हो सकती है।

डॉक्टर्स की यहां बताई गई प्रति माह सैलरी में खास स्किल, काम की लोकेशन, पे स्केल आदि अन्य कारणों की वजह से बदलाव भी देखने को मिल सकते हैं।

यहां केवल प्राइवेट और सरकारी अस्पताल में नौकरी कर रहे एमबीबीएस डॉक्टर का वेतन बताया गया है। अगर कोई डॉक्टर प्राइवेट खुद का क्लीनिक चलाता है, या किसी प्राइवेट क्लीनिक में काम करता है, तो उनकी सैलरी का अनुमान लगाना थोड़ा मुश्किल है।

कनाडा में भारतीय वर्कर्स पैरेंट्स और दादा-दादी को नहीं दिला पाएंगे परमानेंट रेजिडेंसी, सरकार ने लगाई रोक

कनाडा में काम करने वाले भारतीय वर्कर्स के पास अपने माता-पिता और दादा-दादी को भी परमानेंट रेजिडेंसी दिलाने का ऑप्शन होता है। इसके जरिए वे भारत से अपने परिवार को कनाडा ले जाते हैं, ताकि उन्हें अकेले ना रहना पड़े। फिलहाल सरकार ने परमानेंट रेजिडेंसी प्रोसेस पर रोक लगा दी है।

कनाडा में काम कर रहे भारतीय वर्कर्स की चाहत होती है कि उनके पैरेंट्स और दादा-दादी को भी उनके साथ रहने का मौका दिया जाए। यहां पढ़ने गए स्टूडेंट्स भी जब जॉब करने लगते हैं, तो वे भी अपने परिवार के साथ रहने की इच्छा रखते हैं। कनाडा सिर्फ पैरेंट्स और दादा-दादी को लाने के लिए वीजा ही नहीं देता है, बल्कि उन्हें परमानेंट रेजिडेंसी भी देता हुआ आया है। हालांकि, कनाडा में अब ये व्यवस्था बदल चुकी है। कनाडा में कंस्ट्रक्शन वर्कर्स के लिए नया परमानेंट रेजिडेंसी प्रोग्राम! ऐसे करें आवेदन और पाएं स्थायी निवास।

कनाडा सरकार ने ऐलान किया है कि परमानेंट रेजिडेंट अपने पैरेंट्स या ग्रैंड पैरेंट्स (दादा-दादी) को परमानेंट रेजिडेंसी के लिए स्पांसर नहीं कर पाएंगे, जब तक कि ये

फैसला नहीं बदला जाता है। इसका सीधा असर उन भारतीय वर्कर्स पर पड़ेगा, जो परमानेंट रेजिडेंसी हासिल कर चुके हैं। कनाडा में लाखों की संख्या में भारतीय कामगार ऐसे हैं, जिनके पास यहां की परमानेंट रेजिडेंसी है। ऐसे में ये फैसला इन सभी के लिए चिंता की बात है।

सरकार ने परमानेंट रेजिडेंसी पर क्या फैसला लिया है?

15 जुलाई 2026 को जारी सरकारी प्रेस रिलीज के अनुसार, कनाडा 'पैरेंट्स एंड ग्रैंडपैरेंट्स प्रोग्राम' के तहत नए आवेदन लेने की प्रक्रिया को कुछ समय के लिए रोक रहा है। इमिग्रेशन डिपार्टमेंट अगले आदेश तक परमानेंट रेजिडेंसी स्पांसर करने के इच्छुक लोगों से नए फॉर्म या संभावित स्पांसर्स से आवेदन स्वीकार नहीं करेगा।

डिपार्टमेंट ने कहा है कि PGP के तहत जो आवेदन उसे मिल चुके हैं, उसकी प्रोसेसिंग की जाएगी, यानी इन आवेदनों को स्वीकार किया जा रहा है। कनाडा ने 2026 में PGP के तहत 15,000 लोगों को परमानेंट रेजिडेंसी देने का ऐलान किया है। अभी इमिग्रेशन डिपार्टमेंट के पास 50,900 आवेदन हैं।

कितने लोगों को परमानेंट रेजिडेंसी देने का टारगेट है?

इमिग्रेशन लेवल की नई योजना के तहत, केंद्र सरकार ने सालाना PGP के तहत निम्नलिखित संख्या में परमानेंट रेजिडेंसी देने का टारगेट रखा है।

साल	PGP का टारगेट
2026	15,000
2027	15,000
2028	15,000

जिन लोगों ने जुलाई 2025 में आवेदन किया था, उनके लिए बाकी प्रोसेसिंग का अनुमानित समय इस प्रकार है। जो लोग क्यूबेक के बाहर बसना चाहते हैं, उनके लिए 18 महीने और जो लोग क्यूबेक में बसना चाहते हैं, उनके लिए 54 महीने। PGP परमानेंट रेजिडेंसी के लिए परिवार को फिर से एक साथ लाने का एक तरीका है। यह आखिरी बार 2020 में योग्य कनाडाई नागरिकों, स्थायी निवासियों और रजिस्टर्ड भारतीयों के लिए खोला गया था। मगर डिमांड उपलब्ध संख्या से ज्यादा है, इसलिए PGP लॉटरी सिस्टम के आधार पर काम करता है।

भारतीयों के लिए क्या दिक्कत वाली बात है?

कनाडा में लाखों भारतीय जॉब कर रहे हैं, जिनमें से कई परमानेंट रेजिडेंट बन चुके हैं। उनके पैरेंट्स और दादा-दादी भारत में हैं, जिनके साथ रहने के लिए PGP एक अच्छा रास्ता है। फिलहाल इस रास्ते पर रोक लगा दी गई है, जिसका मतलब है कि अब उनके पैरेंट्स और दादा-दादी परमानेंट रेजिडेंट नहीं बन पाएंगे। इससे परिवार के साथ रहने का सपना हजारों भारतीयों के लिए टूट चुका है। अच्छी बात ये है कि वे अब उन्हें विजिट वीजा पर कनाडा जरूर बुला सकते हैं।

सपनों की कोई मैथ्स नहीं होती: 12वीं गणित में 51 नंबर, अब पवन चांदना की दुनिया हुई कायल

एक पुरानी कहावत है होनहार बिरवान के होत चिकने पात यानी प्रतिभाशाली व्यक्ति के लक्षण बचपन से ही नजर आने लगते हैं लेकिन निजी अंतरिक्ष कंपनी स्काईरूट के संस्थापक पवन कुमार चांदना के मामले में ऐसा नहीं था। मध्यवर्गीय परिवार में जन्मे चांदना स्कूली दिनों में औसत छात्र थे और गणित में काफी कमजोर थे। अब उसी चांदना ने नागा भरत डाका के साथ मिलकर देश के अंतरिक्ष क्षेत्र में एक नया इतिहास रच दिया।

चांदना ने एक साक्षात्कार में बताया था कि उन्हें गणित में कभी बहुत अच्छे अंक नहीं आए। 12वीं की बोर्ड परीक्षा में उन्हें मात्र 51 नंबर ही मिले थे। उन्होंने कहा था कि बचपन में उन्हें गणित से डर लगता था, लेकिन जब आप ब्रह्मांड और तारों को देखते हैं तो डर खुद-ब-खुद खत्म हो जाता है। आईआईटी-जेईई की तैयारी के दौरान उनकी रुचि गणित में बढ़ी और कड़ी मेहनत के दम पर आईआईटी खड़गपुर में दाखिला लेकर मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। आईआईटी से निकलने के बाद चांदना का चयन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक के रूप में हुआ। यहीं पर उनकी मुलाकात नागा भरत डाका से हुई थी।

इक्विटी क्या है, नहीं जानते थे

साल 2018 में देश में निजी कंपनियों के लिए अंतरिक्ष के दरवाजे पूरी तरह नहीं खुले थे लेकिन पवन और भरत ने बड़ा जोखिम लिया। दोनों ने इसरो की प्रतिष्ठित सरकारी नौकरी को अलविदा कह स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस की शुरुआत की। चांदना ने कहा था कि वह इक्विटी का मतलब भी नहीं समझते थे। शुरुआती दिनों में फंड जुटाना चुनौती से कम नहीं था। भरत ने कंपनी के सीओओ के रूप में कमान संभाली और एवियोनिक्स व सॉफ्टवेयर को बेहद कम लागत में तैयार करने की तकनीक विकसित की। पवन ने सीईओ के तौर पर पूरी टीम का नेतृत्व किया।

ये फायदे होंगे: विक्रम-1 की सफलता भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए गेम चेंजर साबित हो सकती है। इस कामयाबी के ये फायदे हो सकते हैं।

वैश्विक कारोबार: स्काईरूट जैसी घरेलू कंपनियों के आने से विदेशी सैटेलाइट कंपनियों को भारत में किफायती, भरोसेमंद और ऑन-डिमांड लॉन्चिंग विकल्प मिलेंगे।

आर्थिक विकास: देश की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। नए स्टार्टअप को बढ़ावा मिलेगा और बड़े पैमाने पर निवेश और रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे।

भविष्य के रॉकेट, अंतरिक्ष मिशन और होंगे बेहतर

स्काईरूट का स्कोप सैटेलाइट इस मिशन का अपना एक्सपेरिमेंटल पेलोड है। इसका इस्तेमाल अंतरिक्ष में नई तकनीकों की जांच करने व मिलने वाली जानकारी भविष्य के रॉकेट और अंतरिक्ष मिशनों को बेहतर बनाने में मदद करेगी। कॉस्मोसर्व स्पेस के मिशन इमब्रेस में ऐसे रोबोटिक सिस्टम की जांच होगी, जो अंतरिक्ष में घूम रहे बेकार सैटेलाइट व रॉकेट के टुकड़े हटाने में मदद करेगा।

ग्रह स्पेस का सोलारस सैटेलाइट भी मिशन का हिस्सा है। इसका मकसद निचली कक्षा में छोटे सैटेलाइट की क्षमता दिखाना है। ऐसे सैटेलाइट कम खर्च में कई तरह के काम कर सकते हैं। कॉस्मिक ब्लूम नामक लैब में बना हीरा भी भेजा गया है। इसे विज्ञान और कला को साथ लाने का एक प्रयास माना जा रहा है।

आगामी वर्षों में लक्ष्य

कंपनी ने कमर्शियल लॉन्चिंग की शुरुआत के साथ अपने राजस्व में भारी उछाल का लक्ष्य रखा है। वित्त वर्ष 2026-27 में स्काईरूट को 977 करोड़ का राजस्व मिलने की उम्मीद है। कंपनी का अनुमान है कि 2031-32 तक उसका राजस्व बढ़कर 13,205 करोड़ तक पहुंच सकता है।

पहला स्पेस-टेक यूनिकॉर्न

स्काईरूट ने मई 2026 में 568 करोड़ (60 मिलियन डॉलर) की नई फंडिंग जुटाई है। इसके बाद इसकी कुल वैल्यूएशन करीब 10,600 करोड़ (1.1 अरब डॉलर) हो गई है और यह भारत का पहला स्पेस-टेक यूनिकॉर्न बन चुका है।

605 करोड़ से अधिक के ऑर्डर

स्काईरूट के अगले कुछ वर्षों के ऑर्डर और राजस्व का अनुमानवित्तीय दस्तावेज के अनुसार, स्काईरूट को वित्तीय वर्ष 2027-28 तक स्पेस सिस्टम्स बिजनेस में 605 करोड़ से अधिक के ऑर्डर पूरे करने की उम्मीद है। वहीं मार्च 2026 तक के आंकड़ों के मुताबिक, कंपनी के पास ग्राहकों से 252 करोड़ से अधिक का कस्टमर एडवांस (अग्रिम भुगतान) पहले ही आ चुका है।

अंतरिक्ष केंद्र में नौकरी का मौका, अप्रेंटिस के 358 पदों पर भर्ती

विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र ने प्रशिक्षु चयन अभियान 2026-27 के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह भर्ती BE/BTech, होटल मैनेजमेंट, सामान्य स्नातक और इंजीनियरिंग डिप्लोमा कर चुके उम्मीदवारों के लिए निकाली गई है। चयनित उम्मीदवारों को विभिन्न क्षेत्रों में अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा। यह भर्ती अप्रेंटिस अधिनियम, 1961 के तहत की जा रही है। भर्ती से जुड़ी पूरी जानकारी, पात्रता और अन्य जरूरी निर्देश विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी अधिसूचना में उपलब्ध हैं। क्या है आवेदन की पात्रता?

विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र अप्रेंटिस भर्ती 2026 के लिए उम्मीदवारों ने अप्रैल 2022 या उसके बाद अपनी डिग्री या डिप्लोमा प्राप्त किया होना चाहिए। जो छात्र अभी अंतिम वर्ष में हैं, जिनका रिजल्ट आना बाकी है या जो वर्तमान में ME/MTech कर रहे हैं, वे आवेदन नहीं कर सकते। यदि डिग्री या मार्कशीट में CGPA और प्रतिशत दोनों दिए गए हैं, तो पात्रता के लिए इनमें से किसी एक मानदंड को पूरा करना पर्याप्त होगा।

किन उम्मीदवारों को आवेदन की अनुमति नहीं?

जो उम्मीदवार पहले किसी संस्थान में अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण पूरा कर चुके हैं, वर्तमान में अप्रेंटिसशिप कर रहे हैं या जिनके पास अप्रेंटिस के रूप में एक वर्ष या उससे अधिक का अनुभव है, वे इस भर्ती के लिए पात्र नहीं हैं। इसके अलावा, जिन उम्मीदवारों की डिग्री या डिप्लोमा प्राप्त किए हुए पांच वर्ष से अधिक समय हो चुका है, उन्हें भी अप्रेंटिस प्रशिक्षण के लिए नहीं चुना जाएगा। इसरो वीएसएससी अप्रेंटिस भर्ती 2026 में उम्मीदवारों का चयन लिखित परीक्षा के बिना किया जाएगा।

ऐसे करें आवेदन : सबसे पहले NATS पोर्टल पर जाएं और अपना पंजीकरण पूरा करें। पंजीकरण के बाद आवेदन संख्या प्राप्त करें।अपनी योग्यता के अनुसार ग्रेजुएट अप्रेंटिस या टेक्नीशियन अप्रेंटिस श्रेणी का चयन करें। चयन अभियान में भाग लेने के लिए निर्धारित तिथि, समय और स्थान की जानकारी नोट करें। सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे डिग्री/डिप्लोमा प्रमाणपत्र, अंकतालिकाएं, आधार कार्ड, फोटो और NATS पंजीकरण प्रमाण साथ रखें। निर्धारित केंद्र पर दस्तावेज सत्यापन के लिए उपस्थित हों। दस्तावेजों की जांच और मेरिट के आधार पर चयन सूची जारी की जाएगी।

दिल्ली छावनी बोर्ड स्कूलों में बनेंगी स्थायी रोबोटिक्स लैब

दिल्ली छावनी बोर्ड के स्कूलों में जल्द रोबोटिक्स लैब स्थापित की जाएंगी। बोर्ड ने आईआईटी दिल्ली के टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब के सहयोग से आयोजित रोबोटिक्स प्रशिक्षण और प्रतियोगिता के सफल समापन के बाद यह घोषणा की। गर्मी की छुट्टियों में दिल्ली छावनी बोर्ड के विद्यालयों के करीब 400 विद्यार्थियों ने रोबोटिक्स प्रशिक्षण और प्रतियोगिता में भाग लिया।

प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने माइक्रोकंट्रोलर, कोडिंग, मोटर, सेंसर, रोबोटिक्स आदि की बारीकियां सीखीं। बोर्ड का मानना है कि रोबोटिक्स लैब बनने के बाद यह प्रशिक्षण नियमित रूप से विद्यार्थियों को उपलब्ध कराया जा सकेगा। प्रशिक्षण के अंतिम चरण में विद्यार्थियों ने आईआर और अल्ट्रासोनिक सेंसर की मदद से लाइन फॉलोअर रोबोट तैयार किए।

जूनियर और सीनियर दोनों वर्गों की प्रतियोगिताओं में इन रोबोट ने निर्धारित ट्रैक पर प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने अपने मॉडल के जरिए तकनीकी समझ, नवाचार, टीमवर्क और समस्या समाधान क्षमता का परिचय दिया।

आईआईटी से तकनीक सीख रहे बच्चे

कार्यक्रम का आयोजन आईएचएफसी, आईआईटी दिल्ली के सहयोग से किया गया। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को प्रयोग आधारित प्रशिक्षण दिया। बोर्ड का मानना है कि ऐसे सहयोग से स्कूली शिक्षा को नई तकनीकों के साथ जोड़ने में मदद मिलेगी। शनिवार को समापन समारोह में दिल्ली छावनी बोर्ड के अध्यक्ष ब्रिगेडियर पीके मिश्रा ने कहा कि वैज्ञानिक सोच और नवाचार ही विकसित भारत की नींव हैं।

सिर्फ सिलेबस पढ़ना नहीं, माइक्रो-लेवल पर डिकोड करना है मेन्स में सफलता का असली मंत्र

पीएससी सिविल सेवा परीक्षा में सामान्य अध्ययन (जीएस) के चारों पेपर सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जीएस की अच्छी तैयारी मुख्य परीक्षा में उच्च अंक और अंतिम चयन की संभावना को काफी बढ़ाती है। चारों पेपर आपकी अवधारणात्मक समझ, विश्लेषण क्षमता, समसामयिक घटनाओं की जानकारी तथा उत्तर लेखन कौशल का मूल्यांकन करते हैं। चूंकि जीएस के सभी पेपर एक-दूसरे से जुड़े होते हैं, इसलिए उनकी तैयारी समग्र दृष्टिकोण और सही रणनीति के साथ एक साथ करनी चाहिए।

संभावित प्रश्नों का अभ्यास करें

सामान्य अध्ययन (जीएस) का सिलेबस भले ही छोटा दिखाई दे, लेकिन इसकी गहराई काफी अधिक होती है। इसलिए हर टॉपिक को तीन स्तरों पर तैयार करें-पहले उसके मूल कॉन्सेप्ट को समझें, फिर उसका विश्लेषण करें और अंत में उसे करंट अफेअर्स से जोड़ें। हर विषय से पूछे गए पुराने प्रश्नों और संभावित प्रश्नों का अभ्यास करें, ताकि तैयारी परीक्षा के अनुसार हो सके। जीएस में केवल पढ़ना पर्याप्त नहीं है, बल्कि समझ, विश्लेषण और प्रभावी प्रस्तुति का संतुलन हो अच्छे अंक दिलाता है। इस प्रकार की रणनीतिक तैयारी से उत्तरों में गुणवत्ता, स्पष्टता और परिपक्वता आती है।

उत्तर लेखन का अभ्यास करें

मुख्य परीक्षा के लिए शुरुआत से ही उत्तर लेखन का अभ्यास करें। प्रतिदिन दो से तीन उत्तर लिखें और हर उत्तर में परिचय, मुख्य भाग व निष्कर्ष रखें। उत्तर को बहुआयामी, समाधान-उन्मुख और संतुलित बनाएं तथा जहां संभव हो, डायग्राम/फ्लोचार्ट का उपयोग करें। आर्थिक सर्वेक्षण, नीति आयोग और अन्य विश्वसनीय रिपोटों का उचित उल्लेख करें। याद रखें, यूपीएससी में ज्ञान के साथ उसकी प्रभावी प्रस्तुति

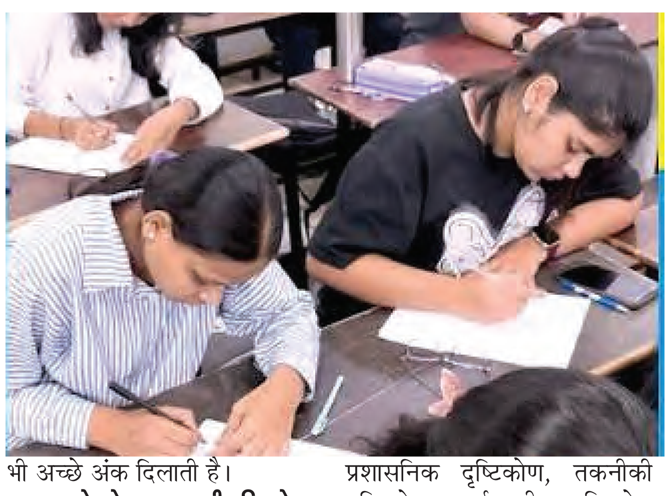

भी अच्छे अंक दिलाती है।

हर मुद्दे को बहु-आयामी दृष्टिकोण

से देखें सामान्य अध्ययन में एक ही मुद्दे को कई कोणों से देखने की क्षमता ही आपको अलग बनाती है। उदाहरण के लिए, किसी भी विषय को आप इस तरह देख सकते हैं- ऐतिहासिक दृष्टिकोण, सामाजिक दृष्टिकोण, आर्थिक दृष्टिकोण, प्रशासनिक दृष्टिकोण, तकनीकी दृष्टिकोण, पर्यावरणीय दृष्टिकोण और नैतिक दृष्टिकोण। जब आप किसी मुद्दे को इतने आयामों से समझते हैं, तो आपका उत्तर स्वाभाविक रूप से समृद्ध हो जाता है।

स्टैंडर्ड बुक पढ़ें और पुस्तकों की संख्या सीमित रखें।

नोट्स में केवल परीक्षा और उत्तर लेखन के उपयोगी बिंदु लिखें।

डिजिटल नोट्स बनाएं, ताकि उन्हें आसानी से खोजा और अपडेट किया जा सके।

एथिक्स के उत्तरों में मानवीय, संतुलित और व्यावहारिक दृष्टिकोण रखें।

छोटे नोट्स बनाएं

नोट्स का उद्देश्य पढ़ाई को आसान बनाना है, न कि नया बोझ बढ़ाना। प्रत्येक विषय के एक से दो पेज के संक्षिप्त और उपयोगी नोट्स बनाएं, जिनमें केवल उत्तर लेखन से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदु हों। एथिक्स (जीएस-4) में अच्छे अंक पाने के लिए मानवीय और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाएं, प्रत्येक विषय के चार से पांच उदाहरण तैयार रखें तथा केस स्टडी का उत्तर समस्या, हितधारक, विकल्प, समाधान और नैतिक सिद्धांत के क्रम में लिखने का अभ्यास करें।

गौतम अडानी के खिलाफ अमेरिका में क्यों बंद हुआ घूसखोरी का केस?

600 पन्नों के कानूनी दस्तावेजों से खुला बड़ा राज

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। दिग्गज कारोबारी गौतम अडानी को अमेरिका में घूसखोरी और धोखाधड़ी के गंभीर आरोपों से कैसे मुक्ति मिली, इसका पूरा सच अब सामने आ गया है। कोर्ट के नए दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि अडानी की डिफेंस टीम ने 10 हफ्तों के भीतर अमेरिकी न्याय विभाग के सामने 600 पन्नों के कानूनी सबूत, एक्सपर्ट्स की रिपोर्ट और प्रेजेंटेशन की ऐसी 'झड़ी' लगा दी कि अमेरिकी सरकार को अपना केस वापस लेने पर मजबूर होना पड़ा। अडानी ग्रुप के मुख्य वकील रॉबर्ट जे. गिफ्रा जूनियर (सुलिवन एंड क्रॉमवेल के सह-अध्यक्ष) की ओर से कोर्ट में दाखिल किए गए दस्तावेजों से इस पूरी कानूनी लड़ाई की परतें खुली हैं।

यह मामला 20 नवंबर 2024 को तब शुरू हुआ था, जब अमेरिका के सरकारी वकीलों ने गौतम अडानी, उनके भतीजे सागर अडानी और अन्य लोगों के खिलाफ आरोप पत्र जारी किया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने भारत में सौर ऊर्जा के बड़े ठेके हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर (करीब 2400 करोड़ रुपये) की घूस देने की साजिश रची। यह भी आरोप था कि उन्होंने अमेरिकी निवेशकों को गुमराह करके लोन और बॉन्ड के जरिए 3 अरब डॉलर से अधिक जुटाए। अडानी ग्रुप ने शुरू से ही इन आरोपों को पूरी तरह बेबुनियाद बताया था।

10 हफ्तों का कानूनी चक्रव्यूह

अडानी की कानूनी टीम ने 3 फरवरी से 17 अप्रैल 2026 के बीच अमेरिकी जांचकर्ताओं के सामने दलीलों की बौछार कर दी। टीम ने 118 पन्नों का मुख्य पत्र, दो बड़े स्लाइड प्रेजेंटेशन (कुल 130 पेज) और अमेरिकी शेयर बाजार नियामक को 151 पन्नों की रिपोर्ट सौंपी।

4 बड़े दिग्गजों की मदद

इस बचाव अभियान में दुनिया के चार बड़े दिग्गजों की मदद ली गई। इनमें हार्वर्ड लॉ स्कूल के सिक्योरिटीज प्रोफेसर, अमेरिकी एसईसी के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष, भारत के सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश और भारत के केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के पूर्व प्रमुख शामिल थे।इन दिग्गजों ने करीब 200 पन्नों की रिपोर्ट तैयार कर साबित किया कि अमेरिकी सरकार के आरोप तर्कहीन हैं और अमेरिका के सुरक्षा कानून को जबरदस्ती भारत के मामलों पर थोपा जा रहा है।

ठुकरा दिया 10 अरब डॉलर का प्रस्ताव

इन दस्तावेजों में एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। अडानी की टीम ने अमेरिकी वकीलों के सामने गौतम अडानी के उस पुराने सोशल मीडिया वादे का जिक्र किया था, जिसमें उन्होंने अमेरिका के ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में 10 अरब डॉलर (करीब 96280 करोड़ रुपये) के निवेश और 15,000 नौकरियां पैदा करने की बात कही थी। डिफेंस टीम ने कहा कि इन कानूनी आरोपों की वजह से इस निवेश में रुकावट आ रही है। हालांकि, अमेरिकी न्याय विभाग ने इसे सीधे तौर पर खारिज कर दिया। अमेरिकी अटॉर्नी जोसेफ नोसेला ने ईमेल कर साफ कह दिया कि निवेश के प्रस्ताव के बदले आपराधिक आरोपों को खत्म करने की किसी भी बात पर विचार नहीं किया जाएगा।अडानी की टीम की मजबूत दलीलों के बाद आखिरकार 18 मई 2026 को अमेरिकी न्याय विभाग ने केस खारिज करने की अपील की। जब कोर्ट के जज निकोलस गराउफिस ने केस बंद करने की वजह पूछी, तो अमेरिकी सरकार के आला अधिकारियों (प्रिंसिपल एसोसिएट डिप्टी अटॉर्नी जनरल आर. ट्रेंट मैककॉटर) ने ये बातें कहीं:इस मामले से जुड़ी कथित घटनाएं पूरी तरह भारत में हुई थीं। इस केस में अमेरिका का क्षेत्राधिकार और सबूतों की कमी एक बड़ी चुनौती थी।अमेरिकी निवेशकों को कोई वित्तीय नुकसान नहीं हुआ था। भारत की एजेंसियां भी इस मामले की जांच कर चुकी हैं और वहां मुकदमा चलने की गुंजाइश न के बराबर है। क्रिमिनल केस (आपराधिक मामला) बंद होने के साथ ही सिविल मामले में भी समझौता हो गया। गौतम अडानी 60 लाख डॉलर (करीब 57 करोड़ रुपये) और सागर अडानी 1.2 करोड़ डॉलर (करीब 115 करोड़ रुपये) का सिविल जुर्माना भरने पर सहमत हुए, हालांकि उन्होंने अमेरिकी नियामक के आरोपों को न तो स्वीकार किया और न ही इससे इनकार किया।

चायोस, बार्बेक्यू नेशन समेत 41 रेस्टोरेंट के खिलाफ एक्शन, जोड़ा था डिफॉल्ट सर्विस चार्ज

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। देश भर के 41 रेस्टोरेंट के खिलाफ एक्शन शुरू हुआ है। सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने स्वतः संज्ञान लेते हुए यह कार्रवाई शुरू की है। इन रेस्टोरेंट पर आरोप है कि उन्होंने ग्राहकों के बिल में डिफॉल्ट तरीके से सर्विस चार्ज जोड़कर उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन किया। ऐसा करते हुए गलत व्यापारिक तरीके अपनाए।उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में इसे लेकर जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि चायोस, बार्बेक्यू नेशन, ल'ओपेरा फ्रेंच बेकरी प्राइवेट लिमिटेड और अन्य पर जुर्माना लगाया गया है।

यह कार्रवाई नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन के जरिए मिली शिकायतों के आधार पर की गई है। शिकायतों के साथ ऐसे बिल भी थे जिनसे पता चलता था कि ग्राहकों की साफ मंजूरी के बिना ही उनके बिल में सर्विस चार्ज अपने आप जोड़ दिया गया था। इन शिकायतों के आधार पर सीसीपीए ने जांच की और पाया कि सर्विस चार्ज का अपने आप लगाया जाना 'होटल और रेस्टोरेंट में सर्विस चार्ज लगाने के संबंध में गलत व्यापारिक तरीकों को रोकने और उपभोक्ता हितों की सुरक्षा के लिए जारी गाइडलाइंस' का उल्लंघन है। अथॉरिटी ने यह भी पाया कि ऐसा करना कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट, 2019 की धारा 2(47) के तहत गलत व्यापारिक तरीका है। दिल्ली हाई कोर्ट ने 'नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया और अन्य बनाम भारत संघ और अन्य' मामले में 28 मार्च 2025 को दिए अपने फैसले में सर्विस चार्ज पर सीसीपीए की गाइडलाइंस को सही ठहराया। कहा कि सर्विस चार्ज की अनिवार्य वसूली कानून के खिलाफ है। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि सभी रेस्टोरेंट को गाइडलाइंस का पालन करना होगा।

सीसीपीए कानून के अनुसार उन्हें लागू करने के लिए स्वतंत्र है। 4 जुलाई 2022 को जारी 'होटल और रेस्टोरेंट में सर्विस चार्ज लगाने के संबंध में गलत व्यापारिक तरीकों को रोकने और उपभोक्ता हितों की सुरक्षा के लिए गाइडलाइंस' में ये बातें कही गई हैं :कोई भी होटल या रेस्टोरेंट खाने के बिल में अपने आप या डिफॉल्ट रूप से सर्विस चार्ज नहीं जोड़ेगा। किसी और नाम से भी सर्विस चार्ज की वसूली नहीं की जाएगी। कोई भी होटल या रेस्टोरेंट ग्राहक को सर्विस चार्ज देने के लिए मजबूर नहीं करेगा और उन्हें साफ तौर पर बताएगा कि यह स्वैच्छिक, वैकल्पिक और पूरी तरह से ग्राहक की मर्जी पर निर्भर है। सर्विस चार्ज न देने पर ग्राहकों के आने या सेवाएं पाने पर कोई रोक नहीं लगाई जाएगी। खाने के बिल में सर्विस चार्ज नहीं जोड़ा जाएगा और ऐसी राशि पर जीएसटी भी नहीं लगाया जाएगा। ऐसे ही एक मामले में सीसीपीए ने चायोस (सनशाइन टीहाउस प्राइवेट लिमिटेड) के खिलाफ अंतिम आदेश जारी किया। इसमें डिफॉल्ट रूप से सर्विस चार्ज लगाने के लिए 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। कंपनी को निर्देश दिया गया कि वह ग्राहकों से वसूले गए सर्विस चार्ज को वापस करे।

टीसीएस बनी बाजार की सबसे बड़ी विजेता!

एक हफ्ते में 72,000 करोड़ बढ़ी कंपनी की वैल्यू

मुंबई, 19 जुलाई (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में बीते सप्ताह आई तेजी का फायदा देश की सबसे बड़ी कंपनियों को भी मिला। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 1.54 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज सबसे बड़ी लाभार्थी रही, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और बजाज फाइनेंस के मार्केट कैप में भी अच्छा इजाफा हुआ। बीते सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 582.06 अंक यानी 0.75% और एनएसई निफ्टी 127.40 अंक यानी 0.52% की बढ़त के साथ बंद हुए। बाजार में सकारात्मक निवेशक धारणा का सीधा असर बड़ी कंपनियों के मूल्यांकन पर देखने को मिला।सप्ताह के दौरान टीसीएस का बाजार पूंजीकरण सबसे अधिक 72,072.30 करोड़ रुपये बढ़कर 8.20 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया। कंपनी ने हाल ही में जून तिमाही के नतीजे जारी किए थे, जिसमें उसका शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 4.61% बढ़ा। बेहतर तिमाही नतीजों के बाद निवेशकों ने कंपनी के शेयरों में जमकर खरीदारी की। वहीं, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप करीब 29,062 करोड़ रुपये बढ़कर 10.34 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार वैल्यू में 23,885 करोड़ रुपये, बजाज फाइनेंस में करीब 21,947 करोड़ रुपये और एसबीआई में 7,338 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई।दूसरी ओर, सभी बड़ी कंपनियों के लिए बीता सप्ताह सकारात्मक नहीं रहा। लार्सन एंड टुब्रो के बाजार पूंजीकरण में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई। कंपनी का मार्केट कैप करीब 18,098 करोड़ रुपये घट गया। इसके अलावा एलआईसी, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में भी कमी आई।

सरकार की तेज रफ्तार से अनिल अग्रवाल खुश

क्रिटिकल मिनरल ब्लॉक्स की नीलामी पर गदगद हुए वेदांता के चेयरमैन

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने भारत में क्रिटिकल मिनरल्स के ब्लॉक्स की नीलामी को लेकर सरकार की तेज कार्यशैली की जमकर तारीफ की है। इस बारे में उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट भी की है। सरकार ने हाल में आठवें चरण की शुरुआत में 20 खनिज ब्लॉकों के लिए बोलियां मंगाई गई हैं। अपनी एक पोस्ट में अनिल अग्रवाल ने लिखा है कि महत्वपूर्ण खनिजों सहित अन्य खनिज ब्लॉकों को इतनी शानदार रफ्तार से नीलामी के लिए लाने पर सरकार को बहुत-बहुत बधाई। अब हमें उतनी ही तेजी से जमीन पर काम (माइनिंग ऑपरेशंस) भी शुरू करने की जरूरत है। भारत इस क्षेत्र में एक वैश्विक महाशक्ति बनकर उभरेगा।

क्या है पूरा मामला?

खनन मंत्रालय ने देश में क्रिटिकल और रणनीतिक खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी के आठवें चरण की शुरुआत कर दी है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, इस नए दौर में 9 राज्यों में फैले कुल 20 खनिज ब्लॉकों के लिए बोलियां मंगाई गई हैं।

नीलामी से जुड़ी मुख्य बातें

इस नए चरण के साथ ही सरकार द्वारा अब तक पेश किए गए कुल क्रिटिकल मिनरल ब्लॉकों की संख्या 88 पहुंच गई है। इनमें से 56 ब्लॉकों की नीलामी पहले ही सफलतापूर्वक पूरी की जा चुकी है, जो खनन क्षेत्र में भारतीय उद्योगों के बढ़ते भरोसे को दिखाता है। आठवें चरण में जिन 20 खनिजों की नीलामी हो रही है, वे देश की सुरक्षा और तरक्की के लिए रीढ़ की हड्डी माने जाते हैं। इनका इस्तेमाल क्लीन एनर्जी टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रिक गाड़ियां , एडवांस मैन्युफैक्चरिंग, खाद, डिफेंस, एयरोस्पेस और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे रणनीतिक उद्योगों में बड़े पैमाने पर होगा।

13 नए और 7 री-बिडिंग ब्लॉक्स

इस दौर के 20 माइनिंग ब्लॉक्स में से 13 बिल्कुल नए खोजे गए खनिज क्षेत्र हैं, जबकि 7 ऐसे ब्लॉक हैं जिन्हें पहले बेचा नहीं जा सका था और अब दोबारा बोली के लिए पेश किया गया है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, नीलामी की इस रफ्तार के बाद अगर इन खदानों में काम भी जल्द शुरू हो जाता है, तो भारत कच्चे माल के लिए विदेशों पर निर्भरता कम कर सकेगा और दुनिया का एक बड़ा माइनिंग हब बन जाएगा।

एनवीडिया सीईओ की ब्लैक लेदर जैकेट 9.4 करोड़ में बिकी

नीलामी में उम्मीद से 16 गुना ज्यादा मिली कीमत, पैसा फेलोशिप और रिसर्च पर खर्च होगा

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी टेक कंपनी एनवीडिया के सीईओ जेन्सन हुआंग की पहचान बन चुकी उनकी खास ब्लैक लेदर जैकेट करीब 9.4 करोड़ रुपए (9.60 लाख डॉलर) में नीलाम हुई है। ऑक्शन हाउस सोथबी द्वारा आयोजित इस नीलामी में जैकेट की कीमत उम्मीद से 16 गुना ज्यादा मिली है। पहले इसके 40 हजार से 60 हजार डॉलर (करीब 33 लाख से 50 लाख रुपए) में बिकने का अनुमान लगाया गया था। इस नीलामी से मिलने वाली पूरी रकम को टेक और साइंस सेक्टर के युवा इनोवेटर्स की मदद के लिए दान किया जाएगा। फॉर्च्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, इस नीलामी से मिली राशि सैन फ्रांसिस्को की वेंचर कैपिटल फर्म 'लॉन्ग जर्नी वेंचर्स' द्वारा शुरू की गई एक पहल में जाएगी। यह पहल 'एज इंस्टीट्यूट' नाम के एक नॉन-प्रॉफिट ऑर्गेनाइजेशन की मदद के लिए काम करती है। एज इंस्टीट्यूट टेक, साइंस, कल्चर और सोसाइटी से जुड़े लोगों को एक साथ लाता है ताकि वे नए आइडियाज पर काम कर सकें।

स्टीव जॉब्स और जुकरबर्ग जैसा स्टाइल स्टेटमेंट

सिलिकॉन वैली में जिस तरह एप्पल के फाउंडर स्टीव जॉब्स का ब्लैक टर्टलनेक और मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग की ग्रे टी-शर्ट या हुडी उनका सिग्नेचर स्टाइल रही है, उसी तरह जेन्सन हुआंग की ब्लैक लेदर जैकेट टेक जगत में एक बड़ा सिंबल बन चुकी है। जेन्सन एनवीडिया के बड़े प्रोडक्ट लॉन्चेस, डेवलपर कॉन्फ्रेन्स और कीनोट प्रेजेंटेशन्स में हमेशा इसी लुक में नजर आते हैं।

साल 2016 में रेडिट के एक 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन में जेन्सन ने मजाकिया अंदाज में लिखा था, शायद आप मुझे 'लेदर जैकेट वाले उस शख्स' के रूप में बेहतर जानते होंगे जो अपनी बात को तीन बार दोहराता है। उनका यह लुक इतना पॉपुलर हुआ कि 2021 में जब 'टाइम' मैगजीन ने उन्हें अपने कवर पेज पर जगह दी, तब भी वे इसी सिग्नेचर जैकेट में दिखे थे।

ताइपे के इवेंट में पहनी थी यही टॉम फोर्ड जैकेट

सोथबी में जिस जैकेट की नीलामी हुई है, वह लग्जरी ब्रांड टॉम फोर्ड की ब्लैक लेदर जैकेट है। हुआंग ने इसे 18 अक्टूबर 2023 को ताइपे में आयोजित 'हॉन हाई टेक डे' के दौरान पहना था। ऑक्शन हाउस ने इवेंट की तस्वीरों से इस जैकेट का मिलान किया है। साथ ही जैकेट पर जेन्सन हुआंग के ऑटोग्राफ की जांच 'जेम्स स्पेंस ऑथेंटिकेशन' द्वारा की गई है।

टॉम फोर्ड जैकेट के दीवाने हैं हुआंग

जेन्सन हुआंग को टॉम फोर्ड की जैकेट्स काफी पसंद हैं और यह सिलिकॉन वैली में चर्चा का विषय रहता है। फैशन एक्सपर्ट्स के मुताबिक, जेन्सन की ज्यादातर जैकेट्स की कीमत कई हजार डॉलर से लेकर 10,000 डॉलर (करीब 8.3 लाख रुपए) से अधिक होती है।

जेन्सेन हुआंग की नेटवर्थ 15.39 लाख करोड़

फोर्ब्स रियल टाइम बिलियनेयर्स लिस्ट के अनुसार, कंपनी के सीईओ जेन्सेन हुआंग 175 बिलियन डॉलर यानी 16.84 लाख करोड़ रुपए की नेटवर्थ के साथ दुनिया के 7वें सबसे अमीर आदमी हैं।

पहले जैसी नहीं रही होर्मुज की अहमियत

पूरा सीन ऐसे बदल गया है, भारत का कनेक्शन समझिए

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। कई दशकों तक अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान के साथ सीधे टकराव से बचते रहे। उनकी सोच का एक अहम हिस्सा यह था कि ईरान के तट से सटे एक छोटे से समुद्री रास्ते को आसानी से ब्लॉक किया जा सकता है। आस-पास के देश जो दुनिया का पांचवां हिस्सा तेल और प्राकृतिक गैस इसी रास्ते से भेजते हैं, उनके एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंच सकता है या वो नष्ट हो सकता है। ऐसे राष्ट्रपतियों से अलग डोनाल्ड ट्रंप 28 फरवरी को ईरान पर हमले में इजरायल के साथ शामिल हो गए। वे पुराने डर जल्द ही सच साबित हुए।

लेकिन, फिर भी होर्मुज स्ट्रेट में रुकावट और फारस की खाड़ी के देशों पर ईरानी हमलों के कारण तेल की कीमतें उतनी खतरनाक हद तक नहीं बढ़ीं, जितनी पहले आशंका जताई गई थी।

क्यों इतना असर नहीं पड़ा?

तो क्या हुआ? जब साढ़े चार महीने पहले बमबारी शुरू हुई तो दुनिया में पहले से ही तेल की भारी सप्लाई थी। इसमें भरे हुए रिजर्व को एक साथ जारी करने और सबसे अहम बात चीन जैसे बड़े फॉसिल फ्यूल खरीदार का इस मामले से दूर रहने को जोड़ दें तो आपको कुछ सुराग मिल जाएंगे। इस बीच, मिडिल ईस्ट के दो बड़े तेल उत्पादक देशों ने रेगिस्तान से होकर गुजरने वाली उन पाइपलाइनों का ज्यादा इस्तेमाल करना शुरू कर दिया जो इस जोखिम भरे समुद्री रास्ते से पूरी तरह बचती हैं। बाजारों की अप्रत्याशित मजबूती के पीछे और भी वजहें हैं। लेकिन, ये सभी मिलकर एक बड़ा सवाल खड़ा करती हैं- क्या दुनिया बस इस अहम समुद्री रास्ते के सामान्य होने का इंतजार करेगी? या फिर देश भविष्य के जोखिमों से बचने के लिए वैकल्पिक रास्तों पर ज्यादा जोर देंगे, अपना स्टॉक बढ़ाएंगे और अपनी सप्लाई सिस्टम को और फैलाएंगे? होर्मुज स्ट्रेट से एनर्जी सप्लाई को रोकने की क्षमता अब कोई जियोपॉलिटिकल थ्योरी नहीं रह गई है। इसलिए इसका जवाब साफ लगता है।

भारत के संदर्भ में समझिए

भारत के संदर्भ में भी हॉर्मुज स्ट्रेट का महत्व घटने लगा है। इसका मुख्य कारण भू-राजनीतिक अस्थिरता है। साथ ही ऊर्जा सुरक्षा के लिए भारत और मिडिल ईस्ट के देशों की ओर से खोजे गए वैकल्पिक मार्ग हैं। वैसे तो भारत पारंपरिक रूप से खाड़ी देशों से तेल और एलपीजी आयात के लिए इसी संकरे जलमार्ग पर निर्भर रहा है। लेकिन, हालिया युद्ध और ईरानी नाकेबंदी के कारण उत्पन्न संकट ने इसकी रणनीतिक कमजोरी को उजागर कर दिया है। जोखिम कम करने के लिए भारत ने रूस, अफ्रीका और अमेरिका जैसे देशों से कच्चे तेल (क्रूड) का आयात बढ़ाया है। इसे बढ़ाकर अपनी सप्लाई का डायवर्सिफिकेशन किया है।

ग्लोबल टेंशन में भी नहीं थमेगी भारत की रफ्तार

जीडीपी ग्रोथ पर डेलॉयट का बड़ा अनुमान

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। ग्लोबल टेंशन के बीच भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर अच्छी खबर सामने आई है। वैश्विक प्रोफेशनल सर्विस फर्म डेलॉइट इंडिया का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026-27 (एफवाई27) में भारत की अर्थव्यवस्था 6.15% से 6.18% की दर से बढ़ सकती है। कंपनी का मानना है कि साल की दूसरी छमाही में आर्थिक गतिविधियां और तेज होंगी। इसकी बड़ी वजह फेस्टिव सीजन में बढ़ने वाली खरीदारी, ब्याज दरों में राहत और वैश्विक हालात में धीरे-धीरे संभावित सुधार हो सकती है। डेलॉयट ने अपनी इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में कहा है कि साल 2026 की शुरुआत में भारत की अर्थव्यवस्था काफी संतुलित स्थिति में थी।

हालांकि, इसके बाद मध्य पूर्व में बढ़े भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक व्यापार और निवेश पर असर डाला। होर्मुज स्ट्रेट जैसा जरूरी समुद्री मार्ग प्रभावित हुआ, जिससे कच्चे तेल और दूसरी जरूरी वस्तुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव बढ़ गया। इसका असर भारत के व्यापार घाटे, विदेशी निवेश और रुपये की कीमत पर भी देखने को मिला।

अर्थव्यवस्था को इन चीजों से खतरा

भारतीय रिजर्व बैंक भी हाल ही में चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.9% से घटाकर 6.6% कर चुका है। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.7% की दर से बढ़ी थी। डेलॉयट की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार का कहना है कि वैश्विक माहौल पहले की तुलना में ज्यादा अनिश्चित हो गया है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक की नीतियां और सरकार के कदम इन चुनौतियों का असर कुछ हद तक कम कर सकते हैं। लेकिन अल नीनो की वजह से कमजोर मानसून, कृषि उत्पादन में कमी और खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी अभी भी सबसे बड़े जोखिम बने हुए हैं।

भारत के लिए पॉजिटिव फैक्टर

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के लिए एक पॉजिटिव पहलू यह है कि सरकार लगातार कई देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। इससे भारतीय कंपनियों को नए विदेशी बाजार मिलेंगे और निर्यात बढ़ाने में मदद मिलेगी। हालांकि, रिपोर्ट का कहना है कि सिर्फ नए बाजार मिलना ही काफी नहीं है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	कर्क	मे
चंद्र	कन्या	मे
मंगल	वृष	मे
बुध	मिथुन	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	सिंह	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
कर्क---	05-40 बजे
सिंह---	07-53 बजे
कन्या--	10-00 बजे
तुला----	12-05 बजे
वृश्चिक--	14-14 बजे
धनु----	16-28 बजे
मकर--	18-34 बजे
कुंभ---	20-25 बजे
मीन---	22-04 बजे
मेष----	23-40 बजे
वृष-----	01-24 बजे
मिथुन--	03-28 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
सूर्योदय 05-53
सूर्यास्त. 18 -50
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - आषाढ़ शुक्ल पक्ष सोमवार **20 July 2026**
तिथि - सप्तमी **04-03** तक उपरान्त अष्टमी
नक्षत्र - हस्त **19-09** तक उप चित्रा
योग. -शिव **18-37** तक उप शिव
करण - गर **15-41** तक उप वणिज

विवस्वत सप्तमी

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 07-30 से 08-08 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph. 9247132654

दिन का चौघड़िया		
अमृत	05-53 - 07-30	शुभ
काल	07-30 - 09-08	अशुभ
शुभ	09-08 - 10-45	शुभ
रोग	10-45 - 12-23	अशुभ
उत्पात	12-23 - 13-59	अशुभ
चंचल	13-59 - 15-37	शुभ
लाभ	15-37 - 17-15	शुभ
अमृत	17-15 - 18-50	शुभ

रात का चौघड़िया		
चंचल	18-50 - 20-15	शुभ
रोग	20-15 - 21-37	अशुभ
काल	21-37 - 23-00	अशुभ
लाभ	23-00 - 00-23	शुभ
उत्पात	00-23 - 01-45	अशुभ
शुभ	01-45 - 03-08	शुभ
अमृत	03-08 - 04-31	शुभ
चंचल	04-31 - 05-52	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
अपने जीवन में नकारात्मकता लाने वाले लोगों से दूर रहें ।आपको यह जानकर अचरज होगा कि जिसे आप अपना हमराज समझते थे ,वही आपके बारे में उलटी-सीढ़ी बातें फैला रहा है । ऐसे लोगों से सावधान रहें । उन्हें अपने दिलो-दिमाग में जगह ना दें ।कोई नजदीकी दोस्त आपका साथ देगा । यह दोस्त आपका जीवनसाथी या माता-पिता भी हो सकते हैं ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
खुशियाँ मनाने का समय है । आपके किसी करीबी की शादी है । इस जोड़े को आपसे बहुत शुभकामनाएँ मिलेंगी । अगर किसी से प्यार करते हैं तो उससे शादी के बारे में सोच सकते हैं । जो पहले से शादीशुदा हैं,उनके लिए पार्टी में मजे करने का समय है । आज आप भावनात्मक रूप से बहुत ज़्यादा तनाव महसूस कर सकते हैं।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
बिजनेस सम्बन्धी किसी मीटिंग में आपके मनमुताबिक मोड़ आने की सम्भावना है। आप आज शांत किन्तु दृढ हैं । आपने खूब सोच समझकर फैसले लिए हैं । कार्यस्थल पर सकारात्मक बदलाव होंगें । किसी पुराने दोस्त से मुलाकात संभव है । घर पर शांत और संतुष्ट बने रहेंगे । बोद्धिक उन्नति होगी ,प्रियजनों की और से कोई खुश कर देने वाली खबर मिलेगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप आजकल हर किसी की नजर में हैं । जल्दी ही आप अपने दुश्मनों को पहचान जायेंगे । इनसे निपटते हुए सावधान रहें क्योंकि ये लोग आपको भड़काकर आपको गलत साबित करना चाहते हैं । यदि बहुत ज्यादा विरोध हो रहा हो तो पीछे हट जाएँ । हालाँकि आपको कोई ऐसा भी मिलेगा जिसपर आप यकीन कर सकते हो ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज किसी अनियोजित रोमांचक यात्रा पर जाने की सम्भावना है । हो सकता है कि शहर में ही घूमना चाहें,लेकिन आपका विचार खूब मजे करने का है और ऐसा ही होगा भी ।आप किसी करीबी के साथ हुए गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं । आपको पहले ही ऐसा करना चाहिए था,परन्तु आज सामने आने पर सब बातें साफ़ हो जायेंगी ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आप विशेषकर हलके फुल्के मूड में रहेंगे । सब समस्याओं का सामना चेहरे पर मुस्कराहट के साथ करेंगे । आज किसी विवाद में मैत्रीपूर्ण मध्यस्थ की भूमिका भी अदा कर सकते हैं। आपकी मौजूदगी से ख़ुशी और रोनक रहेगी और शाम को पार्टी की जान बने रहेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपके मिलनसार स्वभाव के कारण आपके बहुत सारे दोस्त हैं लेकिन ये सभी विश्वसनीय नही हैं । आज किसी भी दोस्त पर विश्वास करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जान लें । आज आप बिलकुल स्पष्ट सोच रहे हैं और आप मुश्किल योजना बनायेंगे और उसे बहुत अच्छी तरह कार्यान्वित भी कर पायेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप अपने आस पास बदलाव लाने के लिए उत्साह से भरे हैं । लेकिन आपके लिए शांति से बैठकर यह सोचना अच्छा रहेगा कि क्या बदलाव की कोई जरुरत भी है ? अब जबकि आप अपनी परियोजनाओं को आगे बढाने की तैयारी कर रहे हैं,बेहतर होगा कि आप ये परियोजनाएं अपने लिए किसी और को चुनने दें । आप आज दृढ निश्चय से भरे रहेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है । आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे । आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे । अपनों को भी इनमे शामिल करें । आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप हंसी-मजाक के मूड में हैं । अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है । आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे । कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है.उसके मेंटर बन जाएँ । अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा । मछली खाते हुए सावधान रहें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपकी मन की आवाज अब सक्रिय है और हर काम में आपका बहुत अच्छा मार्गदर्शन करेगी ।आप मजे मजे में भी आसानी से जोखिम उठा पाने की स्थिति में हैं । भाग्य आपके साथ है फिर भी आपको कोई भी कदम उठाने से पहले दो बार सोच लेना चाहिए । आप भावनाओ की बाढ़ को अनुभव करेंगे । पुराने दोस्तों या परिचित के सामने आने से खुशी होगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी । आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थे ,वह आज फलीभूत होगी । सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं । आपको अच्छा लगेगा । आज वित्त सम्बन्धी कोई फैसला लेंगे जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

सरकार का सख्त एक्शन, आरजीएचएस से 58 एलोपैथिक व 11 आयुर्वेदिक फार्मा स्टोर किए गए बाहर

जयपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार का बड़ा फैसला। राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (आरजीएचएस) के अंतर्गत अनियमितता सामने आने पर 58 एलोपैथिक एवं 11 आयुर्वेदिक फार्मा स्टोरों को आरजीएचएस योजना की सूचीबद्ध लिस्ट हटाया गया है। इनमें से 14 एलोपैथिक फार्मा स्टोरों के औषधि लाइसेंस निरस्त कर दिए गए है। शेष 44 एलोपैथिक एवं 11 आयुर्वेदिक फार्मा स्टोर्स के औषधि लाइसेंस निरस्त करने के लिए अतिरिक्त औषधि नियंत्रक एवं संबंधित विभाग को पत्र लिखा गया है। साथ ही प्रचलित बाजार दरों से अत्यधिक अधिक मूल्य पर दवा बिलिंग करने वाले 10 अनुमोदित फार्मेसी स्टोरों का टीएमएस अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है।

राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी ने इम्पेनल्ड फार्मेसीज के लिए आवश्यक निर्देश भी जारी किए हैं। डेनोसुमाब 60 एमजी इंजेक्शन की बाजार दर लगभग 6,500 रुपए है। लेकिन इसके लिए 18,000 रुपए तक दावे का मामला सामने आया है। विभाग की प्रमुख सचिव गायत्री राठौड़ ने ऐसे प्रकरण भी चिन्हित किए गए हैं, जिनमें कब्ज, कमजोरी जैसी सामान्य शिकायतों में भी चिकित्सकों की ओर से दस हजार से अधिक मूल्य की आयुष दवाइयां लिखी गई। ऐसे कुछ मामलों में संबंधित चिकित्सकों एवं अनुमोदित फार्मेसियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए भुगतान की वसूली की कार्यवाही की जा रही है। पूरे राज्य में गहन मानिटरिंग की जा रही है। सामान्य से अधिक दर पर दवा देने वाली फार्मेसियों के खिलाफ ऑडिट हो रही है, है जिसमें जिसमें निजी फार्मेसियों के साथ कॉनफैड भी शामिल है।

राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी निधि पटेल ने बताया कि निर्देशों में दवा दावों में निर्माता द्वारा अनुमोदित सही पैक साइज, उत्पाद कोड एवं एमआरपी दर्ज करना अनिवार्य किया गया है। गलत पैकेजिंग अथवा उत्पाद मैपिंग के आधार पर दावा प्रस्तुत करने पर अतिरिक्त भुगतान की वसूली की जाएगी तथा गंभीर अथवा बार-बार की गई अनियमितताओं पर नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

निधि पटेल ने बताया कि दवा दावों में किसी भी प्रकार की कृत्रिम मूल्य वृद्धि, असामान्य एमआरपी, गलत मूल्य निर्धारण अथवा अप्रमाणित दावे प्रस्तुत नहीं किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सभी दावे वास्तविक खरीद बिल, जीएसटी चालान, स्टॉक रजिस्टर एवं अन्य प्रामाणिक अभिलेखों के आधार पर प्रस्तुत किए जाएंगे तथा आरजीएचएस के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित अनिवार्य छूट का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

आरजीएचएस के तहत अस्पतालों को ब्लॉक किए जाने और इसके बाद उनके नाम जारी नहीं करने का विरोध शुरू हो गया है। सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने लिखा है कि अस्पतालों को ब्लॉक करना और उसके बाद नाम जारी नहीं करना भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टोलरेंस की नीति पर सवाल उठाता है। एक पोस्ट में लिखा गया कि परियोजना के अंतर्गत कई बड़े और प्रतिष्ठित अस्पतालों को बिना पर्याप्त कारण ब्लॉक किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर निलंबित अस्पतालों की सूची भी वायरल हुई। जिनमें निजी के साथ कुछ सरकारी अस्पतालों के नाम भी शामिल थे। हालांकि चिकित्सा विभाग ने इस सूची को फर्जी बताया है।

346 अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में फिर शुरू होगा हिंदी माध्यम! कम एडमिशन पर सरकार का बड़ा फैसला

जयपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने कम नामांकन वाले 346 महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में फिर से हिंदी माध्यम शुरू करने का फैसला किया है। शिक्षा विभाग की समीक्षा में सामने आया कि कई स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या 70 से भी कम रह गई है। इसके बाद सरकार ने अंग्रेजी माध्यम जारी रखते हुए हिंदी माध्यम की कक्षाएं भी संचालित करने का निर्णय लिया है, ताकि स्कूलों में नामांकन बढ़ाया जा सके। इस फैसले को लेकर सियासत भी तेज हो गई है। कांग्रेस ने इसे अंग्रेजी माध्यम स्कूलों को कमजोर करने की कोशिश बताया है, जबकि भाजपा ने इसे व्यावहारिक फैसला करार दिया है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर द्वारा कम नामांकन पर चिंता जताने के बाद माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को अगले पखवाड़े के भीतर नई व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए हैं। जिन स्कूलों में पर्याप्त भवन और कक्ष उपलब्ध हैं, वहां हिंदी और अंग्रेजी माध्यम की कक्षाएं एक ही पाली में चलेंगी। वहीं, जगह की कमी वाले स्कूलों में दोनों माध्यम अलग-अलग पालियों में संचालित किए जाएंगे।

विभागीय समीक्षा के अनुसार यह समस्या पूरे प्रदेश में सामने आई है। सबसे अधिक 34 स्कूल जयपुर में प्रभावित हैं। इसके बाद सीकर (27), चूरू (22), जोधपुर (22), बीकानेर (18), दौसा (15), डूंगरपुर और बांसवाड़ा (14-14), भरतपुर (13), जालोर (12) तथा फलोदी और उदयपुर (11-11) स्कूलों में नामांकन बेहद कम पाया गया।

समीक्षा रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। जोधपुर के भादवा की ढाणी स्थित महात्मा गांधी स्कूल में वर्ष 2026-27 के लिए एक भी छात्र नामांकित नहीं हुआ, जबकि वहां नौ शिक्षक-कर्मचारी तैनात हैं। वहीं, झालावाड़ के पीडावा स्थित स्कूल में दो छात्रों पर पांच स्टाफ और भरतपुर के गिलग पट्टी स्थित स्कूल में तीन छात्रों पर सात स्टाफ कार्यरत हैं। इन आंकड़ों के बाद विभाग ने स्कूलों की व्यवस्था की समीक्षा शुरू की।

कोटपूतली-बहरोड़ जिले के कल्याणपुरा महात्मा गांधी स्कूल में वर्ष 2025-26 में 107 छात्र थे, जो 2026-27 में घटकर सिर्फ 50 रह गए। ऐसे कई स्कूलों में लगातार घटते नामांकन को देखते हुए सरकार ने नीति में बदलाव का फैसला लिया है।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि पहले से अंग्रेजी माध्यम में पढ़ रहे विद्यार्थियों की पढ़ाई उसी माध्यम में जारी रहेगी। नए सत्र में प्रवेश लेने वाले छात्रों को हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यमों का विकल्प मिलेगा। सरकार का मानना है कि इससे अभिभावकों को सुविधा मिलेगी और स्कूलों में नामांकन बढ़ेगा।

सुरक्षाकर्मियों का बार-बार बीमार होना कोई साजिश तो नहीं?

बेनीवाल का अमित शाह को पत्र, सरकार पर लगाए आरोप

नागौर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। नागौर से लोकसभा सांसद हनुमान बेनीवाल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर राजस्थान सरकार की ओर से सांसदों को उपलब्ध कराई जा रही सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों की लगातार तबीयत बिगड़ने और उन्हें बार-बार बदले जाने से उनकी सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है। बेनीवाल ने पत्र में लिखा है कि राजस्थान पुलिस द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे सुरक्षा कर्मी बार-बार बीमार पड़ रहे हैं, जिससे उनकी सुरक्षा में बड़ी चूक हो रही है। उन्होंने दो हालिया घटनाओं का उल्लेख किया। उनके अनुसार, 11 जुलाई को कांस्टेबल सुनील बिश्नोई की अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिन्हें जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल ले जाना पड़ा। इसके बाद 15 जुलाई को कांस्टेबल बलवीर गुर्जर की हालत गंभीर हो गई।

दोनों मामलों में सांसद को स्वयं अस्पताल पहुंचना पड़ा और चिकित्सकीय व्यवस्था करनी पड़ी। सांसद ने पत्र में लिखा, 'यह प्रक्रिया न केवल मेरी सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है, बल्कि यह संकेत भी देती है कि किसी संभावित खतरे या साजिश की स्थिति में मुझे अनावश्यक रूप से जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।' उन्होंने यह भी कहा कि कई बार उन्हें बिना सुरक्षा के बाहर निकलना पड़ रहा है, जिससे उनकी जान को खतरा बना हुआ है।

हनुमान बेनीवाल, जो राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के संस्थापक और राजस्थान की प्रमुख विपक्षी आवाजों में से एक हैं, ने इस व्यवस्था को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने मांग की कि बीमार पुलिसकर्मियों को तत्काल रिजर्व पुलिस लाइन भेजा जाए और उनकी जगह स्थायी एवं पूरी तरह स्वस्थ सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जाए।

यह पत्र राजस्थान सरकार के लिए राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। बेनीवाल लगातार राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार, किसान विरोधी नीतियों और प्रशासनिक लापरवाही के आरोप लगाते रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उठाए गए ये सवाल केंद्र और राज्य सरकार के बीच तनाव बढ़ा सकते हैं। खासकर लोकसभा चुनाव के बाद विपक्षी सांसदों की सुरक्षा को लेकर केंद्र की नजर अधिक है। ऐसे में केंद्रीय गृह मंत्री को भेजी गई यह शिकायत राजस्थान पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े करती है।

बेनीवाल ने पत्र में यह भी लिखा है कि उन्होंने इस संबंध में राजस्थान पुलिस के महानिदेशक और अतिरिक्त महानिदेशक को भी अवगत कराया, लेकिन जिला स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि नागौर जैसे संवेदनशील क्षेत्र में सांसद की सुरक्षा में लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती।

छात्राओं से सेप्टिक टैंक साफ कराना शर्मनाक

मदरसा हादसे पर भड़के राज्यमंत्री; बोले- दोषियों पर होगी कार्रवाई

भरतपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने भरतपुर दौरे के दौरान पहाड़ी तहसील के सीकरी कस्बे के पास स्थित नील मदरसे में हुए दर्दनाक हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि छात्राओं से सेप्टिक टैंक की सफाई कराना बेहद शर्मनाक और अस्वीकार्य है। इस मामले में दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान बेढ़म ने कहा कि विद्यालयों में पढ़ने आने वाले बच्चों से इस तरह के जोखिम भरे कार्य कराना गंभीर लापरवाही है। उन्होंने कहा कि बच्चों का काम शिक्षा ग्रहण करना है, न कि उनकी जान जोखिम में डालने वाले कार्य कराए जाएं। उन्होंने कहा कि यदि किसी संचालक या शिक्षक ने छात्राओं से सेफ्टी टैंक की सफाई कराई है, तो यह बेहद गंभीर मामला है और इससे पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े होते हैं।

गृह राज्यमंत्री ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन मौके पर पहुंचा और घायल छात्राओं के इलाज की व्यवस्था कराई गई। जिला कलेक्टर पूरे मामले की निगरानी कर रहे हैं, जबकि पुलिस ने रात में ही एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नकली घी की फैक्ट्री पर छापा, 870 किलो मिलावटी घी और 1595 किलो पाम ऑयल जब्त

बाड़मेर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के बाड़मेर जिले में मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग और सदर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने रविवार को रिंग रोड स्थित 'शिव गोरी' नाम से संचालित एक फैक्ट्री पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान टीम ने मौके से 870 किलो तैयार मिलावटी घी तथा 1595 किलो पाम ऑयल बरामद किया। बरामद सामग्री को जब्त कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस छापेमारी के बाद शहर के कारोबारियों में हड़कंप मच गया।

अधिकारियों के अनुसार, फैक्ट्री में बड़े पैमाने पर मिलावटी घी तैयार किए जाने की सूचना मिलने पर संयुक्त टीम ने बाड़मेर में छापेमारी की। जांच के दौरान फैक्ट्री में भारी मात्रा में तैयार घी और पाम ऑयल मिला, जिसके आधार पर मिलावट की आशंका को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग ने घी एवं अन्य सामग्री के नमूने एकत्र किए। इन नमूनों को प्रयोगशाला भेजा जाएगा, जहां जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आमजन के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यदि जांच में घी के मिलावटी होने की पुष्टि होती है तो संबंधित संचालकों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इस कार्रवाई से मिलावटी खाद्य पदार्थों का कारोबार करने वालों में हड़कंप मच गया है। प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि यदि कहीं मिलावटी खाद्य सामग्री के निर्माण या बिक्री की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तत्काल संबंधित विभाग को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। फिलहाल मामले की जांच जारी है और प्रयोगशाला रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे केवल विश्वसनीय ब्रांड या लाइसेंसधारी दुकानों से ही खाद्य सामग्री खरीदें और किसी भी संदिग्ध उत्पाद या अवैध फैक्ट्री की जानकारी मिलने पर तत्काल खाद्य सुरक्षा विभाग को सूचना दें, ताकि आम लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ समय रहते सख्त कार्रवाई की जा सके।

पुलिस की गाड़ी ने डिवाइडर फांदकर कार को मारी टक्कर, शराब-बीयर देख भड़के लोग, जमकर की तोड़फोड़

जयपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर के एयरपोर्ट रोड पर सड़क हादसे के बाद जमकर हंगामा हुआ। एयरपोर्ट रोड पर 6 नंबर बस स्टैंड के पास तेज स्पीड से आ रही राजस्थान पुलिस लिखी हुई गाड़ी डिवाइडर पार कर रॉन्ग साइड में पहुंच गई और सांगानेर की ओर जा रही एक कार से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कॉर्पियो का आगे का हिस्सा खत्म हो गया और उसका आग वाला दाहिना टायर भी फट गया। पुलिस की गाड़ी की जिस वरना कार से टक्कर हुई, उसमें तीन लोग सवार थे। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और देखते ही देखते माहौल तनावपूर्ण हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार राजस्थान पुलिस लिखी हुई गाड़ी के सांगानेर से कोचिंग हब की तरफ तेज रफ्तार में जा रही थी। अचानक ड्राइवर का गाड़ी पर कंट्रोल बिगड़ी गया और गाड़ी पार करके रॉन्ग साइड में पहुंच गई। इसके बाद सामने से आ रही वरना कार से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। लोगों का कहना है कि हादसे के तुरंत बाद कार को वहां से हटा दिया गया, जिससे मौके पर मौजूद लोग नाराज हो गए। उसके बाद वहां देखते ही देखते150 से ज्यादा लोग इकट्ठा हो गए। गुस्से में लोगों ने स्कॉर्पियो को चारों तरफ से घेर लिया, उस पर पत्थर फेंके और उसके शीशे तोड़ दिए। इसी दौरान गाड़ी के अंदर रखी बीयर की कैन और बोतलें भी बाहर निकालकर बोनट पर रख दी गईं। हंगामे के बीच एक बाइक सवार युवक ने लोगों को शांत कराने की कोशिश की, लेकिन गुस्साई भीड़ ने उसके साथ भी मारपीट कर दी। युवक किसी तरह अपनी जान बचाकर वहां से निकल सका। बाद में सूचना मिलने पर पीसीआर और डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराने की कोशिश की।

चूरमा-बाटी बनाने से मना किया तो पति ने घोंटा गला

जेवर छिपाकर बनाया लूट का सीन, पुलिस ने खोली गुत्थी

चित्तौड़गढ़, 19 जुलाई (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा के मांगरोल गांव में हुई महिला रतनीबाई (36 वर्ष) की हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए सदर थाना पुलिस ने उसके पति नानालाल प्रजापत आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। विवाद के बाद पत्नी की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी थी और वारदात को लूट का रूप देने के लिए उसके जेवर छिपा दिए थे। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर जेवर बरामद कर घटना का सीन रीक्रिएट करवाया है।

चित्तौड़गढ़ के पुलिस अधीक्षक योगेंद्र सिंह ने बताया कि बीती 5 जुलाई को मांगरोल निवासी रतनीबाई भैंस चराने खेत पर गई थी। शाम तक घर न लौटने पर परिजनों ने तलाश की, तो जेके फैक्ट्री के पास चट्टानों के बीच उसका शव मिला। मृतका के पिता बालूलाल प्रजापत निवासी बनेस्टी की रिपोर्ट पर डीएसपी शिवप्रकाश के मार्गदर्शन में थानाधिकारी संजय शर्मा की टीम गठित की गई। मेडिकल बोर्ड से हुए पोस्टमार्टम में गला घोंटने से मौत की पुष्टि हुई।

घटना के दिन गांव में सामूहिक रूप से बरसात की कामना के लिए घरों में चूरमा-बाटी बन रही थी। नानालाल ने पत्नी रतनीबाई को खेत पर जाने से मना करते हुए घर में चूरमा-बाटी बनाने को कहा। रतनीबाई के न मानने और भैंस को लेकर खेत पर चले जाने से नाराज नानालाल पीछे-पीछे खेत पहुंच गया। वहां चट्टानों के पास दोनों में कहासुनी हुई। गुस्से में नानालाल ने भैंस बांधने की रस्सी से रतनीबाई का गला घोंट दिया।

संदेह के आधार पर जब पुलिस ने मृतका के पति नानालाल से पूछताछ की, तो वह बीमारी का बहाना बनाकर सनकी बातें करने लगा। कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी ने बताया कि 17 साल पहले उनकी शादी हुई थी और उनके दो बच्चे हैं। दोनों में अक्सर झगड़ा होता था।

वारदात को लूट का रूप देने के लिए आरोपी ने पत्नी के गले से मांदलिया और पैरों से पायजेब निकाल लिए। इन्हें मांगरोल रेलवे फाटक के पास अपने दूसरे खेत में पत्थरों के नीचे छुपा दिया। इसके बाद वह घर आया और तबीयत खराब होने का नाटक कर परिजनों के साथ चित्तौड़गढ़ अस्पताल में भर्ती हो गया। शाम को जब परिजन रतनीबाई को ढूंढने निकले, तो उसने खुद ही चट्टानों की तरफ ढूंढने का इशारा किया। शक पुख्ता होने पर पुलिस ने तफ्तीश आगे बढ़ाई और आरोपी को दबोच लिया।

गांव में मुगलकालीन 'खजाने' की अफवाह, रातभर टॉर्च लेकर चांदी के सिक्के खोजते रहे लोग

जयपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के चौरू गांव में एक अफवाह ने पूरे गांव में ऐसा माहौल बना दिया कि रातो-रात लोग खजाने की तलाश में जुट गए. पुराने मकान की जेसीबी से खुदाई के दौरान जमीन से चांदी के सिक्के निकलने की खबर फैलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर उमड़ पड़ी. देखते ही देखते गांव में यह चर्चा फैल गई कि जमीन के नीचे मुगलकालीन चांदी के सिक्कों का खजाना दबा हुआ है. इसके बाद कई ग्रामीण टॉर्च लेकर रातभर मौके पर पहुंचते रहे और अलग-अलग जगहों पर खुदाई कर सिक्के तलाशने में जुट गए. देर रात से शुरू हुआ गांव में खजाने की तलाश का यह सिलसिला अब तक जारी है. घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में खुदाई के दौरान सिक्के मिलने का दावा किया जा रहा है. हालांकि वायरल वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है.

अवैध हथियारों के साथ रील बनाकर फैला रहे थे दहशत

झालावाड़ में 2 आरोपी गिरफ्तार

झालावाड़, 19 जुलाई (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर रील का क्रेज युवाओं में लगातार बढ़ता जा रहा है। हैरान कर देने वाली बात ये है कि लोग अवैध हथियारों के साथ भी रील बनाने से बाज नहीं आ रहे है। राजस्थान के झालावाड़ जिले में दो ऐसे ही मामले सामने आया है। जहां सोशल मीडिया पर अवैध हथियारों के साथ रील बनाकर दहशत फैलाने और गन कल्चर को बढ़ावा देने वालों के खिलाफ झालावाड़ पुलिस ने दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी हथियारों का खुलेआम प्रदर्शन कर वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर रहे थे। पुलिस ने दोनों के कब्जे से अवैध हथियार और वारदात में इस्तेमाल मोबाइल फोन जब्त कर शस्त्र अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किए हैं। पुलिस ने बताया कि जिले में सोशल मीडिया पर हथियारों के प्रदर्शन और गन कल्चर को बढ़ावा देने वालों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत घाटोली और जावर थाना पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

घाटोली थाना पुलिस ने इंस्टाग्राम पर वायरल रील के आधार पर चुरेलिया निवासी 21 वर्षीय उदय सिंह उर्फ दीपक गुर्जर को गिरफ्तार किया। आरोपी पंप एक्शन गन से फायरिंग करते हुए वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से पंप एक्शन गन और एंड्रॉयड मोबाइल जब्त किया। जांच में सामने आया कि वह खुद का प्रभाव दिखाने और आमजन में भय का माहौल बनाने के उद्देश्य से रील वायरल कर रहा था। दूसरी कार्रवाई जावर थाना पुलिस ने की। पुलिस ने पृथ्वीपुरा निवासी 26 वर्षीय हरिराम गुर्जर को गिरफ्तार किया, जो एक नाली टोपीदार बंदूक लहराते हुए फिल्मी अंदाज में वीडियो बनाकर फेसबुक पर अपलोड कर रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। आरोपी के पास से अवैध बंदूक और वीडियो अपलोड करने में इस्तेमाल स्मार्टफोन जब्त किया गया।

पुलिस अब हथियार के स्रोत और उससे जुड़े नेटवर्क की भी जांच कर रही है। सोशल मीडिया पर अवैध हथियारों का प्रदर्शन, फायरिंग या ऐसी किसी भी प्रकार की रील पोस्ट करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मशहूर 'चोखी ढाणी' में फूड सेफ्टी टीम का छापा

90 किलो खराब काजू सीज, किचन में मिला 'जहरीला' तेल

जयपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर का मशहूर टूरिस्ट डेस्टिनेशन 'चोखी ढाणी' इस वक्त एक बेहद चौंकाने वाली खबर को लेकर सुर्खियों में है. अपनी पारंपरिक राजस्थानी मेहमाननवाजी और लजीज खाने के लिए देश-विदेश में मशहूर इस रिसॉर्ट-होटल पर राजस्थान सरकार की फूड सेफ्टी टीम ने एक बड़ा छापा मारा है.

दुनिया भर के पर्यटकों के बीच पहली पसंद माना जाने वाला जयपुर का 'चोखी ढाणी' होटल इस समय विवादों के घेरे में आ गया है.

राजस्थान सरकार की फूड सेफ्टी टीम ने यहां बड़े पैमाने पर खाद्य मानकों की अनदेखी और गंभीर अनियमितताएं पकड़ी हैं. होटल के किचन में पर्यटकों को परोसे जाने वाले भोजन में घटिया सामग्री और बार-बार उबाले गए अनसेफ रिफाइंड तेल का इस्तेमाल किया जा रहा था. इस कार्रवाई के बाद से ही शहर के बड़े नामचीन होटलों और रेस्टोरेंट संचालकों में हड़कंप मच गया है.

खाद्य सुरक्षा और औषधि नियंत्रण आयुक्त डॉ. टी शुभमंगला ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की टीम ने मैसर्स चोखी ढाणी परिसर का औचक निरीक्षण किया. इस दौरान टीम जब किचन में पहुंची, तो वहां जिस रिफाइंड सोयाबीन तेल में आलू फ्राई किए जा रहे थे, उसकी जांच करने पर टीम के होश उड़ गए.

खाद्य तेल का टोटल पोलर कम्पाउंड निर्धारित अधिकतम सीमा 25 प्रतिशत के स्थान पर 31% पाया गया. चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, बार-बार गर्म होने के कारण जब तेल का टीपीसी 25% से ऊपर चला जाता है, तो वह 'अनसेफ' श्रेणी में आ जाता है और उसका सेवन करने से कैंसर, लिवर और दिल की गंभीर बीमारियां हो सकती हैं. टीम ने मौके से इस यूज्ड रिफाइंड ऑयल का सैंपल जब्त कर लिया है.

कांग्रेस और बीआरएस की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष के लिए तैयार रहें : राव

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने कहा कि तेलंगाना की जनता कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति की जनविरोधी नीतियों से तंग आ चुकी है तथा अब भारतीय जनता पार्टी को सत्ता के विकल्प के रूप में देख रही है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से जनता के बीच जाकर स्थानीय समस्याओं पर व्यापक आंदोलन चलाने का आह्वान किया। रविवार को हैदराबाद मध्य जिला कार्यकारिणी की बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश कार्यकारिणी के बाद जिला एवं मंडल स्तर की बैठकें संगठन को और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

उन्होंने दावा किया कि संगठनात्मक दृष्टि से तेलंगाना में कोई भी राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी की बराबरी नहीं कर सकता। राज्य के लगभग 35 हजार मतदान केंद्रों में से 31 हजार पर पूर्ण बूथ समितियां गठित हो चुकी हैं। पार्टी के 42 लाख से अधिक सदस्य हैं तथा 920 मंडलों में से 870 में मजबूत संगठन सक्रिय है। उन्होंने यह भी दावा किया कि बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक समुदाय के लोग भी पार्टी से जुड़ने के इच्छुक हैं। रामचंद्र राव ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती भारत राष्ट्र समिति और वर्तमान कांग्रेस सरकार ने जनता के मुद्दों की पूरी तरह उपेक्षा की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों में झूठे वादों और गारंटियों के सहारे सत्ता हासिल की तथा अब वही गलतियां दोहरा रही है जो पहले भारत राष्ट्र समिति सरकार ने की थीं। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी के मुद्दे पर भारत राष्ट्र समिति को बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

उनका आरोप था कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने हर परिवार को नौकरी देने का वादा किया था, लेकिन उसे पूरा नहीं किया। समूह-एक जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने से युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ और विश्वविद्यालयों सहित विभिन्न सरकारी विभागों में प्राध्यापकों तथा अन्य रिक्त पदों को नहीं भरा गया। प्रदेश अध्यक्ष ने वर्तमान कांग्रेस सरकार पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि युवाओं को रोजगार देने के बजाय मंत्रियों और विधायकों के परिजनों तथा समर्थकों को पद दिए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कांस्टेबल भर्ती को छोड़कर सरकार कोई बड़ी भर्ती अधिसूचना जारी नहीं कर रही है। रामचंद्र राव ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता से घबराकर कांग्रेस सरकार हैदराबाद में राजनीतिक षड्यंत्र कर रही है। उन्होंने कहा कि महापौर पद पर भारतीय जनता पार्टी की संभावित जीत को रोकने के लिए ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की सीमा 300 वार्डों तक बढ़ाने तथा हैदराबाद को तीन भागों में विभाजित करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मल्काजगिरि और साइबराबाद क्षेत्रों को अलग कर मजलिस पार्टी को लाभ पहुंचाने की रणनीति बनाई है।

तेलंगाना में बोनालू जातरा शुरू, महीनेभर चलेगा आस्था और संस्कृति का उत्सव

बोनालू मुख्य रूप से ग्राम देवताओं की पूजा की परंपरा

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के प्रसिद्ध लोकपर्व बोनालू जातरा-2026 का शुभारंभ रविवार से गोलकोंडा स्थित जगदंबिका महाकाली मंदिर में हुआ।

राज्य उत्सव के रूप में मनाया जाने वाला बोनालू पर्व तेलंगाना की संस्कृति, परंपरा, महिला शक्ति और सामाजिक एकता का प्रतीक माना जाता है। यह उत्सव लगभग एक महीने तक विभिन्न क्षेत्रों में श्रद्धा और भक्ति के साथ आयोजित किया जाएगा। इतिहासकारों के अनुसार बोनालू परंपरा का संबंध काकतीय काल से रहा है। कहा जाता है कि विजयनगर साम्राज्य के समय सम्राट श्री कृष्णदेवराय ने भी देवी को बोनम अर्पित किया था। गोलकोंडा किले में स्थित जगदंबिका महाकाली मंदिर में काकतीयों से लेकर कुतुबशाही शासन तक यह परंपरा जारी रही। निजाम शासन के दौरान अक्कन्ना-मादन्ना के नेतृत्व में बोनालू उत्सव बड़े उत्साह के साथ आयोजित किए जाते थे। बोनालू मुख्य रूप से ग्राम देवताओं की पूजा की परंपरा है। मान्यता है कि महामारी, सूखा और अन्य समस्याओं से रक्षा के लिए श्रद्धालु देवी को धन्यवाद स्वरूप बोनम अर्पित करते हैं। यह केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि तेलंगाना की भक्ति, संस्कृति और सामूहिक भावना का प्रतीक है। हैदराबाद महानगर में बोनालू उत्सव विशेष आकर्षण का केंद्र रहता है। विभिन्न मंदिरों में होने वाली जातरा और शोभायात्राएं राज्य की सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक परंपराओं को प्रदर्शित करती हैं। इस वर्ष गोलकोंडा में 19 जुलाई से शुरू हुए बोनालू उत्सव के तहत बल्कमपेट येल्लम्मा और सिकंदराबाद उज्जयिनी महाकाली मंदिरों में बोनालू 26 जुलाई को आयोजित किए जाएंगे। वहीं ऐतिहासिक पुराना शहर लाल दरवाजा महाकाली मंदिर में बोनालू उत्सव 2 अगस्त को होगा। इसके अगले दिन 3 अगस्त को पारंपरिक रंगम कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। तेलंगाना के विभिन्न हिस्सों में आयोजित होने वाले ये उत्सव राज्य की पहचान, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक माने जाते हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना को देखते हुए प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

ओल्ड सिटी में इंटरमीडिएट के छात्र की बेरहमी से हत्या

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के ओल्ड सिटी में कालापत्थर पुलिस स्टेशन इलाके के तहत बिरयानी शाह टेकरी दरगाह के पास, अज्ञात हमलावरों ने 17 साल के इंटरमीडिएट फर्स्ट ईयर के छात्र फ़ैज़ मोहम्मद (अज़ान) पर चाकू से हमला किया। इस हमले से युवक की मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आदिवासी समुदायों ने पीढ़ियों से जैव विविधता की रक्षा की है : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने रविवार को रंगारेड्डी जिले के नंदीगामा मंडल के कान्हा गांव में स्थित 'कान्हा शांति वनम' में आयोजित 'फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल्स सोसाइटी' (एफटीएस) की वार्षिक बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने आदिवासी लोगों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयास करने वाले 'फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल्स सोसाइटी' (एफटीएस) संगठन और विशेष रूप से एफटीएस हैदराबाद चैप्टर की सराहना की। उन्होंने कहा, जब हम भारत की बात करते हैं, तो हम केवल एक देश की बात नहीं कर रहे होते, बल्कि हम एक महान सभ्यता की बात कर रहे होते हैं जो सदियों से दुनिया के लिए एक आदर्श रही है। पीढ़ियों से, हमारे आदिवासी समुदायों ने जंगलों, नदियों, पहाड़ों और हमारी जैव विविधता की अत्यंत सावधानी और समर्पण के साथ रक्षा की है। रेड्डी ने कहा कि आज पूरी दुनिया 'स्थिरता' और जलवायु परिवर्तन पर चर्चा कर रही है, लेकिन एक स्थायी जीवनशैली का सही अर्थ और अभ्यास सदियों से आदिवासी समुदायों की जीवनशैली में विद्यमान रहा है। उन्होंने कहा कि आदिवासी परंपराएं भारत की सभ्यता और सांस्कृतिक विरासत से गहराई से जुड़ी हुई हैं। चाहे वह भगवान श्री राम की माता शबरी के प्रति भक्ति हो या ओडिशा के भगवान जगन्नाथ और साबर समुदाय के बीच गहरा संबंध- ये सभी उदाहरण हमें एक ही संदेश देते हैं। आज, हमारे आदिवासी समुदायों के सदस्य सुदूर गांवों से लेकर बड़े शहरों तक, हर क्षेत्र में भारत की प्रगति में योगदान दे रहे हैं- चाहे वे छात्र हों... वे राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, शिक्षक, डॉक्टर, पेशेवर, उद्यमी, खिलाड़ी, कलाकार और सरकारी कर्मचारी के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। इसलिए, चाहे कोई आदिवासी परिवार जंगल में रहता हो, दूरदराज के सीमावर्ती क्षेत्र में हो या किसी बड़े शहर में, उनकी पहचान, गरिमा और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। रेड्डी ने कहा कि विकासशील भारत अपने नागरिकों को जो भी अवसर प्रदान करता है, वह आदिवासी समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए और उन्होंने आगे कहा कि यही 'विकास भी, विरासत भी' की भावना का सच्चा सार है और यही हमारे 'विकसित भारत' का लक्ष्य भी है।

हिंदू 2 हिंदू बिजनेस की क्षेत्रीय बैठक आयोजित

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू 2 हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग द्वारा 17 जुलाई को होटल ताज महल, नारायणगुड़ा में क्षेत्रीय बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में अनेक सनातनी हिंदू व्यवसायियों ने भाग लिया। संगठन का मुख्य उद्देश्य हैदराबाद में हिंदू व्यवसायियों को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोपाल बलदवा थे। मोटिवेशनल स्पीकर महेंद्र गुरु विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अध्यक्ष नव्रतन रत्न कृष्णमूर्ति, डॉ. पूनम नोमुलवार (चाणक्य) और अजय सिंह आदित्य उपस्थित रहे। उन्होंने बैठक का आयोजन किया। एच2एच के संस्थापक गीतेश काटे ने उपस्थित रह कर कार्यक्रम का मार्गदर्शन किया। इस कार्यक्रम को मधु मल्लाड़ी और चाणक्य चैप्टर की राधा रतन का सहयोग प्राप्त हुआ।

काचीगुडा और तिरुचनूर के बीच विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की भीड़ को कम करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे काचीगुडा और तिरुचनूर के बीच विशेष ट्रेनें चलाएगी। तदनुसार, ट्रेन संख्या 07787 काचीगुडा-तिरुचनूर 23 जुलाई को और ट्रेन संख्या 07788 तिरुचनूर-काचीगुडा 24 जुलाई को संचालित की जाएगी। ये विशेष ट्रेनें दोनों दिशाओं में मल्काजगिरि, चेर्लापल्ली, नालगोंडा, मिर्यालगुडा, गुंटूर, तेनाली, ओंगोल, नेल्लोर और रेनिगुंटा स्टेशनों पर रुकेंगी। इन विशेष ट्रेनों में एसी द्वितीय श्रेणी, एसी तृतीय श्रेणी, स्लीपर श्रेणी और सामान्य द्वितीय श्रेणी के कोच होंगे।

विवेक निशांत ने एनएमडीसी के निदेशक का कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विवेक निशांत नाथ ने एनएमडीसी लिमिटेड के निदेशक (वाणिज्य) का कार्यभार ग्रहण किया। मेटल और माइनिंग क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक के अनुभव के साथ, विवेक निशांत नाथ को बिक्री और विपणन, अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक संचालन, खरीद, लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति-श्रृंखला प्रबंधन में व्यापक अनुभव है।

वे 1992 में एनएमडीसी के साथ अपने करियर की शुरुआत की और घरेलू लौह अयस्क की बिक्री और विपणन में व्यापक अनुभव प्राप्त करते हुए विभिन्न वाणिज्यिक भूमिकाओं में लगभग पंद्रह वर्षों तक कंपनी की सेवाएं दीं। इसके पश्चात उन्होंने एस्सार स्टील लिमिटेड और आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया में प्रमुख पदों पर कार्य किया और 2021 में वे ओडिशा माइनिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओएमसी) में महाप्रबंधक (बिक्री और विपणन) के रूप में शामिल हुए। बाद में उन्हें 2024 में ओएमसी में मुख्य महाप्रबंधक (बिक्री और विपणन) के रूप में पदोन्नत किया गया, जहां उन्होंने लौह अयस्क, क्रोम अयस्क, मैंगनीज अयस्क, बॉक्साइट, चूना पत्थर और फेरोक्रोम के बिक्री और विपणन कार्यों का नेतृत्व किया।

उन्होंने सिम्बायोसिस सेंटर फॉर मैनेजमेंट स्टडीज, पुणे से अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय में मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) की डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), इंदौर से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट में मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम भी पूरा किया है।

निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना और कार्यप्रणाली पर सुप्रीम कोर्ट की नजर

राज्य सरकार से मांगा विस्तृत हलफनामा, प्रवेश नियमों की होगी जांच

तेलंगाना में उच्च शिक्षा अधिकारियों की समिति गठित

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। देशभर में तेजी से स्थापित हो रहे निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना के उद्देश्य, संचालन व्यवस्था, शिक्षकों की योग्यता और शिक्षा के स्तर को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने गंभीरता दिखाई है। सर्वोच्च न्यायालय ने निजी विश्वविद्यालयों की विस्तृत जांच कर राज्यों से सभी पहलुओं पर जानकारी के साथ हलफनामा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने आयशा जैन बनाम भारत संघ मामले की सुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के आधार पर यह कदम उठाया है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना के पीछे वास्तविक उद्देश्य, उन्हें संचालित करने वाली संस्थाओं और व्यक्तियों की भूमिका तथा वहां उपलब्ध कराई जा रही शिक्षा की गुणवत्ता की गहन जांच की जानी चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार तेलंगाना सरकार ने निजी विश्वविद्यालयों की जांच के लिए महाविद्यालयीन शिक्षा आयुक्त की अध्यक्षता में एक समिति गठित की है। समिति में तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद के सचिव को संयोजक, जवाहरलाल नेहरू तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलसचिव को सदस्य संयोजक तथा पालमूर विश्वविद्यालय के कुलसचिव, उस्मानिया विश्वविद्यालय के मुख्य वित्त एवं लेखा अधिकारी और तकनीकी शिक्षा आयुक्तालय के सहायक निदेशक (शैक्षणिक-सी) को सदस्य बनाया गया है। आवश्यकता पड़ने पर समिति किसी विषय विशेषज्ञ को भी शामिल कर सकती है। यह समिति राज्य के सभी निजी विश्वविद्यालयों का दौरा कर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित नौ प्रमुख बिंदुओं पर जांच कर रही है।

सर्वोच्च न्यायालय ने निजी विश्वविद्यालयों से संबंधित नौ मुद्दों पर विस्तृत जानकारी मांगी है।

1. विश्वविद्यालय स्थापना का उद्देश्य

विश्वविद्यालय क्यों स्थापित किया गया, इसके पीछे क्या कारण और उद्देश्य थे? स्थापना से पहले व्यवहार्यता अध्ययन या नीतिगत समीक्षा की गई थी या नहीं।

2. भूमि और अन्य सरकारी सुविधाएं

क्या राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय को भूमि आवंटित की? यदि हां, तो इसके लिए क्या नियम और शर्तें निर्धारित की गईं।

3. संचालन संस्था और प्रबंधन समिति

विश्वविद्यालय चलाने वाली संस्था, सोसायटी या व्यक्ति का उद्देश्य क्या है? प्रबंधन समिति में कौन-कौन सदस्य हैं और उनका चयन किस प्रकार किया गया।

4. प्रवेश प्रक्रिया और नियम
5. शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया
6. नियमों का पालन और निरीक्षण व्यवस्था
7. वित्तीय पारदर्शिता और गैर-लाभकारी व्यवस्था
8. शिकायत निवारण व्यवस्था

क्या छात्रों और शिक्षकों की शिकायतों के समाधान के लिए व्यवस्था मौजूद है? शिकायत समितियां प्रभावी रूप से कार्य कर रही हैं या नहीं।

9. कर्मचारियों के वेतन और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियम

क्या विश्वविद्यालय शिक्षकों और कर्मचारियों को निर्धारित न्यूनतम वेतन दे रहे हैं? क्या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों का पालन किया जा रहा है।

बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 170वां निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर संपन्न

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा सेंट एड्म्स हाई स्कूल राजेंद्र नगर के सहयोग से 170वां निशुल्क निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर राजेन्द्र नगर स्थित गोल्डन हाईट्स कॉलोनी स्थित सेंट एड्म्स हाई स्कूल में आयोजित किया गया।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, किम्स सनशाइन हॉस्पिटल द्वारा कार्डियोलजी, हड्डी रोग विशेषज्ञ, ईसीजी, 2 डी इको, बीएमडी, बी.पी जांच, आरबीएस की सेवा डॉक्टर डॉ. मीनाक्षी, डॉ. चंटी, नर्सिंग स्टाफ निकिता, मतीन, स्वाति, मल्लेश्वरी, 2डी इको तकनीक की भानुश्री, बीएमडी टेक की सेवा डेविड और अनिल एवं विपणन के उदय कुमार और सौरव ने दी।

शिविर में लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल दोमलगुडा के नेत्र विशेषज्ञ एच. भगवान, कैम्प प्रभारी भास्कर, पी.साईं किरण, ऑप्टोमेट्रिस्ट सिरिशा, नेत्र विशेषज्ञ वंदना ने सेवा प्रदान कर 125 रोगियों के नेत्रों का परीक्षण किया। इनमें 57 लोगों को चश्मे और 9 लोगों के मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की गई।

अवसर पर सामान्य जांच की सेवा डॉ. अखिल क्लिनिक (पुरनदास रणछोड़दास) के जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुमंधी ने प्रदान की। दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ.एस. निखिल राज ने की। साथ ही श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा दो सकलांग को सेवा प्रदान की। शिविर का 171 लोगों ने लाभ लिया।

अवसर पर शिविर के संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के सदस्य प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, निखिल राणासरिया, उर्मिला अग्रवाल, स्थानीय भागीदार एड्म्स हाई स्कूल के अध्यक्ष डॉ.एस. जगन, प्रधानाध्यापक पी. मधुसूदन रेड्डी, अपर प्रधानाध्यापक एम.ए.मुकीम, प्रभारी ईश्वर, स्वयंसेवक योगेश अग्रवाल, दीपा गर्ग, सरला अग्रवाल, बी शांता देवी, समाजसेवी शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव एवं पित्ती लैमिनेशन के सदस्यों ने सहयोग प्रदान कर इसे सफल बनाया।

81 वर्ष की उम्र में के.एल. नारायण ने तैराकी प्रतियोगिता में जीते चार स्वर्ण पदक

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। 81 वर्ष की उम्र में भी खेल के प्रति जुनून और फिटनेस का शानदार उदाहरण पेश करते हुए सेवानिवृत्त अतिरिक्त सचिव के.एल. नारायण ने वार्षिक मास्टर्स तैराकी प्रतियोगिता में चार स्वर्ण पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। हैदराबाद जिला तैराकी संघ द्वारा रविवार को अमीरपेट स्थित श्री गुरु गोबिंद सिंह जी इंडोर स्टेडियम (जीएचएमसी तैराकी केंद्र) में वार्षिक मास्टर्स तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 25-29 वर्ष आयु वर्ग से लेकर 80 वर्ष से अधिक आयु वर्ग तक के खिलाड़ियों ने भाग लिया। 80-84 वर्ष आयु वर्ग में हिस्सा लेते हुए 81 वर्षीय के.एल. नारायण ने चार अलग-अलग स्पर्धाओं में भाग लिया और सभी में स्वर्ण पदक हासिल किए। उन्होंने 25 मीटर फ्रीस्टाइल, 25 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक, 25 मीटर बैकस्ट्रोक और 50 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया। के.एल. नारायण की इस उपलब्धि को खेल जगत में प्रेरणादायक माना जा रहा है। उन्होंने साबित किया है कि उम्र केवल एक संख्या है और दृढ़ इच्छाशक्ति, अनुशासन तथा नियमित अभ्यास के बल पर किसी भी उम्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जा सकता है। के.एल. नारायण प्रतिदिन वायुपुरी तैराकी केंद्र में अभ्यास करते हैं। उनकी सफलता स्वस्थ जीवनशैली, निरंतर मेहनत और खेलों के प्रति समर्पण का उदाहरण है। उन्होंने युवाओं और बुजुर्गों सभी के लिए फिटनेस और सक्रिय जीवन का संदेश दिया है।

ट्रांसेंड एडवेंचर्स की टीम ने माउंट एल्ब्रस पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। छात्रों के लिए उनके घरों और भारत की अग्रणी साहसिक और पर्वतारोहण संस्था, ट्रांसेंड एडवेंचर्स ने एक और अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि हासिल की है। 'सेवन समिट्स' पर्वतारोही और माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली सबसे कम उम्र की महिला पर्वतारोही पूर्णा मालवथ के नेतृत्व में एक भारतीय टीम ने 18 जुलाई को सुबह 9:00 बजे (रूस के समयानुसार) यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रस (5,642 मीटर) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की। ट्रांसेंड एडवेंचर्स को अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोहण अभियानों के आयोजन का व्यापक अनुभव है। विश्व स्तर पर अनेक प्रमुख चोटियों पर भारतीयों का सफलतापूर्वक मार्गदर्शन करने के बाद, यह संगठन कड़े सुरक्षा मानकों, अनुभवी अभियान नेताओं, सटीक योजना और वैज्ञानिक प्रशिक्षण द्वारा संचालित विश्व स्तरीय अभियान आयोजित करता है। अभियान से पहले, सभी प्रतिभागियों को शारीरिक फिटनेस, मानसिक दृढ़ता, सहनशक्ति, उच्च ऊंचाई पर अनुकूलन, तकनीकी पर्वतारोहण कौशल, बर्फीले इलाकों में नेविगेशन, सुरक्षा प्रोटोकॉल और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रक्रियाओं को कवर करने वाला व्यापक प्रशिक्षण दिया जाता है। इस स्तर की तैयारी के साथ, टीम ने बेहद चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थितियों का सामना करते हुए सफलतापूर्वक शिखर पर विजय प्राप्त की। सफल पर्वतारोहियों में मुंबई के 15 वर्षीय आदित केडिया भी शामिल थे, जिन्होंने इससे पहले अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो पर चढ़ाई की थी और अब माउंट एल्ब्रस पर भी सफलतापूर्वक विजय प्राप्त कर ली है। उनकी मां, मीतू जलानी (45), भी अपने बेटे के साथ शिखर पर पहुंचीं, जिससे मां-बेटे की एक प्रेरणादायक जोड़ी बनी। इसके अलावा, हैदराबाद के के. रविचंद्र रेड्डी (56) और बेंगलुरू के आईटी पेशेवर लहरी (32) ने भी माउंट एल्ब्रस पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की और भारतीय तिरंगा फहराया। रूस की काकेशस पर्वत श्रृंखला में स्थित माउंट एल्ब्रस न केवल यूरोप की सबसे ऊंची चोटी है, बल्कि विश्व प्रसिद्ध 'सेवन समिट्स' में से एक है। इस चोटी पर चढ़ाई के लिए अत्यधिक ठंड, ग्लेशियर, तेज हवाएं, कम ऑक्सीजन स्तर और अप्रत्याशित मौसम परिवर्तन जैसी कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इस अवसर पर बोलते हुए अभियान की नेता पूर्णा मालवथ ने कहा कि यह उपलब्धि प्रत्येक सदस्य के अनुशासन, शारीरिक क्षमता, मानसिक दृढ़ता और टीम समन्वय का प्रमाण है।

भाजपा हाईकमान ने बंडी संजय और ईटेला राजेंदर के बीच समझौता कराया

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में आगामी चुनावों से पहले भाजपा को मजबूत करने के उद्देश्य से, पार्टी नेतृत्व ने केंद्रीय मंत्री बंडी संजय और सांसद ईटेला राजेंद्र के बीच सुलह कराई। राज्य मामलों के प्रभारी अभय पाटिल और सांसद के. लक्ष्मण की उपस्थिति में हुई इस बैठक के अंत में दोनों नेताओं ने मीडिया के सामने यह स्पष्ट किया कि उनके बीच कोई मतभेद नहीं है और पार्टी के विकास के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaartha2006@gmail.com
svaartha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

रोटरी ग्लोबल चैंपियंस का वृक्षारोपण अभियान में 700 पौधे लगाए गए

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3150 के अंतर्गत रोटरी ग्लोबल चैंपियंस ने जिला नामित पर्यावरण दिवस के अवसर पर 19 जुलाई को तेलंगाना गुरुकुल रेजिडेंशियल बॉयज स्कूल, बोराबंडा में वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया।

क्लब के सर्विस डायरेक्टर रोटेरियन त्रिनाध के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में आम, अमरूद, नींबू, संतरा, चीकू, कटहल और सीताफल सहित 70 से अधिक फलदार पौधे तथा 65 सब्जियों के पौधे लगाए गए। विद्यालय के छात्रों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पौधों को गोद लिया और उनकी देखभाल की जिम्मेदारी स्वीकार की।

अभियान में लगभग 20 रोटेरियन्स, रोटरैक्टर्स, क्लब सदस्यों और विद्यालय स्टाफ ने सहभागिता की। कार्यक्रम की सफलता में योगदान देने वाले रोटेरियन त्रिनाध, रोटेरियन शास्त्री, रोटेरियन वैशाली, रोटेरियन पल्लवी तथा श्रीनिवास थामन्ना का विशेष आभार व्यक्त किया गया। रोटरी ग्लोबल चैंपियंस द्वारा अब तक लगभग 700 पौधे लगाए जा चुके हैं।

संग्राम सिंह-आबिद अली के बीच मुकाबले से पहले विवाद, पाकिस्तानी फाइटर के वजन पर उठे सवाल

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय एमएमए स्टार और अंतरराष्ट्रीय पहलवान संग्राम सिंह 19 जुलाई 2026 को कुआलालंपुर में पाकिस्तान के आबिद अली से भिड़ेंगे। भारत और पाकिस्तान के फाइटरों के बीच होने वाले इस बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले एक विवाद खड़ा हो गया है। शनिवार को फाइट से एक दिन पहले दोनों देशों के फाइटर और सपोर्ट स्टाफ का फेस ऑफ हुआ। इस फेस ऑफ में फाइटरों को अपने अलग तरह के स्टांस में खड़े होना था। इस दौरान संग्राम सिंह के कोच भूपेश कुमार ने आयोजकों के सामने मोहम्मद आबिद अली के वजन को लेकर विरोध दर्ज करा दिया।

उनका कहना था कि जब संग्राम सिंह का वजन तीन-तीन बार चेक किया गया है तो फिर पाकिस्तानी फाइटर का वजन भी कई बार चेक होना चाहिए। भूपेश कुमार ने यह मामला इसलिए उठाया क्योंकि आबिद का वजन निर्धारित 84 किलोग्राम से कहीं अधिक लग रहा है। स्ट्राइक-एमएमए के सीईओ मोहम्मद हाकिम बिन लुकमान अब्दुल्ला ने इस विरोध को खारिज करते हुए कहा कि ऐसा कुछ नहीं है। सब ठीक है।

जहां फेस ऑफ में संग्राम सिंह बेहद शांत दिखे और उन्होंने विनम्रतापूर्वक इतना ही कहा कि यह एक अच्छी फाइट होगी। हमें खेल ही सिखाता है कि कभी हार नहीं माननी चाहिए। चैम्पियन बनने के लिए अपने प्रयास जारी रखने चाहिए। वहीं मोहम्मद आबिद अली के स्टांस को लेकर उठे सवालों पर इस फाइटर ने बड़बोला रवैया अपनाया।

पाकिस्तान के फाइटर आबिद अलि ने कहा कि ये सब तो रिंग में पता चलेगा। रविवार को उन्हीं का दिन होगा और वही ये फाइट जीतने जा रहे हैं। जैसे ही इस फाइट के लिए फेस ऑफ की घोषणा हुई, संग्राम सिंह ने आर्थोडॉक्स स्टांस के साथ बॉक्सिंग का एक्शन किया, जबकि पाकिस्तान के फाइटर मोहम्मद आबिद अली ने दोनों पैरों के बीच गैप को रखते हुए बॉक्सिंग का अजीबोगरीब स्टांस लिया। एक दूसरे को ललकारने के अंदाज के बाद संग्राम ने वहां बैठे एमएमए प्रेमियों की ओर भी स्टांस लिया, उनके इस अंदाज का दर्शकों ने तालियां बजाकर अभिवादन किया।

भारत में इस खेल के आइकन बन चुके संग्राम सिंह और पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद आबिद अली यहां रविवार को एशिया चैम्पियन एमएमए टाइटिल फाइट के लिए चुनौती रखने वाले हैं। संग्राम सिंह ने कहा कि वह एक भावुक पल था। आबिद अली दिखने में मुझसे ज्यादा तगड़ा और लम्बा है। मुझे अपनी दिल्ली वाली तैयारियों पर पूरा भरोसा है। जबकि पाकिस्तानी फाइटर के अजीबोगरीब स्टांस के सवाल पर संग्राम ने कहा कि वह इस बात को ज़्यादा महत्व नहीं देते क्योंकि ब्राजील के एक चैम्पियन फाइटर ने भी कुछ इसी तरह का स्टांस लिया है।

इंग्लैंड ने फुटबॉल वर्ल्डकप में ब्रॉन्ज जीता

साका की हैट्रिकः फ्रांस हारा; एम्बाप्पे गोल्डन बूट की रेस में मेसी से आगे, टूर्नामेंट में 10 गोल

ब्रॉन्ज मेडल के साथ इंग्लैंड के स्टार फुटबॉलर हैरी केन।

मियामी गार्डन्स, 19 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के तीसरे स्थान के मैच में फ्रांस को 6-4 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इंग्लैंड ने वर्ल्ड कप इतिहास में अपना दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। टीम 1966 में चैंपियन बनी थी।

इंग्लैंड की जीत के हीरो बुकायो साका रहे, जिन्होंने हैट्रिक लगाई। वहीं, फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने दो गोल करके गोल्डन बूट की रेस में मेसी को पीछे छोड़ दिया। उनके 10 गोल हो गए हैं, जबकि मेसी के 8 गोल हैं।

इतना ही नहीं, एमबाप्पे वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने।

उनके नाम अब 22 विश्व कप गोल हो गए हैं, जबकि लियोनेल मेसी के 21 गोल हैं। हालांकि, आज देर रात होने वाले वर्ल्ड कप फाइनल में मेसी के पास वापसी करने का मौका है।

वर्ल्ड कप के तीसरे स्थान के मैच में पहली बार कुल 10 गोल देखने को मिले। यह वर्ल्ड कप 1982 के बाद सबसे ज्यादा गोल वाला मुकाबला रहा।

डेक्लान राइस ने इंग्लैंड के लिए फुटबॉल वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे तेज (2 मिनट 14 सेकेंड) गोल किया। इंग्लैंड के लिए वर्ल्ड कप का सबसे तेज गोल अब भी ब्रायन रॉब्सन के नाम है, जिन्होंने 1982 वर्ल्ड कप में संयोग से फ्रांस के खिलाफ ही मुकाबले के 28वें सेकेंड में गोल किया था।

फ्रांस के माइकल ओलिसे ने इस वर्ल्ड कप में 7वां गोल असिस्ट किया। वे 1966 के बाद किसी एक वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा असिस्ट करने वाले खिलाड़ी बन गए।

\उन्होंने ब्राजील के महान खिलाड़ी पेले का 56 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। पेले ने 1970 वर्ल्ड कप में ब्राजील के लिए 6 असिस्ट किए थे।

इंग्लैंड ने मुकाबले की शुरुआत से ही दबदबा बनाया। तीसरे मिनट में डेक्लान राइस ने पहला गोल किया, जबकि 18वें मिनट में एजरी कॉन्सा ने बढ़त 2-0 कर दी। साका ने 37वें मिनट और पहले हाफ के इंजरी टाइम में गोल कर इंग्लैंड को हाफ टाइम तक 4-0 की मजबूत बढ़त दिला दी।

दूसरे हाफ में फ्रांस ने वापसी की कोशिश की। एम्बाप्पे ने 48वें मिनट में पहला गोल किया। 54वें मिनट में ब्रैडली बारकोला ने स्कोर 4-2 किया और 66वें मिनट में एम्बाप्पे ने अपना दूसरा गोल कर अंतर सिर्फ एक गोल का कर दिया।

87वें मिनट में मिले पेनल्टी को गोल में बदलकर साका ने अपनी हैट्रिक पूरी की और इंग्लैंड को राहत दिलाई।

इंजरी टाइम में उस्मान डेम्बेले ने फ्रांस के लिए गोल किया, लेकिन इसके तुरंत बाद जूड बेलिंगहम ने गोल कर इंग्लैंड की 6-4 की जीत तय कर दी।

टीम इंडिया के साथ जिम्बाब्वे दौरे पर रवाना हुए वैभव सूर्यवंशी, 23 जुलाई से सीरीज

मुंबई, 19 जुलाई (एजेंसियां)। आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरे के बाद वैभव सूर्यवंशी टीम इंडिया के साथ अब जिम्बाब्वे दौरे के लिए रवाना हो चुके हैं. रवानगी से पहले उनकी तस्वीर सामने आई है, जिसे बीसीसीआई ने शेयर किया है. बीसीसीआई ने टीम इंडिया के दूसरे खिलाड़ियों की भी फोटो शेयर की. ये वो खिलाड़ी हैं जो इंग्लैंड दौरे पर चल रही वनडे सीरीज में टीम इंडिया का हिस्सा नहीं हैं.

टीम के उप-कप्तान तिलक वर्मा और जिम्बाब्वे दौरे पर हेड कोच की भूमिका में जा रहे वीवीएस लक्ष्मण की भी प्लेन से तस्वीर सामने आई है, जिसे बीसीसीआई ने शेयर किया है. भारत को जिम्बाब्वे में 3 टी20 की सीरीज खेलनी है, जिसकी शुरुआत 23 जुलाई से होगी. प्रभसिमरन सिंह इस दौरे पर टीम इंडिया के सबसे नए चेहरे होंगे. उन्होंने भी बाकी खिलाड़ियों के साथ उड़ान भरी. प्रभसिमरन को ओपनर के विकल्प के तौर संजू सैमसन की जगह टीम में शामिल किया गया है.

जिम्बाब्वे दौरे पर भी टीम इंडिया के टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर होंगे, जो इस वक्त इंग्लैंड में वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया के साथ हैं. श्रेयस के साथ टी20 टीम के कुछ और खिलाड़ी सीधे इंग्लैंड से जिम्बाब्वे पहुंचेंगे.

10 साल बाद नॉर्थम्पटनशर बना चैंपियन, रिकॉर्ड बराबर

फाइनल में 5 विकेट लेने वाला गेंदबाज बेअसर

बर्मिंघम, 19 जुलाई (एजेंसियां)। नॉर्थम्पटनशर ने T20 ब्लास्ट का खिताब जीत लिया है. 18 जुलाई को बर्मिंघम में खेले फाइनल मुकाबले में उसने हैम्पशर को 14 रन से हराया. नॉर्थम्पटनशर की टीम 10 साल बाद T20 ब्लास्ट की चैंपियन बनी है. इस खिताबी जीत के साथ उसने सबसे ज्यादा बार T20 ब्लास्ट का टाइटल जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली है. नॉर्थम्पटनशर का T20 ब्लास्ट का ये तीसरा खिताब है. इससे पहले 2013 और 2016 में वो T20 ब्लास्ट का चैंपियन बना था. नॉर्थम्पटनशर ने इस मामले में लीसेस्टरशर और हैम्पशर की बराबरी की है, जिन्होंने पहले 3-3 बार T20 ब्लास्ट जीत रखे हैं.

T20 ब्लास्ट के फाइनल में नॉर्थम्पटनशर के खिलाफ हैम्पशर के गेंदबाज सॉनी बेकर का कहर देखने को मिला. बेकर ने नॉर्थम्पटनशर के खिलाफ 5 विकेट झटके और टूर्नामेंट के इतिहास में खेले फाइनल में ऐसा करने वाले पहले गेंदबाज बने. सॉनी बेकर ने ना सिर्फ क्रिस लिन को अपना पहला शिकार बनाकर नॉर्थम्पटनशर की ओपनिंग जोड़ी को तोड़ा बल्कि उसके बाद टीम के दूसरे ओपनर रिकार्डो को भी आगे चलकर आउट किया. इसके बाद मिडिल ऑर्डर में किंबर और हैरीसन के विकेट लेने के अलावा लोअर ऑर्डर में उन्होंने जेम्स सेल्स का विकेट लिया. इस तरह हैम्पशर के गेंदबाज सोनी बेकर ने नॉर्थम्पटनशर के खिलाफ 4 ओवर में 21 रन देकर 5 विकेट झटकते हुए इतिहास रचा.

हालांकि, सोनी बेकर के नॉर्थम्पटनशर पर छोड़े इस असर को हैम्पशर के बल्लेबाजों ने बेअसर कर दिया. सॉनी बेकर के बरपाए कहर के चलते नॉर्थम्पटनशर की टीम 20 ओवर खेलने से पहले ही ऑल आउट हो गई थी. पहले बल्लेबाजी करते हुए उसने 19.5 ओवर में 169 रन बनाए, जिसमें सबसे ज्यादा 88 रन रिकार्डो वास्कोनसियस ने बनाए थे.

हैम्पशर के सामने 20 ओवर में 170 रन बनाने का लक्ष्य था. मगर जोए वेदरले की 75 रन की पारी के बावजूद ये टीम सिर्फ 155 रन बनाकर ही ऑल आउट हो गई और 14 रन से मुकाबला हार गई. नॉर्थम्पटनशर की तरह हैम्पशर भी पूरे 20 ओवर नहीं खेल सकी. पूरी टीम 19.2 ओवर ही खेल सकी. नॉर्थम्पटनशर की तरफ से भी गेंदबाजी कसी हुई. जेम्स सेल्स ने 4 ओवर में 25 रन देकर 3 विकेट चटकाए तो प्रॉक्टर और सैंडरसन ने 3-3 विकेट लिए.

टेनिस के बाद डब्ल्यूडब्ल्यूई और एनबीए में भी छा गए जोकोविच?

न्यूयॉर्क में दिखाया ऐसा अंदाज, फैंस रह गए दंग

न्यूयॉर्क, 19 जुलाई (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क में आयोजित फैनाटिक्स फेस्ट के दौरान टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आए। कभी उन्होंने डब्ल्यूडब्ल्यूई सुपरस्टार की तरह धमाकेदार एंट्री की, तो कभी NBA कोर्ट पर लगातार थ्री-पॉइंटर दागकर फैंस को हैरान कर दिया। यही नहीं, यूएफसी पंचिंग चैलेंज में भी उन्होंने अपना दम दिखाया और पूरे इवेंट की सुर्खियां बटोर लीं।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले न्यूयॉर्क में आयोजित दो दिवसीय फैनाटिक्स फेस्ट में नोवाक जोकोविच भी शामिल हुए। इवेंट के पहले दिन उन्होंने लियोनेल मेसी का इंटरव्यू लिया और उनसे दबाव से निपटने को लेकर सवाल पूछे। इसके बाद जोकोविच ने डब्ल्यूडब्ल्यूई सुपरस्टार की तरह शानदार एंट्री की। उन्होंने दर्शकों के बीच पहुंचकर कई लोगों को हाई-फाइव दिया, वेयरवुल्फ जैसी दहाड़ लगाई और आखिर में रोमन रेंस से प्रेरित पोज देकर अपनी एंट्री पूरी की।

इसके बाद जोकोविच ने बास्केटबॉल कोर्ट पर थ्री-पॉइंट चैलेंज में हिस्सा लिया। उन्होंने बिना ज्यादा मेहनत के लगातार तीन थ्री-पॉइंटर सफलतापूर्वक लगाए। उनके इस प्रदर्शन पर दर्शकों ने जोरदार तालियां बजाईं और जोकोविच ने अपने अंदाज से माहौल को और भी रोमांचक बना दिया।

जोकोविच ने जस्टिन बीबर, टॉम ब्रैडी और अन्य हस्तियों के साथ यूएफसी स्ट्राइकिंग पंचिंग बैग चैलेंज में भी हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने पंचिंग स्केल पर 590 का स्कोर हासिल किया।

कोर्ट पर जोकोविच का सफर हाल ही में विंबलडन के सेमीफाइनल में समाप्त हुआ था, जहां उन्हें यानिक सिनर से हार का सामना करना पड़ा। अब सर्बियाई स्टार अगस्त में होने वाले यूएस ओपन में अपना 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कोशिश करेंगे।

1 गेंद, 3 रन और फाइनल का रोमांच! हार के मुंह से निकलकर नाइट राइडर्स ने जीता एमएलसी 2026, 10वीं ट्रॉफी पर किया कब्जा

ओकलैंड (कैलिफ़ोर्निया), 19 जुलाई (एजेंसियां)। एमएलसी 2026 का फाइनल किसी ट्रिलर फिल्म से कम नहीं था. एलए नाइट राइडर्स और वॉशिंगटन फ्रीडम के बीच सांसें रोक देने वाला मैच देखने को मिला. आखिरी गेंद तक मैच गया और नाइट राइडर्स 1 रन से मैच जीतकर पहली बार एमएलसी का खिताब अपने नाम करने में सफल रही. जेसन होल्डर की कप्तानी में एलएकेआर ने कई उतार-चढाव देखे लेकिन आखिर वो चैंपियन बन गए. यह फ्रेंचाइजी क्रिकेट में नाइट राइडर्स ग्रुप की अब तक की 10वीं ट्रॉफी रही. एमएलसी 2026 के फाइनल में वॉशिंगटन फ्रीडम और एलए नाइट राइडर्स की भिड़ंत हुई. नाइट राइडर्स पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.4 ओवर में 164 रन बनाकर ऑलआउट हो गई. कॉलिन मुनरो ने 40 रन, आंद्रे फ्लेचर ने 47 रन और मैथ्यू ट्रॉम्प ने 39 रन की पारी खेली. वॉशिंगटन फ्रीडम की ओर से बेन ड्वारशुइस ने सबसे अधिक 3 विकेट झटके.

वॉशिंगटन फ्रीडम के सामने 165 रन का लक्ष्य था. एलएकेआर ने गेंदबाजी से कमाल किया और पावरप्ले में ही 3 विकेट झटक लिए. एंड्रिएस गौस और निखिल चौधरी के बीच साझेदारी बनी. एंड्रिएस 40 रन बनाकर आउट हो गए, वहीं निखिल ने 25 रन की पारी खेली. लग रहा था कि मैच वॉशिंगटन फ्रीडम के हाथ से निकल जाएगा लेकिन ओबुस पाईनार ने शानदार बल्लेबाजी से मैच पलटा.

आखिरी ओवर में वॉशिंगटन फ्रीडम को जीत के लिए 14 रन चाहिए थे. कप्तान होल्डर ने शेडली वैन शाल्कविक के हाथ में गेंद थमाई. पहली गेंद पर पाईनार ने छक्का जड़कर अपना अर्धशतक पूरा किया. इसके बाद शाल्कविक ने शानदार वापसी करते हुए ओबुस पाईनार का विकेट झटका. उन्होंने इयान हॉलैंड को भी आउट कर दिया. आखिरी गेंद पर वॉशिंगटन फ्रीडम को 3 रन चाहिए थे. इसी बीच शाल्कविक के शानदार थ्रो के चलते लाहिरू मिलांथा रनआउट हो गए और 1 रन से एलएकेआर ने फाइनल जीत लिया.

लंका प्रीमियर लीग के पहले ही मैच में दिखी भारत-पाक की टक्कर, पीयूष चावला ने लिया बदला

कोलंबो, 19 जुलाई (एजेंसियां)। लंका प्रीमियर लीग के छठे सीजन का आगाज काफी रोमांचक और धमाकेदार अंदाज में हुआ. कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड पर खेले गए सीजन के पहले ही मुकाबले में फैंस को भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों के बीच एक दिलचस्प मिनी महामुकाबला देखने को मिला. इस टी20 लीग में जहां पाकिस्तान के स्टार ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज गाले गैलेंट्स की टीम की तरफ से खेल रहे हैं, वहीं भारत के पूर्व लेग स्पिनर पीयूष चावला जाफना किंग्स की जर्सी में मैदान पर उतरे. मैच में जब इन दोनों दिग्गजों का आमना-सामना हुआ, तो मुकाबले का रोमांच काफी बढ़ गया.

इस मुकाबले में जाफना किंग्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया. वहीं, गाले गैलेंट्स की पारी का 20वां और आखिरी ओवर जाफना किंग्स की तरफ से पीयूष चावला डालने आए. क्रीज पर पाकिस्तान के बाएं हाथ के बल्लेबाज मोहम्मद नवाज मौजूद थे. नवाज ने भारतीय स्पिनर पर काउंटर अटैक करते हुए उनके इस ओवर में 3 गगनचुंबी छक्के जड़ दिए, जिसने गाले की टीम के स्कोर को 200 के पार पहुंचा दिया.

भले ही मोहम्मद नवाज ने चावला की गेंदों पर लंबे-लंबे शॉट्स लगाए, लेकिन भारतीय गेंदबाज ने हिम्मत नहीं हारी और ओवर की आखिरी गेंद पर नवाज को डेविड वीजे के हाथों कैच कराकर पवेलियन का रास्ता दिखाया और अपना बदला पूरा किया. इस मुकाबले में पीयूष चावला ने अपने 4 ओवर के कोटे में 43 रन खर्च किए और 2 अहम विकेट चटकाए.

अगर मैच की बात करें तो गाले गैलेंट्स की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान चरित असलंका की 65 रनों की शानदार पारी और अंत में दासुन शनाका के नाबाद 31 और मोहम्मद नवाज के 21 रन के कैमियो की बदौलत 20 ओवर में 213 का विशाल स्कोर खड़ा किया. जवाब में जाफना किंग्स की टीम 20 ओवर भी पूरे नहीं खेल सकी और 19.4 ओवर में 177 रनों पर ही ढेर हो गई. गाले गैलेंट्स के गेंदबाज इशान मलिंगा ने घातक गेंदबाजी करते हुए 26 रन देकर 4 विकेट झटके, जिसकी बदौलत गाले गैलेंट्स ने इस पहले ही मैच को 36 रनों के बड़े अंतर से जीतकर टूर्नामेंट में अपना विजयी आगाज किया.

1888 में शिमला से शुरू हुआ एशिया का सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय फुटबॉल के इतिहास में कुछ नाम केवल टूर्नामेंट नहीं, बल्कि विरासत बन जाते हैं। डूरंड कप भी ऐसी ही एक विरासत है, जिसने पिछले 138 वर्षों में केवल विजेताओं को नहीं, बल्कि भारतीय फुटबॉल की पहचान और उसकी संस्कृति को भी आकार दिया है। 1888 में शिमला के अन्नाडेल मैदान में शुरू हुआ यह टूर्नामेंट आज एशिया का सबसे पुराना और दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित फुटबॉल ब्रिटिश भारत के विदेश सचिव सर मॉर्टिमर डूरंड की पहल पर शुरू हुई इस प्रतियोगिता का उद्देश्य सैनिकों के बीच अनुशासन, टीम भावना और आपसी सौहार्द को बढ़ावा देना था। शुरुआती वर्षों में इसमें केवल सैन्य रेजीमेंटों की टीमें हिस्सा लेती थीं। हिमालय की तलहटी में बसे अन्नाडेल मैदान पर होने वाले मुकाबले सैन्य परंपरा और खेल भावना का प्रतीक माने जाते थे। समय के साथ भारतीय फुटबॉल का विस्तार हुआ और डूरंड कप ने भी खुद को बदलते दौर के अनुरूप ढाल लिया। सैन्य दायरों से निकलकर इसने भारतीय क्लबों के लिए अपने दरवाजे खोले और यहीं से इसकी कहानी एक नए मोड़ पर पहुंची। वर्ष 1925 में मोहन बागान डूरंड कप में हिस्सा लेने वाला पहला भारतीय नागरिक क्लब बना। हालांकि वह खिताब जीतने में सफल नहीं हो सका, लेकिन उसने यह साबित कर दिया कि भारतीय क्लब भी देश के सबसे प्रतिष्ठित फुटबॉल मंच पर बराबरी से मुकाबला कर सकते हैं। डूरंड कप के इतिहास का सबसे यादगार अध्याय 1940 में लिखा गया। दिल्ली के इरविन एम्फीथिएटर में खेले गए फाइनल में कोलकाता के मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब ने रॉयल वारविकशायर रेजीमेंट को 2-1 से हराकर इतिहास रच दिया। इसके साथ ही मोहम्मडन स्पोर्टिंग डूरंड कप जीतने वाला पहला भारतीय नागरिक क्लब बन गया। उस मुकाबले को देखने के लिए करीब एक लाख दर्शक पहुंचे थे, जो उस

स्वतंत्रता के बाद मोहन बागान, ईस्ट बंगाल और मोहम्मडन स्पोर्टिंग जैसे क्लबों ने डूरंड कप को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। खासकर कोलकाता की फुटबॉल संस्कृति और यहां के समर्थकों के जुनून ने इस टूर्नामेंट को नई पहचान दी। डूरंड कप की एक और खासियत यह रही कि आधुनिकता को अपनाने के बावजूद उसने अपनी जड़ों से कभी समझौता नहीं किया। सेना और सेवा टीमों की निरंतर भागीदारी ने टूर्नामेंट में अनुशासन, सम्मान और खेल भावना की उस परंपरा को जीवित रखा, जिसके साथ इसकी शुरुआत हुई थी।

आलू के खेत को बना दिया इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम

किसान का बेटा ही बना देश का कप्तान, टीम ने रचा इतिहास

आलू के खेत को बना दिया इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम

सेंट हेलियर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। क्रिकेट के लिए दीवानगी की आपने कई कहानियां सुनी होंगी, लेकिन जर्सी देश के रहने वाले जिमी परचार्ड की कहानी सबसे अलग है. जिमी ने किसी सरकारी मदद या बड़े बजट के बिना, अपने घर के पास आलू के खेत में एक ऐसा क्रिकेट ग्राउंड तैयार कर दिया, जिसने न सिर्फ उनके परिवार की जिंदगी बदल दी, बल्कि जर्सी देश के क्रिकेट इतिहास को भी नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया. आज उनके इस ग्राउंड के क्लब हाउस की दीवारें अमेरिका से लेकर वानुअतु जैसी इंटरनेशनल टीमों की कैप, फोटोज और यादों से सजी हुई हैं. जिमी के इस अनोखे सफर की शुरुआत साल 1977 में हुई थी, जब वो द्वीप के साथी किसानों के साथ गर्मियों के दिनों में खेतों में फ्रेंडली मैच खेला करते थे. मैच के बाद अकसर वो चर्चा करते थे कि काश उनका अपना एक क्रिकेट ग्राउंड होता. जिमी ने इस सपने को मरने नहीं दिया. उन्होंने साल 2003 में अपने घर के बगल वाले खेत में पिच बनाने की कानूनी इजाजत हासिल की और ठीक दो साल बाद, यानी साल 2005 में इस मैदान पर पहली गेंद फेंकी गई.

शुरुआत काफी साधारण थी. मैदान पर न तो कोई पवेलियन था और न ही कोई खास सुविधा. खिलाड़ी कार में अपने कपड़े बदलते थे और एक छोटे से पोर्टकेबिन में चाय की केतली गर्म होती थी. लेकिन धीरे-धीरे स्पॉन्सर की मदद से जिमी ने मैदान के चारों ओर बाड़ लगाई, साइटस्क्रीन तैयार की और इसे एक खूबसूरत स्टेडियम का रूप दे दिया. इस मैदान का नाम फार्मर्स क्रिकेट ग्राउंड रखा गया.

जिमी के लिए यह मैदान सिर्फ एक शौक नहीं, बल्कि उनके बच्चों की नर्सरी बन गया. उनके बेटे चार्ल्स परचार्ड इसी मैदान पर खेलकूद कर बड़े हुए और हर वक्त पिता के साथ क्रिकेट खेलते थे. चार्ल्स ने साल 2010 में इसी मैदान पर अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया और साल 2017 में वो जर्सी की नेशनल क्रिकेट टीम के कप्तान बन गए.

केरलम-मणिपुर और मेघालय में फीफा वर्ल्डकप फाइनल मैच के लिए स्कूल-कॉलेज में छुट्टी

खेल डेस्क, 19 जुलाई (एजेंसियां)। रविवार रात फीफा फुटबॉल वर्ल्डकप का फाइनल मैच खेला जाना है। इसके चलते देश के 2 राज्यों केरलम, मेघालय और मणिपुर में सोमवार को सभी स्कूल, कॉलेज और प्रोफेशनल संस्थान बंद रहेंगे। फीफा वर्ल्डकप 2026 का फाइनल भारतीय समयानुसार 20 जुलाई की रात 12:30 बजे शुरू होगा। इसे देखते हुए छात्रों की सुविधा के लिए सोमवार को छुट्टी का फैसला लिया गया है। फाइनल मुकाबले में मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना का सामना स्पेन से होगा।

एसआईआर पर ध्यान केंद्रित करें कार्यकर्ता : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस नेताओं को कड़ी चेतावनी जारी करते हुए उन्हें पार्टी मुख्यालय, गांधी भवन के दौरे बंद करने और इसके बजाय मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के लिए पूरी तरह से जमीनी स्तर पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने नेताओं द्वारा जमीनी दौरों की उपेक्षा पर नाराजगी जताते हुए स्पष्ट किया कि जिलों में एसआईआर अभियान में सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है। उन्होंने आगे चेतावनी दी कि जमीनी स्तर पर परिणाम न दिखाने वालों को मनोनीत निगम अध्यक्ष पदों के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। एसआईआर आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 3 अगस्त है। मुख्यमंत्री ने रविवार को एसआईआर पर ज़ूम मीटिंग में भाग लिया, जिसमें उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश गौड़, तेलंगाना एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन, एआईसीसी सचिव सचिन सावंत, साथ ही मंत्री, विधायक, एमएलसी, सांसद, निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी और एसआईआर समन्वयक शामिल थे। इस अवसर पर बोलते हुए, रेवंत रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि प्रभारी मंत्रियों को एसआईआर प्रक्रिया की निगरानी की जिम्मेदारी लेनी चाहिए और

एसआईआर की विधानसभा क्षेत्रवार प्रगति की समीक्षा के लिए 30 जुलाई को एक व्यापक बैठक आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी चेतावनी दी कि यदि सांसद अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में प्रभारी नियुक्त होने के बावजूद अपने कर्तव्यों का पालन करने में विफल रहते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। चूंकि एसआईआर जमा करने की अंतिम तिथि 3 अगस्त तक बढ़ा दी गई है, इसलिए रेवंत रेड्डी ने कहा कि इसे जनता तक पहुंचने के अवसर के रूप में लिया जाना चाहिए। रेवंत रेड्डी ने सांसदों को निर्देश दिया कि वे संसद सत्रों में भाग लेते हुए भी समय-समय पर समीक्षा आयोजित करें। अब तक कांग्रेस पार्टी ने 119 निर्वाचन क्षेत्रों में एसआईआर पर 489 बैठकें आयोजित की हैं। उन्होंने कहा कि तत्काल कार्रवाई की। आवश्यकता है, खासकर सबसे पिछड़े निर्वाचन क्षेत्रों में। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायकों, निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी और अध्यक्षों को बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) की रिपोर्टों पर ही निर्भर रहने के बजाय बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) द्वारा प्रस्तुत रिपोर्टों की जांच करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि प्रभारी केवल बीएलओ की रिपोर्टों पर निर्भर रहते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। रेवंत रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि नेताओं को पार्टी की ओर से काम कर रहे बीएलए (ब्लिकन लीडरशिप एसोसिएशन) का प्रभावी ढंग से उपयोग करना चाहिए। जमीनी स्तर पर नेताओं की उपस्थिति अनिवार्य है। सभी प्रभारियों को अगले 10 दिनों में विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करना चाहिए। मंत्रियों, विधायकों, प्रभारियों, निगम अध्यक्षों और एसआईआर के लिए नियुक्त पार्टी प्रभारियों को इन दौरों का संचालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि गांधी भवन की टीम को बीएलए और बीएलओ की रिपोर्टों पर लगातार नजर रखनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 100 बीएलए सदस्यों को राहुल गांधी से मिलने और उनके साथ फोटो खिंचवाने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

राज्यपाल ने पीवी सिंधु को ओपन में ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने जापान ओपन में दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु की ऐतिहासिक जीत पर उन्हें बधाई दी है, जहां वह यह प्रतिष्ठित खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। रविवार को एक बयान में राज्यपाल ने कहा कि सिंधु की उल्लेखनीय उपलब्धि पूरे देश के लिए अपार गर्व का विषय है। उन्होंने सिंधु की असाधारण प्रतिभा, अटूट समर्पण और अदम्य साहस की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सफलता देश भर के अनगिनत युवा खिलाड़ियों को दृढ़ संकल्प और अनुशासन के साथ

उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगी। राज्यपाल ने पीवी सिंधु को उनके खेल करियर में निरंतर सफलता की शुभकामनाएं दीं और विश्वास व्यक्त किया कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लिए और भी कई गौरव अर्जित करेंगी।

शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में 237 लोग पकड़े गए

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस (सीटीपी) ने सप्ताहांत में शराब पीकर गाड़ी चलाने के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप 237 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। रक्त में अल्कोहल की मात्रा (बीएसी) के स्तर के आधार पर कुल 205 दोपहिया वाहन, चार तिपहिया वाहन और 28 चार पहिया वाहन दर्ज किए गए। सभी दोषियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। साइबराबाद पुलिस ने दोहराया है कि शराब के नशे में गाड़ी चलाना एक गंभीर अपराध है। यदि कोई व्यक्ति नशे की हालत में गाड़ी चलाते हुए पाया जाता है और किसी घातक दुर्घटना का कारण बनता है, तो ऐसे व्यक्ति पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। इस धारा के तहत अधिकतम सजा 10 वर्ष कारावास और जुर्माना है। पिछले सप्ताह (13 से 18 जुलाई) में अदालतों में शराब पीकर गाड़ी चलाने के कुल 309 मामलों का निपटारा किया गया, जिनमें 5 व्यक्तियों को केवल जुर्माना और कारावास की सजा मिली, एक व्यक्ति को जुर्माना और सामाजिक सेवा की सजा मिली और 303 व्यक्तियों को केवल जुर्माना मिला।

मंत्री का सिंचाई निगमों के ऋण भार को कम करने पर जोर

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सिंचाई विभाग एक व्यापक वित्तीय सुधार रणनीति विकसित कर रहा है जिसका उद्देश्य सिंचाई निगमों को वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने में सक्षम बनाना है। यह वित्तीय निगरानी को बढ़ाकर और उधार लेने के खर्च को कम करके हासिल किया जाएगा। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम

कुमार रेड्डी ने रविवार को निर्देश जारी कर दस दिनों के भीतर विस्तृत वित्तपोषण रणनीति को अंतिम रूप देने की बात कही। उन्होंने ऋणों के पुनर्गठन, वित्तपोषण आवेदन तैयार करने और इन निगमों की वित्तीय रिपोर्टिंग में सुधार करने के लिए अनुभवी वित्तीय विशेषज्ञों की नियुक्ति की आवश्यकता पर भी बल दिया, जिससे उन्हें अधिक अनुकूल दरों पर दीर्घकालिक वित्तपोषण प्राप्त करना आसान हो सके। सिंचाई निगमों की वित्तीय स्थिति और संचालन की समीक्षा करते हुए, वह चाहते थे कि वे प्रत्यक्ष बजटीय सहायता पर निर्भरता कम करने की दिशा में काम करें, जबकि परिचालन राजस्व पर ध्यान केंद्रित करें और इसका उपयोग ऋणों और ब्याज देनदारियों के भुगतान के लिए करें। बैठक में निगमों के लिए कुछ वित्तपोषण मॉडल पर मुख्य रूप से चर्चा की गई, जिनमें सौर परियोजनाओं से प्राप्त राजस्व भी शामिल था।

सिंचाई निगमों से संबंधित अप्रयुक्त या उपयुक्त भूमि को सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए विकसित किया जा सकता है। निगम या तो अपनी स्वतंत्र विद्युत परियोजनाएं स्थापित कर सकते हैं या इसके लिए भूमि पट्टे पर ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से प्राप्त राजस्व निगमों के लिए आय का एक सुनिश्चित स्रोत बन जाएगा। सिंचाई जलाशयों के निकट, निज़ाम सागर क्षेत्र सहित, नवीकरणीय ऊर्जा के संभावित अवसरों पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों को इनकी तकनीकी और व्यावसायिक व्यवहार्यता का अध्ययन करने के लिए कहा गया।

हालांकि, मंत्री ने स्पष्ट किया कि राजस्व तंत्र से किसानों पर कोई बोझ नहीं पड़ना चाहिए। अधिकारियों को अंतिम मॉडल में शामिल करने से पहले सभी प्रस्तावित राजस्व उपायों के कानूनी और नियामक निहितार्थों की जांच करने के लिए कहा गया। उत्तम कुमार रेड्डी ने सिंचाई निगमों के वैधानिक लेखापरीक्षाओं को पूरा करने का आदेश दिया और वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इस प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित करें ताकि किसी भी प्रकार की देरी से बचा जा सके। 2022-23 और अन्य लंबित वित्तीय वर्षों के लिए वैधानिक लेखापरीक्षा तत्काल शुरू की जानी चाहिए। अधिकारियों को लेखापरीक्षकों की शीघ्र नियुक्ति के लिए सक्षम प्राधिकारियों के साथ समन्वय करने और लेखापरीक्षा रिपोर्टों के मसौदे से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए कहा गया। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मौजूदा टीमों को वित्तपोषण प्रस्ताव तैयार करने, ऋण पुनर्गठन करने और निगमों की वित्तीय प्रस्तुति में सुधार करने में सहायता के लिए अनुभवी वित्तीय पेशेवरों को नियुक्त करें।

बोनालु पर्व पर महेश कुमार गौड़ ने देवी मंदिरों में की विशेष पूजा

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आषाढ़ मास के बोनालु पर्व के अवसर पर तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य महेश कुमार गौड़ ने रविवार को निजामाबाद शहर स्थित अंबेडकर कॉलोनी के श्री रेणुका येल्लम्मा मंदिर तथा कोटगली के श्री कोटा मैसम्मा मंदिर में दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने देवी को विशेष नैवेद्य अर्पित कर राज्य के सभी नागरिकों के सुख,

समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। साथ ही प्रार्थना की कि तेलंगाना राज्य सभी क्षेत्रों में निरंतर प्रगति करे। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि बोनालु पर्व तेलंगाना की संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक है तथा यह सामाजिक एकता और आपसी सौहार्द का संदेश देता है। मंदिर समिति के सदस्यों और श्रद्धालुओं ने महेश कुमार गौड़ का स्वागत किया तथा उन्हें देवी का तीर्थ प्रसाद और आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर निजामाबाद की महापौर उमारानी, जिला कांग्रेस समिति के अध्यक्ष बोब्बिली रामकृष्ण, निगम अध्यक्ष शेखर गौड़, ताहेरबीन, केश वेणु, कांग्रेस पार्टी के स्थानीय नेता, कार्यकर्ता, मंदिर समिति के सदस्य तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

महिला प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी ने अपने सहपाठी पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित प्रतिष्ठित सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (एसवीपीएनपीए) में रविवार को यौन उत्पीड़न का एक गंभीर आरोप सामने आया। एक महिला प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी ने अत्तापुर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें उसने आरोप लगाया है कि उसके साथी प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी उदय कृष्ण रेड्डी ने उसका गंभीर यौन उत्पीड़न किया। शिकायत के अनुसार, आरोपी ने कथित तौर पर महिला को उसकी मर्जी के खिलाफ एक कमरे में घसीटा, उसका यौन उत्पीड़न किया और उसकी सहमति के बिना उसके निजी और अंतरंग वीडियो गुप्त रूप से रिकॉर्ड किए। शिकायतकर्ता ने आगे आरोप लगाया कि उसने रिकॉर्डिंग का इस्तेमाल करके उसे डराया-धमकाया। देश की प्रमुख पुलिस अकादमी में प्रशिक्षण ले रहे एक आईपीएस प्रशिक्षु के खिलाफ लगे इन आरोपों ने पुलिस हलकों में चिंता पैदा कर दी है।

शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने सोशल मीडिया पर निजी वीडियो अपलोड करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल किया। उसने आगे बताया कि आरोपी ने पहले ही ये वीडियो उसके पति को भेज दिए थे, जिससे उसे गंभीर मानसिक आघात पहुंचा। लिखित शिकायत के आधार पर, अत्तापुर पुलिस ने प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी उदय कृष्ण रेड्डी के खिलाफ यौन उत्पीड़न, आपराधिक धमकी/ब्लैकमेल और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की स ं ब ि ध त धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस इस हाई-प्रोफाइल मामले की गोपनीय जांच कर रही है।

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी : सत्यवती राठौड़

महिलाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रमाणपत्र और सिलाई मशीनें वितरित

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव के 24 जुलाई को होने वाले 50वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में तेलंगाना महिला संघ के तत्वावधान में रविवार को तेलंगाना भवन में गिफ्ट ए स्माइल कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान लगभग 500 महिलाओं को निःशुल्क सिलाई एवं ब्यूटीशियन प्रशिक्षण प्रदान किए जाने पर प्रमाणपत्र वितरित किए गए। साथ ही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सिलाई मशीनें भी प्रदान की गईं। इस अवसर पर पूर्व मंत्री सत्यवती राठौड़ ने कहा कि सिलाई का प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाएं भविष्य में किसी पर निर्भर हुए बिना सम्मानपूर्वक आजीविका चला सकेंगी। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के शासनकाल में महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए अनेक योजनाएं लागू की गईं और लगभग हर कल्याणकारी योजना महिलाओं के नाम से संचालित की जाती थी। उन्होंने कहा कि कल्याण लक्ष्मी, आरोग्य लक्ष्मी, राशन कार्ड, दो शयनकक्ष वाले आवास, दलित बंधु, बथुकम्मा साड़ियां, केसीआर किट, केसीआर न्यूट्रिशन किट, आसरा पेंशन और कांति वेलुगु जैसी योजनाओं से महिलाओं को व्यापक लाभ मिला। सत्यवती राठौड़ ने दावा किया कि भारत राष्ट्र समिति के शासनकाल में महिलाएं आधी रात को भी निडर होकर बाहर निकलती थीं, जबकि वर्तमान में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि के. चंद्रशेखर राव सरकार द्वारा शुरू की गई शी टीम्स व्यवस्था से महिलाओं में सुरक्षा का विश्वास बढ़ा था। पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष तुला उमा ने महिलाओं से शिक्षा, रोजगार और राजनीति सहित सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनकर उपलब्ध अवसरों का पूरा लाभ उठाना चाहिए। कार्यक्रम में तेलंगाना महिला संघ की अध्यक्ष डी. पद्म, पूर्व जिला परिषद क्षेत्रीय सदस्य श्रीकांत, भारत राष्ट्र समिति की नेता अर्पिता प्रकाश तथा पार्टी के वरिष्ठ नेताओं सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।

वारंगल संसदीय क्षेत्र में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण की समीक्षा बैठकें आयोजित

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल संसदीय क्षेत्र के प्रभारी एवं विधान परिषद सदस्य केतावत शंकर नायक ने रविवार को वरंगल संसदीय क्षेत्र के स्टेशन घनपुर, वर्धन्नापेट और परकाला विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम की समीक्षा बैठकों में भाग लिया। इन बैठकों का आयोजन स्थानीय विधायक कडियम श्रीहरि, के.आर. नागराजु तथा रेवूरी प्रकाश रेड्डी के नेतृत्व में किया गया। बैठकों को संबोधित करते हुए केतावत शंकर नायक ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के जनप्रतिनिधियों, नेताओं और कार्यकर्ताओं को समन्वय के साथ मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराया जाए तथा किसी भी पात्र मतदाता का नाम बिना कारण सूची से हटने न पाए, इसके लिए पूरी सतर्कता बरती जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम स्तर से लेकर मतदान केंद्र स्तर तक विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए और लोगों को इसके प्रति व्यापक रूप से जागरूक किया जाए। उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे क्षेत्र में सक्रिय रहकर प्रत्येक पात्र नागरिक को अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए प्रेरित करें। बैठकों में जिला कांग्रेस समिति के अध्यक्ष एनिगला वेंकटरामिरेड्डी, अयूब, दमयंती, जिला कांग्रेस समिति के पर्यवेक्षक नजीर, दुद्दिल्ला श्रीनु बाबू, कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि, विभिन्न मंडलों के कांग्रेस अध्यक्ष, सहयोगी संगठनों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

15 घंटे काम, 3 महीने से वेतन नहीं

ओमान में फंसी हैदराबाद की शबनम बेगम ने विदेश मंत्री से मांगी मदद

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में रहने वाली शबनम ने परिवार के लिए ज्यादा रुपये कमाने के उद्देश्य से ओमान का रुख किया था, लेकिन वहां शबनम ने जैसा सोचा था, वैसा नहीं हुआ। हैदराबाद की महिला ने वीडियो के माध्यम से अपनी आपबीती बयां की है। इसमें बताया है कि उससे रोजाना 15 घंटे काम लिया जाता है। इसके साथ ही उसे तीन महीने से वेतन भी नहीं मिला है। महिला से स्थानीय रिक्रूटमेंट एजेंट ने उन्हें हाउसमेड (घरेलू सहायिका) की नौकरी का वादा किया था।

एक नेता को भेजे गए खुद के रिकॉर्ड किए गए वीडियो में हैदराबाद की रहने वाली शबनम बेगम ने बताया है कि वह 26 मार्च को ओमान गई थीं, जब एक स्थानीय रिक्रूटमेंट एजेंट ने उन्हें हाउसमेड की नौकरी का वादा किया था। उन्होंने दावा किया कि उनसे तीन महीने से ज्यादा समय तक बिना कोई वेतन दिए दिन-रात काम करवाया गया। मजलिस बचाओ तहरीक के अमजद उल्लाह खान को भेजे गए एक भावुक वीडियो में महिला ने

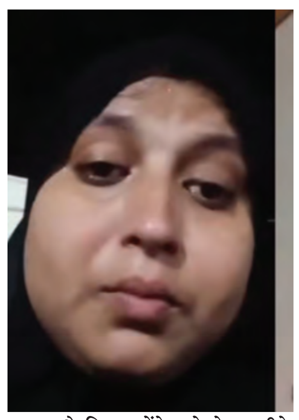

बताया है कि उन्होंने मुझे डेढ़ महीने तक मोबाइल फोन भी नहीं दिया। 26 साल महिला ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें प्रताड़ित किया गया। पीटा गया और सही खाना नहीं दिया गया।

पासपोर्ट जब्त करने का आरोप : शबनम ने बताया है कि जब दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं हुआ। तो वह जहां काम कर रही थी। वह से भाग निकलीं। इसके बाद मस्कट में भारतीय दूतावास पहुंची। शबनम का आरोप है कि एजेंटों ने उनका पासपोर्ट ले लिया है। शबनम ने अमजद उल्लाह से उन्हें बचाने की अपील की। अमजद उल्लाह ने बताया कि उन्हें 200 ओमानी रियाल (लगभग 50,000 रुपये) के मासिक वेतन पर हाउसमेड के तौर पर काम करने के लिए मस्कट बुलाया गया था।

ओमान पहुंचने के बाद कथित तौर पर उन्हें अलग-अलग घरों में काम करवाया गया। रोजाना 12-15 घंटे काम करने के लिए मजबूर किया। सही खाना और रहने की जगह नहीं दी गई। शबनम को आरोप है कि तीन महीने से कोई वेतन नहीं दिया गया।

मजलिस बचाओ तहरीक के अमजद उल्लाह खान ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से अनुरोध किया है कि वे मस्कट स्थित भारतीय दूतावास को निर्देश दें ताकि महिला की सुरक्षा सुनिश्चित करें और उन्हें तुरंत हैदराबाद वापस लाने की व्यवस्था करें। इसके बाद दूतावास ने उनकी पोस्ट का जवाब देते हुए कहा कि उसने मामले का संज्ञान लिया है। दूतावास ने आगे कहा कि इस मामले पर उचित स्तरों पर कार्रवाई की जा रही है।

खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर एच-फास्ट की कार्रवाई

छह लोगों को हिरासत में लिया गया

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर पुलिस आयुक्त की टास्क फोर्स की हैदराबाद खाद्य मिलावट निगरानी टीम (एच-फास्ट) ने खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने और खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए हैदराबाद और रंगारेड्डी जिलों में विशेष अभियान चलाया। इस अभियान के तहत छह खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर छह लोगों को हिरासत में लिया गया और आगे की कार्रवाई के लिए उन्हें खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को सौंप दिया गया। पुलिस के अनुसार, यह अभियान 17 जुलाई को ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के समन्वय से चलाया गया। कार्रवाई खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा अन्य संबंधित कानूनों के तहत की जा रही है। जिन प्रतिष्ठानों पर जांच की गई उनमें बहादुरपुरा स्थित केओपी एग्रो टेक लिमिटेड (खाद्य तेल और बासमती चावल पैकिंग इकाई), किशनबाग स्थित स्नैजी आइसक्रीम निर्माण इकाई, सिकंदराबाद मायलारगड्डा स्थित वीरभद्र एंटरप्राइजेज और ट्विन सिटीज एंटरप्राइजेज (मुरुकुलु नमकीन निर्माण इकाइयां), मल्काजगुड़ा स्थित एसएस बेकरी तथा बेगम बाजार स्थित एम.एम. किराना एवं ड्राई फ्रूट्स स्टोर शामिल हैं। अधिकारियों ने जांच

के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं पाईं। इनमें अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य पदार्थों का निर्माण और भंडारण, बार-बार उपयोग किए गए खाना पकाने के तेल का इस्तेमाल, कृत्रिम रंगों का प्रयोग, एक्सपायरी और गलत लेबल वाले खाद्य पदार्थों की बिक्री, वैध खाद्य सुरक्षा लाइसेंस का प्रदर्शन नहीं करना, खाद्य पदार्थों पर सही लेबलिंग का अभाव तथा कीट नियंत्रण एवं स्वच्छता मानकों की अनदेखी शामिल है। इसके अलावा कई प्रतिष्ठानों में खाद्य सामग्री के अनुचित भंडारण, कर्मचारियों द्वारा बाल जाल, दस्ताने और सुरक्षा उपकरणों का उपयोग नहीं करने, कॉकरोच और कबूतरों के प्रकोप तथा खराब साफ-सफाई की स्थिति भी सामने आई।

अभियान के दौरान असुरक्षित खाद्य तेल, कृत्रिम रंग और अन्य संदिग्ध खाद्य सामग्री जब्त की गई। खाद्य पदार्थों के नमूने प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे गए हैं। संबंधित खाद्य कारोबार संचालकों को नोटिस जारी कर खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने और कमियों को दूर करने के निर्देश दिए गए हैं। यह अभियान एच-फास्ट के पुलिस निरीक्षक एन. रंजीत कुमार गौड़ और एम. अंजैया के नेतृत्व में उप निरीक्षकों तथा संबंधित खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के साथ मिलकर चलाया गया। हैदराबाद शहर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे केवल लाइसेंस प्राप्त और स्वच्छ प्रतिष्ठानों से ही खाद्य सामग्री खरीदें। खरीदारी से पहले खाद्य सुरक्षा लाइसेंस, निर्माण एवं समाप्ति तिथि तथा उत्पाद की सही लेबलिंग की जांच करें। खाद्य मिलावट, अस्वच्छ खाद्य निर्माण या अवैध खाद्य कारोबार से संबंधित जानकारी एच-फास्ट टोल फ्री नंबर 8712661212 पर देकर कार्रवाई में सहयोग किया जा सकता है। हैदराबाद पुलिस ने कहा कि आम जनता के स्वास्थ्य की सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना उसकी प्राथमिकता है।

टीटीडी ने कमरों के आवंटन को सुव्यवस्थित किया

तिरुमला, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बिना किसी असुविधा के आवास का सुगम आवंटन सुनिश्चित करने के लिए, तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने अपने उप-जांच कार्यालयों के माध्यम से कमरा आवंटन प्रणाली को सुव्यवस्थित किया है। यह प्रणाली तीर्थयात्रियों द्वारा केंद्रीय स्वागत कार्यालय (सीआरओ) में घंटों इंतजार करने की पूर्व प्रथा को प्रतिस्थापित करती है, जिससे प्रक्रिया तेज और अधिक सुविधाजनक हो जाती है। तीर्थयात्रियों को सबसे पहले तिरुमाला स्थित केंद्रीय स्वागत कार्यालय (सीआरओ) में पंजीकरण कराना चाहिए। सीआरओ प्रतिदिन सुबह 5:00 बजे खुलता है और जब तक कमरे उपलब्ध हैं, पंजीकरण स्वीकार किए जाते हैं। तीर्थयात्रियों को पंजीकरण काउंटर पर अपना मूल आधार कार्ड या उसकी फोटोकॉपी, साथ ही अपना मोबाइल नंबर जमा करना होगा। पंजीकरण फेस रिकग्निशन सिस्टम के माध्यम से पूरा किया जाता है। तीर्थयात्री काउंटर पर अपनी पसंद के कमरे का चयन कर सकते हैं। पंजीकरण के बाद, एक पावती पर्ची जारी की जाएगी। पंजीकरण के बाद, पंजीकरण संख्या सीआरओ में लगे डिस्प्ले बोर्ड पर प्रदर्शित होगी। संख्या प्रदर्शित होते ही, तीर्थयात्रियों को 15 मिनट के भीतर आवंटित कमरे की जानकारी के साथ एक एसएमएस प्राप्त होगा। यदि डिस्प्ले बोर्ड पर पंजीकरण संख्या दिखाई देने के बावजूद एसएमएस प्राप्त नहीं होता है, तो तीर्थयात्री सीआरओ में स्थापित कियोस्क मशीनों पर अपनी पावती पर्ची को स्कैन करके कमरे का विवरण देख सकते हैं। टीटीडी अपने सभी तीर्थयात्रियों से इन दिशा-निर्देशों का पालन करने और प्रबंधन के साथ सहयोग करने की अपील करता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.